राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

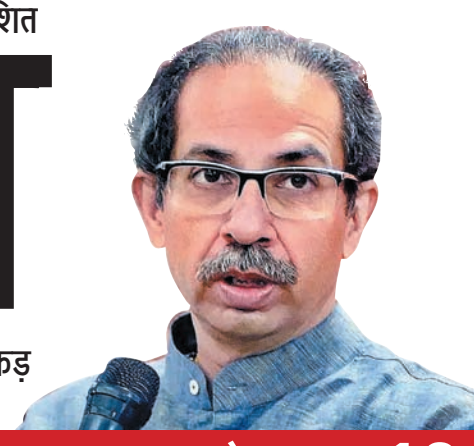

11 इंग्लैंड के पास टेस्ट श्रृंखला जीतने का...

मुस्लिम समुदाय आ रहा हमारे साथ... 12

वर्ष : 14 | अंक : 271 | नई दिल्ली, मंगलवार, 13 फरवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 18°C

न्यूनतम तापमान 16°C

बाजार

सोना 64,185

चांदी 79,600

सेंसेक्स 71,072

निफ्टी 21,616

संक्षिप्त खबरें

सेना प्रमुख जनरल पांडे अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे सोमवार को चार दिवसीय यात्रा पर अमेरिका के लिए रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय सैन्य भागीदारी को और बढ़ाने के तरीके तलाशना है। सेना ने 13 से 16 फरवरी तक जनरल पांडे की यात्रा को ''महत्वपूर्ण'' बताया और कहा कि यह दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को रेखांकित करती है। सेनाध्यक्ष अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय चर्चा और बातचीत में शामिल होंगे। सेना ने कहा, ''यह यात्रा भारत और अमेरिका के बीच गहरे सैन्य सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करती है जिसका उद्देश्य रक्षा सहयोग को और मजबूत करना और दोनों देशों की सेनाओं के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देना है।''

श्रीलंका, मॉरीशस में यूपीआई भुगतान सुविधा सेवा शुरू

नई दिल्ली। भारत की यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सेवाओं की शुरूआत सोमवार को श्रीलंका और मॉरीशस में हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी से जोड़ने वाला बताया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ ने भी हिस्सा लिया। अपनी टिप्पणी में मोदी ने उम्मीद जताई कि नई फिनटेक सेवाएं दोनों देशों की मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि यूपीआई 'भारत के साथ साझेदारी को एकजुट करने की नई जिम्मेदारियों' को क्रियान्वित कर रहा है। उन्होंने कहा, ''आज हिंद महासागर क्षेत्र के तीन मित्र देशों के लिए एक विशेष दिन है क्योंकि हम अपने ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक डिजिटल तकनीक के साथ जोड़ रहे हैं।'' मोदी ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि यूपीआई प्रणाली से श्रीलंका और मॉरीशस को फायदा होगा।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे से भारत में क्रांतिकारी बदलाव आया है। उन्होंने 'पड़ोस प्रथम' नीति पर भारत की केंद्रित नीति को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''चाहे वह प्राकृतिक आपदा हो, स्वास्थ्य से जुड़ी हो, आर्थिक या अंतरराष्ट्रीय मंच पर समर्थन, भारत ने सबसे पहले प्रतिक्रिया दी है। भारत आगे भी यह जारी रखेगा।''

लोकसभा चुनाव में भाजपा की 370, राजग की 400 से अधिक सीट पर होगी जीत: शाह

प्रात: किरण/एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के नतीजे को लेकर लोगों के मन में कोई संशय नहीं है क्योंकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 370 सीट जीतेगी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 से अधिक सीटें जीतेगा। शाह ने कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के शासन में से पहले पांच साल विपक्षी दल के शासनकाल में खोदे गए ''गड्ढे'' को भरने में चले गए और अन्य पांच (विकास की) नींव रखने में लगाए गए।वरिष्ठ भाजपा नेता ने अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) की 1,950 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरूआत करने के बाद यहां कहा, ''उन्हें (मोदी को) तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं। नींव पर एक शानदार इमारत बहुत तेज गति से बनेगी।''

शाह ने कहा, ''मैं कल कर्नाटक में था और मैंने जनवरी में 11 राज्यों का दौरा किया। लोकसभा चुनाव (के नतीजे) के बारे में किसी भी राज्य में कोई संशय नहीं है। पूरे देश में यह माहौल है कि भाजपा को 370 सीट और राजग को 400 से ज्यादा सीट मिलेंगी।''

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी ने कई कार्यों को गति और दिशा दी तथा ऐसे लक्ष्य पूरे किए जिनकी कल्पना करना मुश्किल था। शाह ने कहा कि यह 'गुजरात मॉडल' ही था जिसके कारण लोगों ने 2014 में मोदी को देश का प्रधानमंत्री चुना। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी ने देश को नई ऊंचाई पर ले जाने का खाका खींचा और लोगों को भरोसा है कि उनके 10 साल के शासन के बाद 2047 में भारत दुनिया में अव्वल होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी में योजना बनाने और उसे कड़ी मेहनत से लागू करने की क्षमता है। भाजपा नेता ने कहा, ''परिणामस्वरूप, भारतीय अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से ऊपर उठकर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसी साल 22 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में अयोध्या मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। उन्होंने कहा, ''करीब 550 साल से देश का हर व्यक्ति अयोध्या में राम मंदिर का इंतजार कर रहा था। हमने 22 जनवरी को यह साकार होते देखा और आज हमारे पास राम लला का एक सुंदर मंदिर है।''

मोदी ने रोजगार मेले में एक लाख नियुक्ति किये पत्र वितरित

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र0 मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नवनियुक्त कर्मचारियों को एक लाख से अधिक नियुक्ति पत्रों का वितरण किया। उन्होंने यहां एकीकृत परिसर ह्यकर्मयोगी भवनह्ल के पहले चरण की आधारशिला भी रखी। यह परिसर मिशन कर्मयोगी के विभिन्न स्तंभों के बीच सहयोग और समन्वभय को बढ़ावा देगा। इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक लाख से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नवनियुक्तों और उनके परिवारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार में युवाओं को नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने का अभियान पूर्ण गति के साथ जारी है। नौकरी अधिसूचना और नियुक्ति पत्र सौंपने के बीच लगने वाले लंबे समय के कारण बढ़ने वाली रिश्वतखोरी का उल्लेनख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने निर्धारित समय के तहत भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के साथ-साथ पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बना दिया है। उन्होंने कहा कि इससे प्रत्येक युवा को अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने के समान अवसर प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज हर युवा का

मानना है कि वे कड़ी मेहनत और कौशल के साथ अपने रोजगार की स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। उन्हों ने कहा कि सरकार युवाओं को राष्ट्र के विकास में सहभागी बनाने का निरंतर रूप से प्रयास कर रही है। सरकार ने पिछले 10 वर्षों में पिछली सरकारों की तुलना में डेढ़ गुना अधिक युवाओं को रोजगार प्रदान किए हैं। उन्होंने यहां एकीकृत परिसर 'कर्मयोगी भवन' के पहले चरण की आधारशिला रखने का भी उल्लेाख करते हुए कहा कि यह क्षमता निर्माण की दिशा में सरकार की पहल को और मजबूत बनाएगा।

सरकार के प्रयासों से नए क्षेत्रों के खुलने और युवाओं के लिए रोजगार व स्वरोजगार के अवसरों का सृजन होने की चर्चा के साथ-साथ प्रधानमंत्री ने बजट में एक करोड़ रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने की घोषणा का भी उल्लेाख किया, जिससे परिवारों का बिजली बिल कम होगा और वे ग्रिड को बिजली की आपूर्ति करके आर्थिक लाभ कमाने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना से लाखों नये रोजगारों का सृजन होगा। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नेता जताते हुए कहा कि भारत में लगभग 1.25 लाख स्टार्टअप के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है और इनमें से कई स्टार्टअप टियर 2 या टियर 3 शहरों से हैं। उन्होंबने कहा कि ये स्टार्टअप नये रोजगारों के अवसरों का सृजन कर रहे हैं, इसलिए बजट में स्टार्टअप के लिए कर छूट जारी रखने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री ने बजट में अनुसंधान और नवोन्मेेअष को बढ़ावा देने के लिए घोषित एक लाख करोड़ के कोष का भी उल्लेाख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार मेले के माध्यम से रेलवे में भर्ती भी हो रही है और यात्रा के मामले में रेलवे आम लोगों की पहली पसंद है। उन्होंने कहा कि भारत में रेलवे बड़े पैमाने पर बदलाव के दौर से गुजर रहा है और अगला दशक इस क्षेत्र में पूर्ण बदलाव का साक्षी बनेगा। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 से पहले रेलवे पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया था और उन्होंने रेल लाइनों के विद्युतीकरण और दोहरीकरण के साथ-साथ नई ट्रेनों को शुरू करने एवं यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद रेलवे के आधुनिकीकरण और उन्नयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए संपूर्ण ट्रेन यात्रा अनुभव को सुखद बनाने के अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के बजट में वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी 40,000 आधुनिक बोगियां तैयार करते हुए इन्हें सामान्य ट्रेनों में जोड़ा जाएगा, इससे यात्रियों का सफर अधिक सुविधाजनक होगा। कनेक्टिविटी के दूरगामी प्रभाव की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने नए बाजारों, पर्यटन के विस्तार, नए व्यवसायों और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण हो रहे लाखों रोजगारों के सृजन का उल्लेख किया।

लोगों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं, उनकी जेब पर डाका डाला जा रहा है : राहुल गांधी

प्रात: किरण/एजेंसी

कोरबा (छत्तीसगढ़)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सोमवार को निशाना साधा और कहा कि देश में लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है तथा वे महंगाई की मार झेल रहे हैं। गांधी ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से जागने को कहा और आरोप लगाया कि जनता की जेबें लूटी जा रही हैं तथा उन्हें गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''पिछड़े वर्ग, दलित और आदिवासी देश की आबादी का 74 प्रतिशत हिस्सा हैं, लेकिन इन समुदायों का एक भी व्यक्ति भारत की शीर्ष 200 कंपनियों का मालिक या प्रबंधन में शामिल नहीं है, जिन्हें 'देश का सारा पैसा' दिया जा रहा है।'' गांधी ने कहा, ''भाजपा इसे 'हिंदू राष्ट्र' कहती है, लेकिन देश की 74 फीसदी आबादी और आम गरीबों को कुछ नहीं मिल रहा है।'' उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वे केवल थाली पीटने, घंटा बजाने, मोबाइल फोन देखने और भूख से मरने के लिए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''मुझे बताओ, क्या आपने राम मंदिर उद्घाटन (पिछले महीने) में किसी गरीब, मजदूर, बेरोजगार व्यक्ति या छोटे व्यवसायी को देखा है? मैंने केवल (गौतम) अडाणी जी, (मुकेश) अंबानी जी, अन्य बड़े उद्योगपतियों और अमिताभ बच्चन

जैसी फिल्मी हस्तियों को देखा। वहां अडाणी जी, अंबानी जी और उनके परिवार के सदस्य बड़े-बड़े बयान दे रहे थे।'' कांग्रेस नेता ने इसे आर्थिक अन्याय करार देते हुए आरोप लगाया, ''लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है और महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है, जबकि अडाणी और अंबानी चीन का सामान बेचकर लाभ कमा रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''आप मुझसे पूछेंगे कि मेरा भाषण मीडिया में क्यों नहीं दिखाया जाता। मीडिया में 24 घंटे (नरेन्द्र) मोदी जी, अंबानी जी, अडाणी जी और रामदेव बाबा नजर आएंगे। राहुल गांधी नजर नहीं आएंगे क्योंकि वह मुद्दों की बात करते हैं।'' गांधी ने लोगों से पूछा कि क्या उन्होंने किसी पिछड़े, दलित और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को बड़े अस्पतालों या विश्वविद्यालयों के मालिक के रूप में देखा है? उन्होंने यात्रा में मौजूद जनसमुदाय से कहा, ''मुझे कहने में अच्छा नहीं लग रहा लेकिन मैं कह रहा हूं, आप लोग सो गए हैं। आपने नुकसान स्वीकार कर लिया है। 24 घंटे 'जय श्री राम, जय श्री राम' का जाप, यह अच्छा है लेकिन हर दिन आपका पैसा छीना जा रहा है और आप भूख से मर रहे हैं।'' उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वह मोबाइल फोन के आदी नहीं बनें और वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करें। गांधी ने कहा, ''अगर मैं 100 साल पहले यहां आया होता और उन चीजों के बारे में पूछता जो आपको नशे का आदी बनाती हैं, तो आपका जवाब शराब, भांग और चरस होता। नशा का अर्थ है एक व्यक्ति का अपनी जिंदगी पर ध्यान नहीं देना और अन्य चीजों पर ध्यान केंद्रित करना। आजकल लोग और छात्र लगभग 8-10 घंटे मोबाइल फोन पर ध्यान देते हैं जो सबसे खतरनाक लत है।'' उन्होंने कहा, ''अडाणी और अंबानी दिन में सिर्फ 10-15 मिनट ही मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं।

कर्नाटक के करीब 100 किसानों को भोपाल में रोका गया: एसकेएम

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने दावा किया है कि 13 फरवरी को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए कर्नाटक से ट्रेन के जरिए राष्ट्रीय राजधानी आ रहे करीब 100 किसानों को मध्य प्रदेश पुलिस ने भोपाल में रोक लिया है। एसकेएम के दक्षिण भारत के संयोजक शांताकुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह भी इस समूह के साथ ट्रेन में यात्रा रहे थे और ₹हमें भोपाल स्टेशन पर पुलिस ने रोक लिया तथा हमारे कुछ सदस्य जख्मी भी हुए हैं। शांताकुमार ने कहा कि वह किसी तरह दिल्ली पहुंचे। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो केंद्रीय मंत्री एसकेएम और अन्य किसान संघों के साथ शांति बैठकें कर रहे हैं जबकि दूसरी ओर सरकार किसानों को प्रदर्शन में शामिल होने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में करीब 23 महापंचायतें हुईं और प्रदर्शन की योजना तीन महीने पहले बनाई गई थी। शांताकुमार ने कहा कि इसका अचानक से ऐलान नहीं किया गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी के अलावा, किसान स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों व कृषि मजदूरों के लिए पेंशन, कृषि ऋण माफ करने, पुलिस में दर्ज मामलों को वापस लेने और लखीमपुरी खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए ''न्याय'' की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, खाद्य मंत्री पीयूष गोयल और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय का सोमवार शाम चंडीगढ़ में एसकेएम समेत अन्य किसान संघों के सदस्यों से मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

अर्थव्यवस्था पर मोदी सरकार का श्वेत पत्र झूठ का पुलिंदा: कांग्रेस

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के संसद के आखिरी सत्र में अर्थव्यवस्था को लेकर लाए गये श्वेत पत्र को झूठ का पुलिंदा करार देते हुए इसे देश के लोगों के साथ सबसे बड़ा मजाक बताया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार का श्वेत पत्र झूठ है और जनता को गुमराह करने वाला है। विडंबना यह है कि सरकार ने श्वेत पत्र में अपने 10 साल के कार्यकाल को फर्जी तरीके से संसद में रखा। इससे भी बड़ी विडंबना ये है कि मोदी सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड

नहीं दिखा रही बल्कि उसने 10 साल पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के समय का लेखा- जोखा प्रस्तुत किया है। उन्होंने श्वेत पत्र पर सरकार को चुनौती देते हुए कहा, ₹मेरी मोदी सरकार को खुली चुनौती है। वे अपने बनाए मानक पर कांग्रेस और भाजपा सरकार के 10 साल के आंकड़े रखकर देख ले- दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा, लेकिन मैं जानती हूं कि मोदी सरकार की ऐसा करने की न हैसियत है और ना ही उसमें हिम्मत है। मोदी सरकार के श्वेत पत्र पर वित्त मंत्रालय से साजिशन वैधता ली गई है।

प्रवक्ता ने कहा कि जिस श्वेत पत्र में साजिशन वित्त मंत्रालय की वैधता ली गई है, उस वैधता को देने में मंत्रालय के ऐसे अधिकारी भी शामिल हैं जिन्हें खुद के किए कामों को नकारना पड़ा। साजिशों के बावजूद कांग्रेस शासन के 10 वर्षों की जीडीपी भाजपा सरकार के 10 वर्षों से कहीं अधिक थी। उन्होंने कहा, ₹भाजपा सरकार में जीडीपी विकास दर छह प्रतिशत से नीचे आ गयी। लोगों की आय घटी, उपभोग घटा, बेरोजगारी बढ़ी।

बिहार में विश्वासमत से पहले अवध बिहारी को स्पीकर पद से हटाया

प्रात: किरण/एजेंसी

पटना। बिहार में जारी सियासी घमासान के बीच आज सोमबार को विधानसभा स्पीकर अवध बिहारी चौधरी को अपना पद त्यागना पड़ा है। महागठबंधन सरकार में स्पीकर रहे राजद विधायक अवध बिहारी चौधरी को पद से हटाने के लिए पहले अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन उन्होंने पद से हटने से इंकार कर दिया था। बावजूद इसके आज उन्होंने इस प्रस्ताव पर चर्चा के बाद स्पीकर पद को त्याग दिया है। हटाने के लिए पेश किए गए प्रस्ताव के पक्ष में 125 और विपक्ष में 112 सदस्य रहे।गौरतलब है कि नीतीश कुमार की अगुवाई में बनी नई सरकार के गठन के बाद अवध बिहारी को स्पीकर पद से हटाने के लिए पहले ही अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इसके बाद उन्होंने

कहा था कि मैं पद से नहीं हटूंगा। इसके साथ ही स्पीकर ने कहा था कि उन्हें पद से हटाने की सूचना दी गई है। अतः सदन में सूचना को प्रस्तुत करने की अनुमति मैं देता हूं। इससे पहले सोमवार सुबह बिहार विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद स्पीकर को पद से हटाने का प्रस्ताव लाया गया और उस पर चर्चा की गई जिसके बाद अवध बिहारी चौधरी ने अपना पद त्याग दिया।

कतर ने आठ पूर्व नौसैनिकों को रिहा किया, लौटे सात भारत

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कतर ने जेल में बंद भारतीय नौसेना के उन आठ पूर्व कर्मियों को रिहा कर दिया है जिन्हें कथित रूप से जासूसी के एक मामले में पिछले साल अक्टूबर में मौत की सजा सुनाई गई थी। रिहाई से 46 दिनों पहले उनकी मौत की सजा को कारावास में तब्दील किया गया था। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि रिहा किए गए आठ भारतीय नागरिकों में से सात भारत लौट आए हैं और देश अपने नागरिकों की रिहाई तथा उनकी घर वापसी को संभव बनाने के लिए कतर के अमीर के फैसले की सराहना करता है। ऐसा माना जाता है कि नौसेना के इन पूर्व कर्मियों के खिलाफ जासूसी का आरोप था। हालांकि न तो कतर के प्रशासन और न ही भारतीय अधिकारियों की तरफ से इसको सार्वजनिक किया गया कि इन लोगों के खिलाफ क्या आरोप थे। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''भारत सरकार कतर में हिरासत में लिए गए दहरा ग्लोबल

कंपनी के लिए काम करने वाले आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई का स्वागत करती है।'' मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, ''रिहा किए गए आठ भारतीयों में से सात भारत लौट आए हैं। हम इन नागरिकों की रिहाई और घर वापसी को संभव बनाने के लिए कतर के अमीर के फैसले की सराहना करते हैं।''कैप्टन (सेवानिवृत्त) नवतेज गिल और सौरभ वशिष्ठ, कमांडर (सेवानिवृत्त) पूर्णेंदु तिवारी, अमित नागपाल, एसके गुप्ता, बीके वर्मा, और सुगुनाकर पकाला और नाविक (सेवानिवृत्त) रागेश को सजा सुनाई गई थी। मामले से अवगत लोगों ने कहा कि तिवारी दोहा में ही रुके हैं और उनके जल्द ही भारत वापस आने की संभावना है। नौसेना के पूर्व कर्मियों को 26 अक्टूबर को कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। खाड़ी देश की अपीलीय अदालत ने 28 दिसंबर को मृत्युदंड को कम कर दिया था और पूर्व नौसैन्य कर्मियों को अलग-अलग अवधि के लिए जेल की सजा सुनाई थी। निजी कंपनी अल दहरा के साथ काम करने वाले भारतीय नागरिकों को जासूसी के एक कथित मामले में अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था। अपीलीय अदालत ने मौत की सजा को कम करने के बाद भारतीय नागरिकों को उनकी जेल की सजा के आदेश के खिलाफ अपील करने के लिए 60 दिन का समय दिया था। पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुबई में 'कॉप 28' शिखर सम्मेलन के मौके पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल-थानी से मुलाकात की थी और कतर में भारतीय समुदाय के कल्याण पर चर्चा की थी।

किसानों को भ्रमित कर रही है कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली। किसानों के 'दिल्ली चलो' प्रस्तावित मार्च पर भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि कांग्रेस किसानों को भ्रमित कर रही है। सोमवार को भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि मोदी सरकार किसानों के मुद्दों को लेकर संवेदनशील और गंभीर है। मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार लगातार किसानों को सशक्त बनाने के लिए मजबूती के लिए काम कर रही है। किसानों को हमेशा प्राथमिकता दी गई है लेकिन कांग्रेस पार्टी किसानों को गुमराह करने और देश में भय का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के बयानों पर नकवी ने कहा कि कांग्रेस किसानों के कंधों पर बंदूक और अपने षड्यंत्र के संदूक को लेकर देश में भ्रम फैलाने का प्रयास है लेकिन वो सफल नहीं होंगे। उल्लेखनीय है कि संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य के संबंध में कानून बनाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर केंद्र सरकार पर दबाव डालने के लिए 13 फरवरी को 200 से अधिक किसान यूनियनों के समर्थन से 'दिल्ली चलो' मार्च की घोषणा की है।

सियासत पहले अविस्वास प्रस्ताव लाकर स्पीकर चौधरी को हटाया, बाद में हुई वोटिंग

फ्लोर टेस्ट में पास हुई नीतीश सरकार विपक्ष ने किया वॉक आउट

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। आखिरकार नीतीश सरकार फ्लोर टेस्ट में पास हो गई है। जबकि बिहार विधानसभा में सोमवार को फ्लोर टेस्ट की वोटिंग से पहले विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। वहीं सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई। इससे पहले विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में मुख्यमंत्री ने बोलना चाहा, लेकिन जैसे ही बोलने के खड़े हुए तो आरजेडी विधायक हंगामा करने लगे। तब नीतीश कुमार ने गुस्से में कहा कि लोग मुझे सुनना नहीं चाहते तो वोटिंग करवाइए। इस दौरान सीएम नीतीश ने तेजस्वी के माता-पिता का जंगलराज याद दिलाया। वहीं पूर्व

डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी की गारंटी वाले बताएंगे क्या कि मुख्यमंत्री फिर पलटेंगे या नहीं? तेजस्वी यादव ने कहा, मैं खुश हूं कि कपूर्री ठाकुरजी को भारत रत्न दिया गया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने भारत रत्न को डील बना दिया है। आप हमारे साथ आइए और हम आपको भारत रत्न देंगे। तेजस्वी यादव ने फ्लोर टेस्ट से पहले ही कह दिया कि आज हमें बोलने दीजिए, कल से हम जनता के बीच रहेंगे, जनता की भलाई का काम करते रहेंगे। सदन में इस दौरान तेजस्वी जिंदाबाद के नारे भी लगे। हालांकि विधानसभा के बाहर आरजेडी ने हंगामा किया। इस दौरान आरजेडी कार्यकताओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज भी किया गया। सदन में इससे पहले अविश्वास प्रस्ताव पास कर स्पीकर अवध बिहारी चौधरी को हटा दिया गया। बता दें कि स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 125 और विपक्ष में 112 वोट पड़े। वहीं राजद के तीन विधायकों ने पाला बदलने के संकेत देते हुए चेतन आनंद, प्रहलाद यादव और नीलम देवी सत्ता पक्ष की ओर बैठे। वहीं जेडीयू विधायक दिलीप राय विधानसभा ही नहीं पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

नैनीडांडा ब्लॉक के उम्टा स्कूल में बच्चों के लिए बना मध्याह्न भोजन

कोटद्वार/धुमाकोट, एजेंसी। नैनीडांडा ब्लॉक के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय उम्टा में भोजन माता का विवाद सुलझने के बाद शनिवार को तीन माह बाद विद्यालय में मध्याह्न भोजन बनाया गया।विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ज्योत्सना चमोली और धुमाकोट थाने में तैनात एसआई भावना भट्ट ने बताया कि शुक्रवार को हटाई गई भोजनमाता को चेतावनी देने के बाद शनिवार को विद्यालय में विधिवत रूप से मध्याह्न भोजन बनाया गया। मध्याह्न भोजन में बच्चों को दाल, चावल और सब्जी परोसी गई। जिसे बच्चों ने बड़े चाव से खाया। उन्होंने बताया कि पिछले तीन माह से चल रहे विवाद के कारण कई सब्जियां खराब हो गई। सोमवार से विधिवत रूप से ताजी सब्जियां लाकर बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन बनाया जाएगा।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुरू

कोटद्वार, एजेंसी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में उत्तराखंड सरकार की महत्वाकांक्षी देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत स्थापित देवभूमि उद्यमिता केंद्र की बैठक में प्रस्तावित 12 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रोग्राम के संपादन के संबंध में चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. जानकी पवांर ने इस प्रोग्राम में छात्र-छात्राओं के लिए पंजीकरण से संबंधित दिशा निर्देश दिए। साथ ही प्रोग्राम के संपादन संबंधी आवश्यक निर्णय भी लिए गए। बैठक में उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. एसके गुप्ता, डॉ. सुनीता नेगी, डॉ. प्रियंका अग्रवाल, डॉ. सरिता चौहान, डॉ. मुकेश रावत आदि मौजूद रहे।

निबंध में प्रगति और पोस्टर में गुलशन प्रथम

उत्तरकाशी, एजेंसी। पीजी कॉलेज उत्तरकाशी का सात दिवसीय एनएसएस शिविर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रगति जोशी और पोस्टर प्रतियोगिता में गुलशन ने पहला स्थान प्राप्त किया। गोस्वामी गणेश दत्त सरस्वती विद्या मंदिर लक्षेश्वर में आयोजित सात दिवसीय शिविर का समापन पर्यावरणविद डॉ. हेमंत ध्यानी ने किया। निबंध प्रतियोगिता में भूमिका दूसरे, अजय तीसरे स्थान पर रहे। पोस्टर में अमरेश दूसरे, देवेंद्र तीसरे स्थान पर रहा। वहीं एनएसएस का कमांडर रोहित राज तथा रक्षिता को बनाया गया। सर्वश्रेष्ठ व्यवहार के लिए देवेश सेमवाल पुरस्कृत किए गए। इस दौरान सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी छात्र गुलशन तथा सर्वश्रेष्ठ छात्रा प्रगति जोशी को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर एनएसएस की वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ऋचा बधानी, रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन माधव जोशी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. परदेव रावत, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. वीर राघव खंडूडी, डॉ. जयलक्ष्मी रावत, डॉ. एमपीएस पुरमार मौजूद थे।

यूएसईटी में नंदन सिंह और अमिग्रा को मिली सफलता

ऋषिकेश, एजेंसी। कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल की ओर से सात जनवरी 2024 को आयोजित उत्तराखंड राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा (यूएसईटी) 2024 के आधार पर राजनीति विज्ञान विभाग में श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के पं. ललित मोहन शर्मा परिसर के दो अभ्यर्थी नंदन सिंह और अमिग्रा सफल घोषित किए गए हैं। नंदन सिंह वर्तमान में पीएचडी उपाधि के लिए विभाग में शोधरत हैं। वहीं अमिग्रा ने वर्ष 2023 में विभाग के संस्थागत विद्यार्थी के रूप में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण की है। दूसरी ओर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से दिसंबर 2023 में आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा में भी राजनीति विज्ञान विभाग के तीन विद्यार्थी काजल, दीपक सिंह महर और अंकित कुमार ने सफलता अर्जित की है विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. एनके जोशी और परिसर के निदेशक प्रो. एमएस रावत ने प्रसन्नता व्यक्त की है। विभागाध्यक्ष प्रो. डीकेपी चौधरी ने बताया कि विभाग में वर्तमान में शोधरत सभी पांच छात्र और छात्राएं यूजीसी नेट और जेआरएफ उत्तीर्ण है ढ्ढ परिसर के प्राध्यापकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार जनपद में किया 1168 करोड़ रुपए की लागत के 158 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

ऋषिकुल मैदान में नारी शक्ति महोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विशाल जनसभा को किया संबोधित

प्रात: किरण, संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ऋषिकुल मैदान हरिद्वार में नारी शक्ति महोत्सव कार्यक्रम में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने हरिद्वार जनपद के लिए 1168 करोड़ रुपए की लागत के 158 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वनभूलपुरा अतिक्रमण वाले स्थल पर पुलिस और अन्य संस्थान खोले जायेंगे। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार के शहरी क्षेत्र की सम्पूर्ण सीवरेज व्यवस्था के सुदृढीकरण के लिए जर्मन बैंक की मदद से 523 करोड़ की स्वीकृत परियोजना, ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था, पर्यटक स्थलों के विकास, पार्किंग व्यवस्था सहित अन्य कार्यों का आज शिलान्यास किया। इन योजनाओं से हरिपुरकलां, भूपतवाला, भीमगोडा, हरकी पैड़ी, मायापुर, कनखल, ऋषिकुल, ज्वालापुर, आवास विकास कॉलोनी, गोविन्दपुरी, जगजीतपुर सहित अन्य क्षेत्रों को सीवरेज सहित पेयजल, पार्किंग आदि की समस्या से निजात मिल सकेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि किसी समाज या राज्य की रीढ़, उसकी सशक्त महिलाएं ही हैं, अगर किसी राज्य की नारी शक्ति प्रगति कर रही है तो उस राज्य का विकास सुनिश्चित है। उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण में राज्य की महिलाओं का विशेष योगदान रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए अनेक प्रयास हुए हैं। उत्तराखण्ड में भी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने के साथ ही ह्यमुख्यमंत्री नारी सशक्तिकरण योजनाह्न, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना, मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना और पोषण अभियान जैसी योजनाएं प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आंगनबाड़ी केन्द्रों को उन्नत रूप से विकसित करते हुए भविष्य के नौनिहालों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ड्रीम प्रोजेक्ट तारा की शुरूआत करने के लिए हरिद्वार जिला प्रशासन की सराहना की। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत 150 आंगनबाड़ी केन्द्रों को आधुनिक व तकनीकी रूप से समृद्ध बनाते हुए प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र में स्मार्ट टी०वी०, बच्चों के लिए फर्नीचर, खिलौने और आंगनबाडी कार्यकत्री को नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रणाली की बारीकी से ट्रेनिंग दी जा रही है। प्रोजेक्ट द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के 3000 बच्चों एवं 300 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सीधे लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री के ह्यअमृतकाल की आंगनबाड़ीह्न के सपने को मूर्तरूप देने का प्रशंसनीय कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के अन्तर्गत राज्य सरकार ने हरिद्वार में ह्ममीठी गंगाह्न नामक एक और महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरूआत भी की है, जिसमें स्थानीय महिलाओं द्वारा शहद उत्पादन एवं बिक्री का कार्य किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम महिलाओं को होम मेकर के साथ -साथ नेशन मेकर के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि तभी हम सही अर्थों में राष्ट्र का विकास कर पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनरोत्थान के लिये निरंतर कार्य हो रहे हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य व दिव्य मंदिर का उद्घाटन, काशी विश्नाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक कॉरिडोर सहित बाबा केदार के पुनर्निर्माण कार्य और बद्रीनाथ धाम के मास्टर प्लान के कार्य इस बात का सबूत है, उन्होंने जो कहा वह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हम हरिद्वार और ऋषिकेश कॉरिडोर का निर्माण कराए जाने का प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं, क्योंकि हम अयोध्या, काशी विश्वनाथ और महाकाल लोक कॉरिडोर की तरह ही हरकी पैड़ी कॉरिडोर को विश्व के मानचित्र पर एक अलग पहचान दिलाना चाहते हैं। उत्तराखंड में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया गया है और अब समान नागरिक संहिता विधेयक विधानसभा से पास हो गया है। हमें 21वीं सदी के इस तीसरे दशक को महिला सशक्तिकरण को समर्पित दशक बनाना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नारी शक्ति महोत्सव कार्यक्रम से पहले देवपुरा चौक से ऋषिकुल मैदान तक आयोजित भव्य रोड शो प्रतिभाग कर मातृ शक्ति और विशाल जन समूह का अभिनंदन स्वीकार किया। इस अवसर पर सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कल्पना सैनी, जिला पंचायत अध्यक्ष हरिद्वार राजेन्द्र चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष श्यमवीर सैनी, शोभाराम प्रजापति, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, देशराज कर्णवाल, जिलाधिकारी हरिद्वार धीराज गर्ब्याल, एस.एस.पी प्रमेन्द्र डोभाल, सीडीओ प्रतीक जैन उपस्थित थे।

14 को तय होगी बदरीनाथ के कपाट खुलने की तिथि

ऋषिकेश, एजेंसी।
विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि 14 फरवरी को नरेंद्रनगर (टिहरी गढ़वाल) में विधि विधान पंचांग गणना के बाद तय होगी। महाराजा मनुजेंद्र शाह, सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय, राजकुमारी शिरजा शाह और बदरीनाथ धाम रावल की उपस्थिति में राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने तिथि तय करेंगे। महाराजा मनुजेंद्र शाह कपाट खुलने की तिथि की घोषणा करेंगे। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि परंपरागत रूप से राजमहल नरेंद्रनगर में तय होने के लिए 14 फरवरी को सुबह 10 बजे से धार्मिक समारोह शुरू होगा। पूजा अर्चना, पंचांग गणना के बाद दोपहर तक कपाट खुलने की तिथि घोषित हो

जाएगी। इसी दिन तेल कलश यात्रा की भी तिथि तय की जाएगी। कपाट खुलने की तिथि तय होने के कार्यक्रम में बदरीनाथ धाम के रावल ईश्वर प्रसाद, नंबूदरी मंदिर के समिति पदाधिकारी, डिमरी केंद्रीय पंचायत पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। वहीं श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि शुक्रवार 8 मार्च शिवरात्रि के अवसर पर पंच केदार गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग) में विधि-विधान पंचांग गणना के बाद तय होगी। श्री केदारनाथ भगवान के पंचमुखी भोगमूर्ति के केदारनाथ धाम प्रस्थान का भी कार्यक्रम तय हो जाएगा।

आईएएस विशाल मिश्रा बने हल्द्वानी के नगर आयुक्त

हल्द्वानी, एजेंसी।
ऊधम सिंह नगर के मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा को हल्द्वानी नगर निगम का आयुक्त बनाया गया है। रविवार को अपर सचिव कर्मिक एवं सतर्कता कर्मेन्द्र सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

शासन ने बीते दिनों तबादला सूची जारी कर उन्हें सीडीओ टिहरी बनाया बनाया था, लेकिन रविवार को आदेश संशोधित करते हुए उन्हें हल्द्वानी नगर निगम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एमएनए बनाए गए मिश्रा 2018 बैच के आइएएस अधिकारी हैं। वहीं, नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय का ऊधम सिंह नगर तबादला कर उन्हें अपर जिलाधिकारी बनाया गया है।

नैनीताल- नगर पालिका बोर्ड द्वारा बिना टेंडर के ठेके पर दी गई अशोक पार्किंग का ठेका निरस्त कर दिया गया है। आज नगर पालिका पार्किंग अपने कब्जे में लेगी। जिसके बाद पालिका का ई-टेंडर के माध्यम से ठेका दिया जाएगा। जिससे पालिका को सालाना 20 लाख से अधिक आमदनी होने की उम्मीद है।

बता दें कि शासन की ओर से निरस्त की गई लीज के बाद बीते वर्ष नगर पालिको बोर्ड ने सशर्त अशोक पार्किंग बिना टेंडर पूर्व लीजधारक को दे दी थी। मासिक औसतन 1.89 लाख की आमदनी करने वाली पार्किंग को महज 35 हजार मासिक शुल्क पर देने से पालिका की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे थे।

पालिका में प्रशासक व नये ईओ की नियुक्ति के बाद जब बोर्ड में पार्किंग का ठेका निरस्त करने का प्रस्ताव रखा तो ठेकेदार प्रत्यावेदन लेकर हाई कोर्ट पहुंच गया। कोर्ट ने मामले में नगर पालिका को ठेकेदार का प्रत्यावेदन पर विचार कर अपने स्तर पर निस्तारण के निर्देश दिए थे।

पालिका ने ठेकेदार को नोटिस के बाद प्रत्यावेदन पर सुनवाई करते हुए बीते सात फरवरी को ठेका निरस्त कर दिया। साथ ही ठेकेदार को पार्किंग हस्तांतरित करने का नोटिस जारी किया गया। ईओ राहुल आनंद ने बताया कि ठेकेदार को नौ फरवरी तक का समय दिया गया था। सोमवार सुबह पालिका पार्किंग कब्जे में लेकर स्वयं संचालन शुरू कर देगी।

कर्फ्यू के बीच तीन घंटे जूझती रही गर्भवती...घर तक एंबुलेंस न पहुंचने पर डेढ़ किलोमीटर पैदल भी चली

हल्द्वानी , एजेंसी।
हल्द्वानी के बनभूलपुरा में कर्फ्यू के बीच तीन घंटे तक एक गर्भवती जूझती रही। घर तक एंबुलेंस न पहुंचने के कारण गर्भवती को डेढ़ किलोमीटर तक पैदल भी चलना पड़ा।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में कर्फ्यू की पाबंदी के बीच एक गर्भवती और उसके परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला को एंबुलेंस नहीं मिली। करीब डेढ़ किमी पैदल चलना पड़ा। जैसे-तैसे महिला अस्पताल पहुंची वहां बच्ची को जन्म दिया।

मामला शुक्रवार की रात दो बजे का है। बरेली रोड स्थित काबुल गेट के पास रहने वाली सनम को रात 11 बजे अचानक प्रसव पीड़ा हुई। जब दर्द बढ़ा तो परिवार ने अस्पताल ले जाने का मन बनाया लेकिन कर्फ्यू की पाबंदी के चलते उजाला नगर मोहल्ले में आवाजाही बंद थी।

एंबुलेंस को फोन किया तो पता चला कि उनके मोहल्ले की सड़क संकरी होने के कारण वहां नहीं पहुंचा जा सकता। इसके लिए उन्हें बरेली रोड पर मुख्य सड़क तक आना होगा। बीते दिनों

सनम के पति के पैर पर चोट आ गई थी।

इसके बावजूद रात 11 बजे वह भी लड़खड़ा कर सनम और अपनी बूढ़ी मां के साथ चल दिए। रास्ते भर में उन्हें किसी ने सहायता नहीं दी। उन्हें पुलिस के सवालों से भी जूझना पड़ा। डेढ़ किमी के रास्ते में कई बार उन्हें रोका गया।

ऐसा इसलिए क्योंकि पति लड़खड़ाकर चल रहे थे, इस परिवार को उपद्रव में शामिल परिवार समझा गया। जैसे-तैसे डेढ़ घंटे बाद एंबुलेंस के पास पहुंचे। इसके बाद सनम को महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। रात दो बजे महिला अस्पताल में बिटिया का जन्म हुआ।

पुलिस ने उपद्रवियों को चिह्नित करने की कार्रवाई में पूरी ताकत झोंक दी है। हल्द्वानी हिंसा में पूछताछ के लिए हिरासत में लिए 90 से अधिक संदिग्धों को पुलिस ने गौलापार में बनाई अस्थायी जेल में डाला है। पुलिस इन सभी के चेहरे सीसीटीवी फुटेज, फोटो, वीडियो से मिला रही है। इसके साथ अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस लगातार उपद्रवियों की पहचान में जुटी है। उपद्रवियों को हिरासत में लेने का सिलसिला जारी है। रविवार को 30 लोगों को पुलिस ने पूछताछ के बाद छोड़ दिया। उधर दोबारा दबिश देकर 30 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस ने इन्हें रखने के लिए गौलापार कुवंरपुर के एक स्कूल में एक अस्थायी जेल बनाई है।

इस जेल में 90 से अधिक लोगों को रखा गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार कई उपद्रवियों ने पुलिस को कुछ साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं। पुलिस इन उपद्रवियों का लिंक तलाश कर रही है। एसएसपी पीएन मीणा का कहना है कि 12 टीमें लगातार धरपकड़ कर रही है। जल्द ही उपद्रवियों और मास्टमाइंड को पुलिस गिरफ्तार कर लेगी।

कॉल डिटेल खंगाल रही पुलिस

पुलिस कॉल डिटेल और संदिग्धों के मोबाइल को खंगाल रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मोबाइल से 150 से अधिक फोटो, वीडियो पुलिस ने कब्जे में ली है। गिरफ्तार आरोपियों की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। पुलिस को कुछ मोबाइल में बरेली, यूपी में रहने वाले लोगों के नंबर भी मिले हैं। इन नंबरों से हिंसा से पहले और बाद में लगातार बात हो रही थी।

गैरसैंण बाजार के पास गदेरे में गुलदार शावक का मिला शव, मौत होने की यह है वजह

मेहलचौरी, एजेंसी।
शनिवार बदरीनाथ वन प्रभाग के लोहबा रेंज के अंर्तगत गैरसैंण बाजार के नजदीक गदेरे में गुलदार के शावक का शव मिला। पटौडी गांव के कुछ ग्रामीणों ने बाजार से लगे गदेरे में गुलदार शावक का शव पड़े होने की जानकारी वन विभाग को दी। इस पर रेंजर प्रदीप गौड़ के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर शावक के शव को कब्जे में लिया और पशुपालन विभाग के डाक्टरों को शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रेंजर प्रदीप गौड़ ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही शावक की मौत का कारण पता चल सकेगा। शावक की उम्र डेढ़ से दो साल होने का अंदाजा लगाया जा रहा है। प्रथम दृष्टया कमजोर दिख रहे शावक को अत्यधिक ठंड के कारण निमोनिया जैसी बीमारी के चलते मौत होने का अंदेशा जताया जा रहा है।

आईआईटी प्रोफेसर समेत तीन पर धोखाधड़ी का मुकदमा

रूड़की, एजेंसी।
पुलिस ने महिला की तहरीर पर आईआईटी प्रोफेसर, उसकी पत्नी सहित तीन लोगों के खिलाफ जमीन की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोप है कि धोखाधड़ी कर जमीन बेचकर रकम ले ली गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शैली पंवार निवासी डी-44 नीशू हेरिटेज ने मंगलौर कोतवाली को तहरीर देकर बताया कि उनके पति हेमंत पंवार पेशे से शिक्षक है। उन्हें घर बनाने के लिए प्लॉट की आवश्यकता थी। हेमंत पंवार को पता चला कि आसफनगर में अशोक कुमार, राजकुमार का प्लॉट बिकाऊ है। इस पर उन्होंने अशोक कुमार से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना प्लॉट आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर डीएस आर्य की पत्नी स्मिता आर्य को बेच दिया है। वह इस प्लॉट को बेच रहे हैं। इस पर हेमंत पंवार ने आईआईटी प्रोफेसर से संपर्क किया। 13 अक्तूबर 2021 को प्लॉट अपने नाम करा लिया। जब प्लॉट पर बाउंड्री करने पहुंचे तो पूर्व प्रधान समेत कई लोग मौके पर आ गए और यह प्लॉट पहले से ही उनके नाम होने की बात कहते हुए झगड़ा करने लगे। इस पर हेमंत पंवार ने अशोक कुमार और आईआईटी प्रोफेसर व उसकी पत्नी से संपर्क किसा लेकिन उन्होंने कोई बात नहीं सुनी। इस पर रजिस्ट्री कार्यालय से कागज निकलवाए गए। इसमें पता चला कि संबंधित खसरे में अशोक कुमार की कोई भूमि शेष नहीं थी।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 25 उपद्रवी गिरफ्तार; 7 तमंचे और 54 कारतूस बरामद

नैनीताल, एजेंसी।
हल्द्वानी हिंसा के बाद बनभूलपुरा इलाकों को छोड़कर अन्य क्षेत्र से कर्फ्यू हटा दिया गया है। उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। इस दौरान पुलिस ने 25 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने सीसीटीवी और उपद्रवियों के पास से मिले मोबाइल वीडियो की मदद से 25 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से सात तमंचे, 54 कारतूस बरामद किए। इन्हीं में से 12 उपद्रवियों से बनभूलपुरा थाने से लूटे गए 99 कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ दंगा करने, डकैती करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, जान से मारने सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने बताया कि उपद्रवियों के खिलाफ तीन मुकदमें दर्ज किए गए थे। इसमें से नामजद और 5000 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी और अन्य साक्ष्यों की मदद से एक नामजद और 11 अज्ञात लोगों को गिरफ्तार किया। इन लोगों के पास से 43 कारतूस, पांच तमंचे बरामद किए।

इन 12 उपद्रवियों से बनभूलपुरा थाने से लूटे गए 99 कारतूस जिसमें 7.62 के 67 और नाइन एमएम के 32 कारतूस बरामद किए गए। इन्हीं लोगों ने थाना भी फूंका था। कहा कि मुकदमा संख्या 22 में छह उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो तमंचे 11 कारतूस बरामद किए हैं। कहा कि नगर निगम के चालक की ओर से लिखाए गए मुकदमें में सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने कहा कि पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। लगातार दबिशें दी जा रही हैं।

भाजपा शासित केंद्र सरकार ने गैर कानूनी तरीके से लाखों लोगों के घरों पर चलाया बुलडोजर : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पार्टी मुख्यालय में हुई एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि आज से लगभग 1 साल पहले फरवरी 2023 में भाजपा शासित केंद्र सरकार की एजेंसी डीडीए ने महरौली में स्थित गोसिया कॉलोनी में दिनदहाड़े बुलडोजर चलाकर हजारों लोगों के आशियाने उजाड़ दिए कउन्होंने कहा कि जब आम आदमी पार्टी ने इस गैर कानूनी कृत्य का विरोध किया तो भाजपा के कई सांसद और विधायक जनता के बीच यह झूठ फैलते हुए नजर आए, कि यह डिमोलिशन का कार्य दिल्ली सरकार द्वारा किया जा रहा है उन्होंने कहा कि इस बात का खुलासा जनता के बीच तब हुआ जब कॉलोनी के लोग इस मामले को लेकर हाई कोर्ट पहुंचे कहाईकोर्ट ने बस्ती के लोगों की याचिका सुनते हुए लगभग 400 ऐसी बस्तियों और वहां स्थित मल्टी स्टोरी बिल्डिंगों के डिमोलिशन पर रोक लगाई और साथ ही साथ भाजपा शासित केंद्र सरकार की एजेंसी डीडीए को फटकार लगाते हुए कहा, कि यह झुग्गी बस्ती एरिया लिस्टेड क्लस्टर एरिया की सूची में शामिल है, तो आप उसका डिमोलिशन कैसे कर सकते हैं क सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह झुग्गी बस्ती एरिया दिल्ली सरकार के उन्नरक्ह विभाग की लिस्टेड क्लस्टर एरिया की सूची में शामिल था, उसके बावजूद भी भाजपा की केंद्र सरकार गैर कानूनी तरीके से उसका डिमोलिशन कर रही थी कभाजपा शासित केंद्र सरकार से प्रश्न पूछते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि छोटी-छोटी बातों पर अधिकारियों को निलंबित करने वाली भाजपा सरकार बताए, कि गैर कानूनी तरीके से हजारों लोगों के आशियाने उजाड़ने वाले अधिकारियों पर उन्होंने अब तक क्या कार्यवाही की ? सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अभी तक किसी अधिकारी पर कोई कार्यवाही नहीं की गई, क्योंकि यह सभी अधिकारी भाजपा शासित केंद्र सरकार के निर्देशों का ही पालन कर रहे थे

उन्होंने कहा कि यह सिलसिला यहीं नहीं थमा कदिल्ली में लगभग 1 साल से लगातार गैर कानूनी तरीके से लिस्टेड क्लस्टर एरिया को उजाड़ने का काम भाजपा शासित केंद्र सरकार कर रही है कतुगलकाबाद का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि सब जानते हैं किस प्रकार से भाजपा सरकार की ईएसआई ने तुगलकाबाद झुग्गी बस्ती एरिया को उजाड़ कर लगभग ढाई लाख लोगों को घर से बेघर कर दिया और आज तक उन लोगों को रहने के लिए कोई अन्य स्थान केंद्र सरकार की ओर से उपलब्ध नहीं कराया गया क धौला कुआं, प्रगति मैदान, सुंदर नर्सरी, जसोला ऐसी कई जगह हैं, जहां पर भाजपा शासित केंद्र सरकार ने लिस्टेड क्लस्टर एरिया को गैरकानूनी तरीके से उजाड़ कर लाखों लोगों को घर से बेघर कर दिया कउन्होंने कहा कि मोदी जी ने देश की जनता से वादा किया था, जहां झुग्गी वहीं मकान, परंतु बीजेपी सरकार ने इन तमाम लिस्टेड क्लस्टर एरिया से झुग्गी बस्ती को तोड़कर लोगों को घर से बेघर कर दिया परंतु आज तक उनकी झुग्गियों के बदले उनको रहने के लिए कोई मकान नहीं दिया गया मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले ही कड़कड़डूमा के समीप स्थित कड़कड़डूमा जेजे कैंप को भी इसी प्रकार से भाजपा सरकार की डीडीए ने गैर कानूनी तरीके से उजाड़ दिया और उन लोगों को भी रहने के लिए किसी अन्य स्थान पर कोई घर नहीं दिया गया कउन्होंने कहा कि इस वक्त जब मैं यह प्रेस वार्ता कर रहा हूं, तो मुझे हमारे एक विधायक द्वारा यह सूचना मिली है, कि आदर्श नगर में भी आजादपुर मंडी के समीप भाजपा सरकार की एजेंसी डीडीए एक झुग्गी बस्ती को उजाड़ने का काम कर रही है, अर्थात इस वक्त भी डिमोलिशन का काम जारी है

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अचानक से दिल्ली में यह देखा जा रहा है, कि जगह-जगह फ्लाईओवर के नीचे लोगों की रहने की संख्या बढ़ती जा रही है कलोग अपने छोटे-छोटे बच्चों को लेकर, अपने परिवार को लेकर जगह-जगह फ्लाईओवर के नीचे रह रहे हैं कउन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा बनाया गया यह कानून है, कि जहां कहीं भी झुग्गी बस्ती को डिमोलिशन किया जाएगा, उससे पहले उस बस्ती में रहने वाले लोगों को झुग्गी के बदले मकान उपलब्ध कराया जाएगा कपरंतु अपने ही कानून को दरकिनार करके केंद्र सरकार लगातार जगह जगह झुग्गी बस्तियों को उजाड़ने का काम कर रही है और उसी का यह नतीजा है, कि लोग अपने छोटे-छोटे बच्चों और परिवार को लेकर फ्लाईओवर के नीचे रहने को मजबूर हो गए हैं

मीडिया के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली के सातों सांसदों से प्रश्न पूछते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इन सभी सांसदों को, इन गरीब झुग्गी बस्ती वालों ने वोट देकर जिताया था, आज यह सांसद बताएं की वह इन झुग्गी वाले लोगों के साथ खड़े हैं या भाजपा सरकार के साथ खड़े हैं, और यदि ये झुग्गी वालों के साथ खड़े हैं, तो उनकी सरकार द्वारा जो इन गरीब लोगों के घरों को उजाड़ा जा रहा है, उसे रोकने के लिए इन सातों सांसदों ने अब तक क्या कदम उठाए ? भाजपा के सातों सांसद बताएं, कि क्या इस डिमोलिशन को रोकने के लिए उन्होंने डीडीए के चेयरमैन से बात की, डीडीए चेयरमैन को कोई चिट्ठी लिखी? क्या उपराज्यपाल महोदय से इस संबंध में कोई मुलाकात की ?

वी-ट्रांस ने ऊंचे लक्ष्य निर्धारित किए: विकास और विस्तार को गति दी

उत्तरी भारत में अपने विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2026 तक 3000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वी-ट्रांस ने तेज विकास के लिए अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं से परदा उठा दिया है, जिसके तहत वर्ष 2026 तक 3000 करोड़ रुपये के टर्नओवर का लक्ष्य रखा गया है। इस इंडस्ट्री में अपनी अग्रणी स्थिति के लिए मशहूर इस कंपनी ने, लाभप्रदता को टिकाऊ बनाने के लिए भूतल परिवहन पर ध्यान केंद्रित करने तथा प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने को लेकर एक व्यापक रणनीति की रूपरेखा बनाई है।

वी-ट्रांस की विकास योजना के मुख्य आकर्षण:

1) मूलभूत क्षमता पर रणनीतिक फोकस: वी-ट्रांस अपनी मूलभूत क्षमता के क्षेत्र- भूतल परिवहन में विकास करने को प्राथमिकता देगी, साथ ही वायु और सड़क परिवहन के तालमेल सहित, अपने मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स वाले संचालनों का भी विस्तार करेगी।

2) फुल ट्रक लोड (एफटीएल) सेगमेंट: 120 बिलियन डॉलर के एफटीएल बाजार का लाभ उठाना और इस लाभदायक सेगमेंट में अपनी मौजूदगी बढ़ाकर ज्यादा बड़ा हिस्सा हासिल करना कंपनी का लक्ष्य है। हम खरीद से लेकर भुगतान विधि तक की पूरी प्रक्रिया में ज्यादा कार्यकुशलता और पारदर्शिता लाने के लिए इस कार्यपद्धति का डिजिटलीकरण कर रहे हैं।

3) एक केंद्रित बाजार के रूप में उत्तरी भारत: कुल राजस्व का 30% हिस्सा उत्तरी भारत से आने के चलते, वी-ट्रांस इस क्षेत्र में शाखाओं, गोदामों और बुनियादी ढांचे का विस्तार करने के लिए पर्याप्त निवेश करेगी।

4) उत्तरी क्षेत्र में विस्तार: हम हरियाणा के धारूहेड़ा और रालियावास में मौजूद बड़े गोदामों के अलावा, गाजियाबाद और जीरकपुर में स्थित नई ट्रांसशिपमेंट इकाइयों की ओर बढ़ रहे हैं, जो पहले से ही चालू हैं। कंपनी पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के 3 व 4 श्रेणियों वाले शहरों में नई शाखाएं खोलकर ज्यादा विस्तार करने की योजना बना रही है।

5) प्रौद्योगिकी का एकीकरण: प्रौद्योगिकी की भूमिका को अंगीकार करते हुए, वी-ट्रांस ने एक नई ईआरपी प्रणाली में निवेश किया है, जो निर्बाध सूचना प्रवाह के लिए सरकारी पोर्टलों, ग्राहकों और विक्रेताओं के साथ उन्नत कार्यक्षमता और एपीआई के एकीकरण को सुनिश्चित करता है। साथ ही पारदर्शिता और अनुपालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता मजबूत करते हुए, यह कंपनी पूरे समूह के लिए अपनी वित्तीय प्रणाली को स्टैंडर्ड ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर ले जा रही है।

6) थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन: उत्तरी क्षेत्र में वी-लॉगिस ब्रांड के तहत, वी-ट्रांस अपने थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन का विस्तार कर रही है, जो रोजगार के अवसर और विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करता है।

7) टिकाऊपन की पहलें: उपकरणों को यथासंभव बेहतरीन बनाकर, ट्रकों का यथोचित उपयोग करके, मार्ग-निर्धारण को न्यायसंगत रूप देकर और चालकों को जागरूक बनाकर कंपनी अपना कार्बन फुटप्रिंट कम करने की ओर अग्रसर है। हमारे सभी बड़े केंद्रों में पहले से ही लगे सौर पैनल हमारी बिजली की खपत काफी घटा चुके हैं।

इस पर टिप्पणी करते हुए, वी-ट्रांस (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्री महेंद्र शाह ने कहा, ह्वी-ट्रांस में, हमारी दृष्टि लॉजिस्टिक्स से आगे निकल जाती है; इस विजन में एक ऐसे भविष्य का निर्माण करना शामिल है जहां विकास टिकाऊ हो, प्रौद्योगिकी परिवर्तनकारी हो और हमारा पारिस्थितिकी तंत्र फलता-फूलता रहे। वर्ष 2026 तक 3000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य, न केवल हमारी महत्वाकांक्षा बल्कि एक जिम्मेदार और असरदार यात्रा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। हम केवल माल का परिवहन ही नहीं कर रहे; हम अवसर पैदा कर रहे हैं, नवाचार को अपना रहे हैं और हरित कल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा- मुझे टीम के समर्पण पर गर्व है, और मैं अपने ग्राहकों, भागीदारों और हितधारकों को आश्वासन देता हूं कि लॉजिस्टिक्स उद्योग में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए वी-ट्रांस सबसे आगे रहेगी। साथ मिलकर, हम सिर्फ सामान ही नहीं ढोते; बल्कि हम विकास को बढ़ावा दे रहे हैं, नवाचार को मजबूत बना रहे हैं और एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रहे हैं जो उम्मीदों से भी बढ़कर हो।

भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए मनीष सिसोदिया को कोर्ट से मिली तीन दिन की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी घोटाला मामले के आरोपी व दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए तीन दिन की अंतरिम जमानत दे दी है। स्पेशल जज एम के नागपाल ने मनीष सिसोदिया को तीन दिन के लिए (13 से 15 फरवरी) तक अंतरिम जमानत दी है। सिसोदिया ने लखनऊ में अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत की मांग की थी।

इससे पहले मनीष सिसोदिया को सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश किया गया। अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सिसोदिया की ओर से पेश वकील ने कोर्ट से कहा कि उनकी भतीजी की 14 फरवरी को शादी है। जिसके लिए अंतरिम जमानत दी जाए। सोमवार को सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर भी सुनवाई हुई। इसके पहले 5 फरवरी को कोर्ट ने सिसोदिया को अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए हफ्ते में एक दिन की कस्टडी पेरोल दी थी कोर्ट ने कहा था कि सिसोदिया हफ्ते में एक दिन अपनी बीमार पत्नी से पुलिस हिरासत में मिल सकते हैं। इस दौरान डॉक्टर भी उनकी पत्नी के इलाज के लिए जा सकते हैं। कोर्ट ने नवंबर 2023 में सिसोदिया को अपनी पत्नी से मिलने के लिए कुछ घंटों की इजाजत दी थी।

सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। 25 नवंबर 2022 को सीबीआई ने पहला चार्जशीट दाखिल किया था। कोर्ट ने 15 दिसंबर 2022 को पहले चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 7, 7ए और 8 के तहत आरोप तय किए थे। पहले चार्जशीट में कोर्ट ने जिन आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पर संज्ञान लिया है उनमें कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण रामचंद्र पिल्लै, मुत्थू गौतम और समीर महेंद्रू शामिल हैं।

जिस राष्ट्र की महिला शक्ति सशक्त हैउसे कोई गुलाम नहीं बना सकता : बांसुरी

नई दिल्ली। भारतीय नारी शक्ति का प्रतीक होने के साथ साथ समाज का आईना भी है इस शाश्वत सत्य को भगवान श्री कृष्ण ने भी स्वीकारा है। यह वक्तव्य देश की पूर्व विदेश मंत्री दिवंगत सुषमा स्वराज जी की बेटी एवं भाजपा दिल्ली प्रदेश की मंत्री बांसुरी स्वराज ने पूर्वी दिल्ली के एजीसीआर एनक्लेव में श्री कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति व धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं के कल्याणार्थ सिद्ध पीठ श्री सीताराम संतसेवा मंदिर एवं गौशाला सेवा परिवार के संयोजन में चल रहे 8 दिवसीय अष्टोत्तर शत परायण श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव हेतु कहे हैं। इस दौरान उनके साथ मुख्य यजमान रजनीश गुप्ता, राजीव शर्मा, गणेश बड़डे, शैलेश कुमार वर्मा, भाजपा नेता विपिन जैन, महावीर गोयल, पीएमए अध्यक्ष रमेश गर्ग, एन के गर्ग व कांग्रेस नेता गुरचरण सिंह राजू भी मौजूद रहे। ज्ञात यह महोत्सव में बांसुरी स्वराज ने भगवान भगवान श्री कृष्ण, महामंडलेश्वर श्री राम गोविन्द दास महात्यागी जी महाराज, यज्ञाचार्य शशिभूषण शास्त्री (अयोध्या) व भागवत कथा मर्मज्ञ श्री हेमन्त कृष्ण ठाकुर सहित 108 भागवत महा पुराण का परायण कर रहे मथुरा, काशी, उज्जैन, नैमिषारण्य, अयोध्या के 108 प्रकाण्ड ब्राह्मणों का आशीर्वाद लेने के पश्चात महोत्सव स्थल पर उपस्थित महिला शक्ति के अपर जनसमूह को संबोधित करते हुए यह वक्तव्य भी दिया कि जिस राष्ट्र की महिला शक्ति सशक्त है उसे कोई गुलाम नहीं बना सकता। बांसुरी स्वराज ने श्रीमद भागवत महापुराण में महिला शक्ति से जुड़े इतिहास की विवेचना करने के साथ देश के इतिहास की अनेकों वीरांगनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि भारतीय नारी अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए जान दे सकती है, तो जान लेने का साहस भी रखती हैं। उन्होंने बताया कि भगवान कृष्ण ने हमेशा नारी को शक्ति स्वरूपा की संज्ञा दी है। इतिहास इस बात का गवाह है कि पूरी महाभारत नारी के सम्मान के लिए लड़ी गई। इस लिए अपने आसपास की महिलाओं का पूरा सम्मान करें। कृष्ण की कृपा पाने का ये सबसे सरलतम मार्ग है। महोत्सव में विक्की आहूजा, सुशील गुप्ता, एस बी शर्मा, भगवत प्रसाद रुस्तगी, विपिन भारद्वाज, वेद प्रकाश शर्मा, माला देवी, राकेश शर्मा, मनीष गोयल, अभिनव मित्तल, राजेश शर्मा, योगेन्द्र गोयल व राधेश्याम गोयल सहित भारी संख्या में धर्म प्रेमी उपस्थित रहे।

मातृ भाषा पंजाबी के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देना हमारा मुख्य लक्ष्य : जसप्रीत सिंह करमसर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी धर्म प्रचार के मुखी जसप्रीत सिंह करमसर एवं उनकी टीम के द्वारा मातृ भाषा पंजाबी के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देने के लिए समय समय पर अनेक कार्यक्रम किये जाते हैं ताकि घर घर तक पंजाबी भाषा का प्रचार किया जा सके। स: जसप्रीत सिंह करमसर ने बताया कि दिल्ली कमेटी की छुट्टियों में दिल्ली कमेटी धर्म प्रचार के द्वारा दिल्ली एवं दूसरे राज्यों में भी पंजाबी सिखलाई के कैंप लगाए गये थे जिसमें बच्चों के साथ साथ पंजाबी सिखाने वाले अध्यापकों, प्रचारकों एवं विभिन्न संस्थाओं के द्वारा आगे आकर वालंटीयर के तौर पर इस सेवा को निभाते हुए 14 हजार से अधिक बच्चों को मातृ भाषा के साथ जोड़ते हुए उन्हें गुरमत और सिख इतिहास की भी जानकारी दी। इसके साथ ही बच्चों को पाठ एंव कीर्तन भी सिखाया गया।

सः जसप्रीत सिंह करमसर ने बताया कि दिल्ली कमेटी अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलो सहित समुची टीम का लक्ष्य है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि हर उस राज्य में जहां बच्चे मातृ भाषा पंजाबी को सीखना चाहते हैं वहां पर गुरमत कैंप लगाकर बच्चों को उससे जोड़ा जाए। उन्होंने कहा घर में माता पिता का भी फर्ज बनता है कि बच्चों के साथ पंजाबी भाषा में ही बात करें। बच्चों को अगर मातृ भाषा का ज्ञान होगा तभी वह आगे चलकर गुरु ग्रन्थ साहिब का पाठ कर सकेंगे। उसमें दर्ज बाणी को अपने जीवन में अपना सकेंगे।

सः जसप्रीत सिंह करमसर ने बताया कि बीते दिनों लगाए गए कैंपों में जिन टीचर्स, प्रचारक, संस्थाओं ने भी गुरमत कैंप लगाए उनको दिल्ली कमेटी के साथ सहयोग करते हुए गुरमत कैंपों को सफल बनाया था उन सभी को दिल्ली कमेटी धर्म प्रचार कमेटी के द्वारा सम्मानित किया गया। दिल्ली के गुरुद्वारा बंगला साहिब में करवाए गये समागम में कमेटी के महासचिव जगदीप सिंह काहलो ने विषेश तौर पर पहुंचकर सभी को सम्मानिन्त करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किये। उन्होंने कहा हमें पूरी उम्मीद है कि साल 2024 में गुरमत कैंप में पहले से भी अधिक गिनती मे बच्चे भाग लेंगे।

मंगोलपुरी में 9वीं कक्षा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में नाबालिगों ने कक्षा नौ की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म कर दिया। पुलिस ने दुष्कर्म और पोक्सो की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। 16 वर्षीय पीड़िता स्थानीय सरकारी स्कूल में पढ़ती है। उसके पिता की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है और मां घरों में झाड़ू पोछा करके गुजारा करती है। पीड़िता ने बताया कि स्कूल में उसकी दोस्ती 11वीं के छात्र से हो गई थी। वह बीते साल 15 सितंबर को छात्र के घर किताब लौटाने के लिए गई थी। वहीं पर उसने दुष्कर्म किया। इसके बाद नवंबर को भी आरोपी ने पीड़िता को जबरन अपने घर बुलाया। वहां आरोपी और उसके नाबालिग दोस्त ने उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपियों ने घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसकी वजह से घटना के बारे में किसी को जानकारी नहीं हुई। इस बीच दस फरवरी को पीड़िता की तबीयत खराब हुई तो मां उसे लेकर स्थानीय अस्पताल में गई। जांच में गर्भवती होने की पुष्टि होने पर वारदात के बारे में पता लगा।

भारत संकल्प यात्रा का दिल्ली में समापन, पार्टी अध्यक्ष ने कहा- हमारे बिना 2024 में नहीं बनेगी सरकार

नई दिल्ली। समाज विकास क्रांति पार्टी ने देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के वादे के साथ लोकसभा चुनाव में 200 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी के द्वारा भारत संकल्प यात्रा निकाली गई जो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित 7 राज्यों से होकर दिल्ली में समाप्त हुआ। समाज विकास क्रांति पार्टी ने दावा किया है कि, हम 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे हमारे बगैर किसी पार्टी की सरकार नहीं बन पाएगी। ।माज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ने बताया कि, हमारी पार्टी देश को हिंदू राष्ट्र बनाने, देश से भ्रष्टाचार खत्म करने, लोगों को रोजगार देने के मुद्दों के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है। आशा है कि हमे जनता का समर्थन मिलेगा। हमारे बगैर 2024 में किसी भी पार्टी की केंद्र में सरकार नहीं बन पाएगी। अशोक सिंह ने बताया कि भारत संकल्प यात्रा के दौरान हमें लोगों का खूब समर्थन मिला। समाज विकास क्रांति पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए मुंबई के आजाद मैदान से भारत संकल्प यात्रा 20 जनवरी से शुरू की थी। जिसका समापन सोमवार को दिल्ली में हुआ। इस संकल्प यात्रा में भारत को विकसित हिंदू राष्ट्र बनाने, अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए किया हैं। साथ ही महंगाई, बेरोजगारी के साथ-साथ सामाजिक न्याय के मुद्दों को जनता के बीच पहुंचाया गया हैं।

सिंघु बॉर्डर के दोनों सर्विस रोड बंद, फ्लाईओवर से गुजर रहे वाहन

नई दिल्ली । राजधानी में किसानों का प्रवेश रोकने के लिए पुलिस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सोमवार मध्याह्न सिंघु बार्डर की दोनों सर्विस लेन को बंद कर दिया है। अब केवल फ्लाईओवर से ही आवाजाही की अनुमति है। सुरक्षा के व्यापक प्रबंधों के बीच वाहनों की आवाजाही बहुत कम हो गई है। भीड़ को रोकने के लिए मिट्टी से भरे कंटेनर, सीमेंट के भारी-भरकम ब्लॉक, सैकड़ों की संख्या में बैरिकेड्स को रोड पर लगा दिया गया है। इस बीच, सिंघु बार्डर पर पुलिस और अर्ध सैनिक बलों की संख्या भी बढ़ा दी गई है ।वाहनों की सघन जांच के लिए यातायात पुलिस के जवानों की संख्या में भी बढ़ाई गई है। बारीकी से जांच के बाद ही वाहनों को दिल्ली में प्रवेश दिया जा रहा है। भीड़ रोकने के लिए चार स्तरीय सुरक्षा चक्र पिछले 24 घंटे के दौरान सिंघु बार्डर पर सुरक्षा और पुलिस के व्यापक प्रबंध देखने को मिले। भीड़ को रोकने के लिए पुलिस ने चार स्तरीय सुरक्षा चक्र बनाया है। पुलिस ने सबसे पहले मिट्टी से भरे कंटेनर को रोड पर लगाकर रास्ते को पूरी तरह से बंद किया है। दूसरे स्तर पर पुलिस ने सैकड़ों लोहे के बैरिकेड्स लगाए हैं और तीसरे स्तर पर कंटीली तार और चौथे स्तर पर सीमेंट के भारी-भरकम ब्लॉक सड़क पर रखे गए हैं। इसके अलावा ट्रोन से निगरानी शुरू हो गई है और सीसीटीवी कैमरों की संख्या में भी वृद्धि की गई है।

सावित्री बाई फुले को भारत रत्न दे सरकार : धिगान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक वीर सिंह धिंगान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, व माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र भेजकर देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले एवं स्वतन्त्रता संक्रामक लिए क्रांति के जनक मातादीन को भारत रत्न अवार्ड से सम्मानित करने की मांग की है। धिंगान ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने देश की महिलाओं के लिए शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने व मातादीन ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ क्रांति लाने का कार्य किया था। धिंगान ने कहा राज नेताओ से ज्यादा भारत रत्न के हकदार हमारे प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी है। धिंगान ने कहा उनको भारत रत्न अवार्ड देने से पूरे देश के दलित का समाज का सम्मान बढेगा।

आदि महोत्सव 2024 : मध्य प्रदेश की संस्कृति और विरासत से रूबरू करा रहे 35 स्टॉल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 10 फरवरी से 18 फरवरी तक आदि महोत्सव चल रहा है। आदि महोत्सव में देश भर के अलग-अलग राज्यों से आदिवासी क्षेत्रों की स्टॉल्स लगाई गई हैं। वहीं, इस बार आदि महोत्सव में अकेले मध्य प्रदेश के 35 स्टॉल लगाए गए हैं। ताकि लोगों को महोत्सव में मध्य प्रदेश की संस्कृति, विरासत, कलाकृति, कला पेंटिंग्स को जानने का मौका मिले।

मध्य प्रदेश के क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार भगत ने बताया कि हर वर्ष भारत सरकार की तरफ से आदि महोत्सव का अयोजन किया जाता है। ट्राइबल इंडिया के तत्वाधान में यह सब हो रहा है। यह आदि महोत्सव देश के अलग अलग राज्यों के आदिवासी कल्चर को बढ़ावा देने के मकसद से किया जाता है। इस बार एमपी की 35 स्टॉल लगी है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश की गोंड पेंटिंग, चंदेरी सिल्क, महेश्वर सिल्क और बाघ सिल्क की स्टॉल लगी हुई है। मध्य प्रदेश की आदिवासी क्षेत्र जनजातीय समुदाय जमीन से जुड़े हुए हैं। सरकार आदिवासी क्षेत्र के लोगों को बढ़ावा देने के लिए यह काम कर रही है।

महाभारत काल से चंदेरी साड़ी जुड़ावः मध्यप्रदेश का चंदेरी सिल्क और यहां की साड़ियां भारत के साथ-साथ विदेश में भी फेमस हैं। चंदेरी फेब्रिक और डिजाइन अपने आप में अनूठे हैं। बॉलीवुड से लेकर आम महिलाएं चंदेरी की साड़ियां अपने कलेक्शन में जरूर रखना चाहती है। चंदेरी के सूट, चंदेरी के कपड़े और सबसे ज्यादा फेमस हैं चंदेरी की साड़ियां। आज आपको चंदेरी साड़ियों की खासियत के बारे में बताते हैं इसका रोचक इतिहास भगवान कृष्ण के वक्त से जुड़ा है। चंदेरी का इतिहास बहुत गौरवशाली है। इस शहर का जिक्र महाभारत में भी किया गया है। कहा जाता है कि वैदिक युग में भगवान श्रीकृष्ण की बुआ के बेटे शिशुपाल ने इसकी खोज की थी। 11वीं शताब्दी में प्रमुख व्यापारिक मार्ग यहीं से होकर गुजरता था। यहां विख्यात संगीतकार बैजू बावरा की कब्र और कई एतिहासिक इमारतें हैं।

बाग साड़ी की जानिए खासियतः प्रदेश के बाग शहर में कुशल कार्यबल द्वारा प्रचलित, बाग प्रिंटिंग प्राकृतिक रंगों का उपयोग करके की जाती है, जो फलों और फूलों के अर्क से निकाले जाते हैं। प्रसिद्ध बाग कारीगर उमर खत्री के अनुसार, बाग प्रिंट प्रकृति, वन्य जीवन और विरासत से प्रेरित हैं। आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले ब्लॉक रूपांकनों में गेंदा (गेंदा फूल), नारियल जाल (ताजमहल से प्रेरित) आदि हैं। बाग प्रिंटिंग न केवल कपास बल्कि रेशम, माहेश्वरी, चंदेरी और शिफॉन को भी सुशोभित करती है। बाग प्रिंटेड कॉटन अपने हल्के वजन और जैविक एहसास के कारण गर्मियों में पहने जाने वाले सबसे लोकप्रिय कपड़ों में से एक है। माहेश्वरी सिल्क साड़ी देश ही नहीं विदेशों में भी फेमसः माहेश्वरी हथकरघा कपड़ों की उत्पत्ति का पता 5वीं शताब्दी में मालवा की राजधानी, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और ऐतिहासिक शहर माहेश्वर, जिला खरगोन, मध्य प्रदेश में लगाया जा सकता है। इंदौर का शाही परिवार, होलकर, पारंपरिक के मुख्य संरक्षक रहे हैं। सुरुचिपूर्ण माहेश्वरी साड़ियाँ, मुख्य रूप से मालवा शाही दरबार की महिलाओं द्वारा पहनी जाती हैं। माहेश्वरी साड़ियाँ लकड़ी के करघे का उपयोग करके बुनी जाती हैं और पारंपरिक रूप से वनस्पति रंगों का उपयोग करके रंगी जाती है। माहेश्वरी साड़ियों के लोकप्रिय रंगों में अंगूरी, अंगूर हरा, गहरा गुलाबी, मजेंटा, कासनी हल्का बैंगनी बैंगनी, हरा, मोर नीला, आम्रक, टैपकीरी आदि है। पारंपरिक माहेश्वरी साड़ियों के पल्लू में पांच बारी-बारी से धारियां होती हैं, जिनमें से तीन अलग-अलग रंगों की होती हैं, लेकिन दो हमेशा सफेद होती हैं। गोंड पेंटिंग में दिखती है आदिवासी झलकः मध्यप्रदेश के मण्डल जिले की प्रसिद्ध जनजातियों में से एक गोंड द्वारा बानायी गयी चित्र कला की विशिष्ट कलाशैली को गोंड चित्रकला के नाम से जाना जाता है। लम्बाई और चौड़ाई केवल इन दो आयामों वाली ये कलाकृतियाँ खुले हाथ बनायी जाती हैं जो इनका जीवन दर्शन प्रदर्शित करती हैं। गहराई, जो किसी भी चित्र का तीसरा आयाम मानी गई है, हर लोककला शैली की तरह इसमें भी सदा लुप्त रहती है, जो लोक कलाओं के कलाकारों की सादगी और सरलता की परिचायक है, गोंड कलाकृतियाँ इस जनजाति के स्वभाव और रहन सहन की खुली किताब हैं, इनसे गोंड प्रजाति के रहन सहन और स्वभाव का अच्छा परिचय मिलता है, तभी तो ये कलाकृतियाँ यह बताती हैं कि कलाकारों की कल्पना कितनी रंगीन हो सकती है।

हल्द्वानी हिंसा : किसी भी निर्दोष को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद और जमात-ए-इस्लामी हिंद के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने आज उत्तराखंड के डीजीपी अभिनव कुमार से उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय देहरादून पहुंच कर मुलाकात की और हल्द्वानी घटना के संदर्भ में एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बन भूलपुरा में शूट-एट-साइट के आदेश और पुलिस द्वारा पत्थरबाजी में शामिल होने की कड़ी निंदा की गई और कई नागरिकों की जान जाने पर दुख व्यक्त किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि जिसने भी हिंसा, खून-खराबा और आगजनी में भाग लिया, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन इस बीच पुलिस द्वारा गैरकानूनी रास्ता अपनाना और भी निंदनीय है। विशेष रूप से भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस जैसे कम घातक विकल्प को चुनने के बजाय शूट-एट-साइट आदेश शर्मनाक है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि हिंसा के बाद मुस्लिम अल्पसंख्यक मोहल्ले में अनावश्यक तलाशी अभियान और महिलाओं व बच्चों को डराना-धमकाना भी गलत है। दुख के साथ कहना पड़ता है कि ऐसी कार्रवाइयों की वजह से कई मुस्लिम परिवार पलायन कर रहे हैं। इसलिए, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि निर्दोष लोगों को गिरफ्तार न करें और मुस्लिम क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा प्रदान करें और विश्वास बहाल करने का कार्य करें। इस दंगे में मरने वाले ज्यादातर लोग आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग से संबंधित हैं। जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक होने के नाते हम मांग करते हैं कि इन परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए और उनके परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

अलीपुर में निकाली गई ग्राम परिक्रमा यात्रा, बिधूड़ी और सहरावत ने किसानों को किया संबोधित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने किसान चैपाल के अंतर्गत अलीपुर में ग्राम परिक्रमा यात्रा की शुरूआत की। बिधूड़ी के साथ दिल्ली प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष विनोद सहरावत भी रहे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से ग्राम परिक्रमा यात्रा की शुरूआत की है। उसी की कड़ी के रूप में दिल्ली के ऐतिहासिक और प्राचीन अलीपुर गांव से यह यात्रा दिल्ली में निकाली गई। भाजपा का यह अभियान एक महीना चलेगा और प्रतिदिन पांच गांवों में इसे चलाया जाएगा। अलीपुर में बिधूड़ी ने हजारों किसानों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा का उद्बोधन सुना। उन्होंने किसानों को मोदी जी की सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए शुरू की गई योजनाओं की जानकारी दी गई। इन योजनाओं में पीएम फसल बीमा योजना के तहत 48 करोड़ किसानों को 1.40 लाख करोड़ रुपए का वितरण, पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 11.8 करोड़ किसानों के खातों 2.8 लाख करोड़ रुपए पहुंचाए गए, एमएसपी में डेढ़ गुना वृद्धि, पीएम कृषि सिंचाई योजना के लिए 93 हजार करोड़ से अधिक का आवंटन, कृषि बजट में 5 गुना वृद्धि और उवर्रक सबसिडी जैसी योजनाएं शामिल हैं। बिधूड़ी ने राजधानी में अरविंद केजरीवाल सरकार की किसान विरोधी नीतियों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने गांवों में कोई विकास कार्य नहीं किया। केजरीवाल ने किसानों और दिल्ली देहात के साथ वादाखिलाफी की। गांवों का लालडोरा आज तक नहीं बढ़ाया गया और न ही गांवों में हाउस टैक्स माफ किया गया। किसानों को बिजली पर कोई सबसिडी नहीं दी गई और गांवों की जमीन का विकास गांववालों के लिए नहीं किया गया। इसके अलावा किसानों के उत्तराधिकारियों के लिए दाखिल खारिज और वैकल्पिक आवासीय प्लॉट देने की योजना भी बंद कर दी गई है।

ब्रिटिश हुकूमत की तरह केंद्र व हरियाणा की भाजपा सरकार ने किसानों को कुचलने के लिए सड़कों पर ठोंक दी कीलें और चुनवा दी दीवारें : गोपाल राय

आम आदमी पार्टी की मांग है कि केंद्र सरकार किसानों के साथ खुले मन से बात करें और उनकी समस्याओं का समाधान करे - गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार से मांगों को लेकर 13 फरवरी को दिल्ली कूच करने को तैयार किसानों के साथ सकारात्मक बात कर उनकी समस्याओं का निदान करने की अपील की है। ‌‌आप‌‌ के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि कभी ब्रिटिश हुकूमत ने स्वतंत्रता सेनानियों की आजादी की मांग को कुचलने के लिए सारी हदें पार कर दी थी और आज केंद्र व हरियाणा की भाजपा सरकार किसानों को कुचलने के लिए सड़कों पर कीलें ठोंक कर और दीवारें चुनवा कर क्रूरता की सारी हदें पार कर रही है। भाजपा सरकार ये कीलें जमीन पर नहीं ठोक रही है, बल्कि किसानों के सीने में ठोकने का काम कर रही है, जिसे देश बर्दाश्त नहीं करेगा। हरियाणा के गांवों में पुलिस भेजकर किसानों को धमकी दी जा रही है कि आंदोलन में जो जाएगा, उसका पासपोर्ट, बैंक खाता, प्रॉपर्टी के कागज जब्त कर लिए जाएंगे। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि तीन काले कानूनों के खिलाफ जब किसान एक साल तक बॉर्डर पर डटे रहे, तब प्रधानमंत्री ने तीनों काले कानून वापस लेते हुए एमएसपी की गारंटी देने का वादा किया था। संसद के आखरी सत्र की समाप्ति हो चुकी है और किसान इंतजार कर रहे हैं कि एमएसपी की गारंटी का कानून आएगा या नहीं।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को किसानों के मुद्दे पर पार्टी मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश कहा जाता है। भारत के किसान तपती धूप, कड़कड़ाती ठंड और बारिश में अपना खून पसीना बहा कर अनाज पैदा करते हैं और गांव के पटवारी से लेकर के प्रधानमंत्री तक का पेट भरने का काम करते हैं। किसान देश के हर बच्चे, बूढ़े, जवान, महिला, पुरुष और जाति-धर्म, क्षेत्र भाषा और प्रांत के लोगों का पेट भरने का काम करते है। 13 फरवरी को अपनी मांगों को लेकर किसानों ने दिल्ली मार्च का ऐलान किया है। इसे रोकने के लिए केंद्र में बैठी भाजपा सरकार के निर्देश पर हरियाणा की भाजपा सरकार अंग्रेजों से भी ज्यादा क्रूर तरीके से तानाशाही पूर्ण रवैया अपनाते हुए किसानों को रोकने के लिए सारे हथकंडे अपना रही है, जो गुलामी के दौर की याद दिला रही है।

आप दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने हरियाणा बॉर्डर पर किसानों को दिल्ली आने रोकने के लिए दीवार खड़ी करने और सड़क पर कीलें बिछाने का वीडियो भी दिखाया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, डॉक्टर अंबेडकर समेत कई स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित बनी फिल्मों में इस तरह के दृश्य देखे जाते हैं। उन फिल्मों को देखकर पता चलता है कि ब्रिटिश हुकूमत किस क्रूरता के साथ देश के लोगों को गुलाम बनाए रखने और आजादी की मांग को कुचलने के लिए सभी हदों को पार कर देती थी। आज अगर स्वतंत्रता सेनानियों की आत्मा देख रही होगी तो उनको भी भरोसा नहीं हो रहा होगा कि आजाद हिंदुस्तान में केंद्र सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में किसान शांतिपूर्वक दिल्ली आना चाहते हैं और उनको रोकने के लिए सड़कों को बैरिकेड किया गया है, दीवारें खड़ी कर दी गई है। शायद इतनी मजबूत दीवार तो भारत-पाकिस्तान के बॉर्डर पर भी नहीं बनी है। वहां भी गेट खोला और बंद किया जाता है। पत्थर की दीवारों के सामने कीलें लगाई गई हैं। भाजपा सरकार ने ये कीलें जमीन पर नहीं ठोंकी हैं, बल्कि किसानों के दिलों पर ठोंकी हैं।

आप दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि अगर बीजेपी यह सोचती है कि वो लोकसभा चुनाव में 400 के पर आने जा रही है, इसलिए किसानों के दिलों पर कील ठोक देंगे, तो आज इससे दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण कुछ भी नहीं हो सकता है। यह दृश्य देखकर कलेजे में बहुत पीड़ा हो रही है। क्या पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के किसान भारत के किसान नहीं है और उनकी राजधानी दिल्ली नहीं है। आखिर भाजपा की सरकारों के सामने कौन सी मजबूरी है कि वो किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिए सारी हदों को पार कर रही है। मदर ऑफ डेमोक्रेसी का भाषण देना एक बात है और मदर ऑफ डेमोक्रेसी की आबरू की रक्षा और उसकी मयार्दा की रक्षा करना दूसरी बात है। आज भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र के सभी मयार्दाओं और परंपराओं को लांघते हुए किसानों के सीने में कील ठोकने का काम कर रही है, जिसे देश बर्दाश्त नहीं करेगा। आप दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने आगे कहा कि पिछली बार जब किसानों ने तीनों काले कानून के खिलाफ दिल्ली कूच किया था, तब उन्हें बॉर्डर पर रोक दिया गया था। एक साल से ज्यादा आंदोलन चला था। सड़कों पर किसान सर्दियों में ठिठुरे, गर्मियों को झेले और बरसात की बौछारें बर्दाश्त की, लेकिन वो हिले नहीं और केंद्र सरकार को झुकना पड़ा था। प्रधानमंत्री ने माफी मांगते हुए उन तीनों काले कानून को वापस लिया था और वादा किया था कि किसानों को एमएसपी की गारंटी की जाएगी। उस वादे को लंबा समय हो चुका है। संसद के आखिरी सत्र की समाप्ति हो गई, अंतरिम बजट पास हो चुका है, प्रधानमंत्री चुनाव प्रचार में निकल चुके हैं और किसान अभी भी टकटकी लगाए देख रहे हैं कि एमएसपी की गारंटी का कानून आएगा या नहीं आएगा। आप दिल्ली प्रदेश संयोजक ने कहा कि एक तरफ सरकार वार्ता करने का नाटक कर रही है और दूसरी तरफ हरियाणा के अंदर पुलिस को गांव-गांव में भेज कर लोगों को धमकाया जा रहा है। और कहां जा रहा है कि अगर आंदोलन में शामिल होंगे तो आपका पासपोर्ट, बैंक खाते, प्रॉपर्टी के कागज जब्त कर लेंगे। पेट्रोल पंपों को एक लिमिट में किसानों को पेट्रोल-डीजल देने का निर्देश है। ऐसी स्थिति तो भारत में आपातकाल के दौरान भी नहीं देखी गई। आजादी के लड़ाई के दौरान भी ऐसा नहीं देखा गया। एक तरफ इनको अहंकार है कि ये 400 से ज्यादा सीटें लाने जा रहे हैं और दूसरी तरफ इनको किसानों के दिल्ली आने से डर लगता है। अगर किसान अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्वक दिल्ली आना चाहते हैं तो इनको किस बात का डर लग रहा है। जब पिछली बार किसानों का आंदोलन हुआ था। तब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री ने खुद कहा था कि हम तीनों काला कानून वापस ले रहे हैं और किसानों को एमएसपी की गारंटी को लेकर कमेटी बनाने की बात कही थी। लेकिन अभी तक कमेटी ने क्या किया उस पर बोलने को तैयार नहीं हैं। वादा खिलाफी प्रधानमंत्री ने की, इसलिए किसानों के पास अब कोई रास्ता नहीं बचा है। प्रधानमंत्री वादा करके कैसे निकाल सकते हैं। अगर किसान शांतिपूर्वक तरीके से अपनी मांग रखने के लिए अपने देश की राजधानी में आना चाहता है तो आप कीलें ठोक देंगे, उसकी पासपोर्ट, बैंक अकाउंट, प्रॉपर्टी के कागज, ट्रैक्टर जब्त कर लेंगे। आप किसानों को देशद्रोही क्यों समझते हैं?

जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण

जितेंद्र शर्मा

मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर हील द वर्ल्ड फाउंडेशन द्वारा दीनदयाल उपाध्याय हॉस्पिटल में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किए गए।

यह शुभ कार्य हील द वर्ल्ड फाउंडेशन के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री आनंद गुप्ता जी द्वारा किया गया।

फाउंडर चेयरमैन श्री पी सी सोनी जी का कहना है कि हील द वर्ल्ड फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर देश के विभिन्न जगह पर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन, गरीब कन्या विवाह में सहयोग, जरूरतमंद लोगों की सेवा व सहायता की जाती है।

आप ने केंद्र से प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने सोमवार को केंद्र सरकार से प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बातचीत करने और उनकी मांगें पूरी करने का आग्रह किया। राय ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि किसानों के 13 फरवरी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए केंद्र द्वारा उठाए गए सुरक्षा उपाय औपनिवेशिक युग से भी अधिक सख्त हैं। कई किसान संगठनों (मुख्यतः उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब से) ने अपनी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाले कानून की मांग को लेकर 13 फरवरी को मार्च का आह्वान किया है। यह उन शर्तों में से एक है जो उन्होंने 2021 में अपना आंदोलन वापस लेने पर सहमति व्यक्त करते समय निर्धारित की थी। राय ने कहा, किसान सभी को अन्न उपलब्ध कराने का काम करते हैं। 13 फरवरी को उनके विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर केंद्र अत्यधिक कड़े उपाय लेकर आया है जो औपनिवेशिक युग से भी अधिक सख्त हैं। उन्होंने कहा, मैं केंद्र से आंदोलनकारी किसानों से बातचीत करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने का आग्रह करता हूं। आप ने संवाददाता सम्मेलन में सिंघु, गाजीपुर और टिकरी बॉर्डर पर कीलों तथा अवरोधकों को दिखाने वाला एक वीडियो भी दिखाया। किसानों के दिल्ली चलो मार्च से पहले दिल्ली पुलिस ने सिंघु, गाजीपुर और टिकरी बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है तथा प्रदर्शनकारियों को ले जाने वाले वाहनों को शहर में प्रवेश करने से रोकने के लिए अवरोधकों के साथ-साथ कील भी लगा दी हैं। दिल्ली चलो मार्च का आह्वान लगभग 200 किसान संगठनों ने किया है और मंगलवार को तीन राज्यों से बड़ी संख्या में किसानों के राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने की उम्मीद है।

हिंदू राष्ट्र पर सबका साथ के साथ भारत संकल्प यात्रा का जंतर-मंतर पर समापन, नए भारत के निर्माण की ली शपथ

जितेंद्र शर्मा

हिंदू राष्ट्र पर सबका साथ नारे के साथ

देश के करोड़ों लोगों को जोड़ने के लिए मुंबई से 20 जनवरी से शुरू हुई भारत संकल्प यात्रा सोमवार को विभिन्न राज्यों से शुरू होकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर समाप्त हो गई। यह संकल्प यात्रा उत्तर प्रदेश के विभिन्न राज्यों से होते हुए जौनपुर, प्रयागराज, कानपुर, अयोध्या, भदोही, वाराणसी, लखनऊ होते हुए 12 फरवरी को दिल्ली पहुंची। इस मौके पर समाज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ने जंतर-मंतर पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने इस यात्रा के जरिये महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मामलों को लोगों के बीच उठाया और इसे समाप्त करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि वह नए भारत के निर्माण के लिए जुट गए हैं और वह तब तक इस कार्य में जुटे रहेंगे जब तक पूरा देश एक विकसित और हिंदू राष्ट्र नहीं बन जाए।

समाज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि उनका प्रयास भारत को विकसित हिंदू राष्ट्र के रूप में भी स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में जनता के मुद्दों को लेकर उनके बीच पहुंचेंगे और देश के हर नागरिक को सशक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि देश की ताकत बने किसानों, विद्यार्थियों और युवाओं तथा महिलाओं की सुरक्षा को अपने मुख्य एजेंडे में रखा है और उनके विकास की गति को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, महंगाई पर नियंत्रण रखना, उद्योग धंधों को सरकारी सहूलियत दिलवाकर उनको मजबूत करना आज के समय की मांग है। उन्होंने कहा, समाज में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करना और जनता तक आसानी से सुविधाएं पहुंचाना पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। समापन कार्यक्रम के दौरान पार्टी के महासचिव सुनील सक्सेना, मीडिया प्रभारी राजकपूर सिंह, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा राजेश बलवदा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सुधीर बरेला, दिल्ली प्रदेश सचिव एड गुलशन सोलंकी आदि विशेष रूप से मौजूद थीं।

दिल्ली सरकार के कोष का इस्तेमाल दूसरे राज्यों के होटलों में ठहरने पर किया: भाजपा

- बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की अवधि कम किए जाने की घोषणा पर टिप्पणी करते हुए शाजिया ने कह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के कोष का इस्तेमाल दूसरे राज्यों के होटलों में प्रेसिडेंशियल सुइट बुक करने में किया। पार्टी की प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि केजरीवाल गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब और कर्नाटक के पांच सितारा होटलों के सबसे महंगे कमरों में ठहरे। उन्होंने दावा किया, प्रेसिडेंशियल, महाराजा, इम्पीरियल सुइट्स का किराया दो से तीन लाख रुपये प्रति रात होता है, जो दिल्ली के मुख्यमंत्री के लिए बुक थे।

उन्होंने कहा, पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है, इसलिए वे गेस्ट हाउस में रह सकते हैं लेकिन वह (केजरीवाल) पांच सितारा होटलों में रहे। भाजपा नेता ने दावा किया कि होटलों में मुख्यमंत्री के ठहरने की व्यवस्था के लिए 50 दिनों में औसतन लगभग 1.5 करोड़ रुपये खर्च होते हैं।

बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की अवधि कम किए जाने की घोषणा पर टिप्पणी करते हुए शाजिया ने कहा, अगर आप न्याय यात्रा की बात करते हैं तो यह कितनी प्रभावशाली रही है? यहां तक कि कांग्रेस के सहयोगी भी एक-एक करके उनका साथ छोड़ रहे हैं।

मंगलवार से डीयू में सांस्कृतिक कार्यक्रम मदारी का शुभारंभ

- मदारी में दिखेगी भारतीय कला व संस्कृति की झलक
- मदारी के अन्तर्गत नुक्कड़ नाटक में 45 तथा कला प्रदर्शनी में 60 कॉलेजों की टीमें करेंगी सहभागिता।

जितेंद्र शर्मा

सोमवार दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ कार्यालय में एक प्रेस वार्ता का आयोजन हुआ जिसमें 13 फरवरी से 15 फरवरी के बीच आयोजित होने जा रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम मदारी के बारे में जानकारी रखी गई। मंगलवार से डीयू की आर्ट्स फैकल्टी में डूसू तथा राष्ट्रीय कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय मदारी सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारंभ होगा । मदारी तीन भागों में विभाजित है जिसमें प्रथम है खिचड़ी जिसके अन्तर्गत नुक्कड़ नाटक, द्वितीय भाग ग्राम्या जिसमें कला प्रदर्शनी आयोजित होगी , तृतीय भाग है धरोहर इसके अंतर्गत ऐसे छात्रों को मंच पर आने का मौका मिलेगा जो रचनात्मक प्रतिभा होने के बावजूद भी मौकों की कमी के कारण पीछे रह जाते हैं।

राष्ट्रीय कला मंच के राष्ट्रीय संयोजिका गुंजन ठाकुर ने कहा कि मदारी एक ऐसा कार्यक्रम है जिसके द्वारा समाज में बढ़ रही समस्याओं का समाधान नाटकों तथा कला प्रदर्शनियों के माध्यम से ढूढ़ने में सहायता मिलती है, साथ ही मदारी एक ऐसा मंच है जो छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने का कार्य करता है । दिल्ली विश्वविद्यालय में यह मदारी का पाँचवा संस्करण है जिसमें नुक्कड़ नाटक के अंतर्गत लगभग 45 टीमें तथा कला प्रदर्शनी में 60 से अधिक कॉलेजों की टीम सहभागिता कर रही हैं, दिल्ली विश्वविद्यालय में यह आयोजन अपने पिछले संस्करणों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल कर चुका है इस बार भी छात्रों के बीच मदारी के आयोजन को लेकर उत्साह है।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ सचिव अपराजिता ने कहा कि डूसू और राष्ट्रीय कला मंच द्वारा आयोजित मदारी फेस्टिवल कई मामलों में ऐतिहासिक होने वाला है। प्रतिभाओं का सम्मान और उनको मंच देना हमारी प्राथमिकता रही है। इस दिशा में हमनें निरंतर प्रयास किया है। मदारी उसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

अभाविप दिल्ली प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने आयाम राष्ट्रीय कला मंच के माध्यम से निरंतर ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करती रहती है। मदारी के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा व विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत का साक्षात्कार होगा। आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान मदारी का पोस्टर विमोचन हुआ जिसमें अभाविप दिल्ली प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री, राष्ट्रीय कला मंच की संयोजिका गुंजन ठाकुर, सह-संयोजिका कोमोलिका कैम, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की सचिव अपराजिता तथा डूसू सह-सचिव सचिन बैसला उपस्थित रहे।

निजामुद्दीन स्टेशन पर 8 महीने की बच्ची मिली लावारिस

नई दिल्ली । दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पुलिस को करीब 8 महीने की बच्ची लावारिस हालत में मिली है। दरअसल, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर दुर्ग संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 22868 दुर्ग से चलकर जब ट्रेन निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंची तो एक समीम फरजाना नाम की महिला को कोच नंबर एस4 में एक बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। जब शमीम फरजाना ने इधर-उधर देखा तो बच्ची के आसपास कोई भी व्यक्ति नहीं था तब उसने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत डीसीपी रेलवे के.पी मल्होत्रा की देखरेख में हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पुलिस थाने के एसएचओ अजय शर्मा, इंस्पेक्टर राजीव कुमार, सब इंस्पेक्टर कुलदीप, कांस्टेबल प्रदीप और महिला कांस्टेबल मौसम मौके पर पहुंचे। कुछ देर की पूछताछ के बाद बच्ची को लेडी कांस्टेबल मौसम के सुपुर्द कर दिया गया। जब बच्ची को लेडी कांस्टेबल मौसम को पुलिस कर्मियों को सौंपा गया तो बच्ची काफी डरी सहमी हुई थी। जिसके बाद लेडी कांस्टेबल मौसम ने उसका पूरा ख्याल रखा।उसे दूध पिलाया और उसकी देखरेख में जुटी रही। हालांकि पुलिस टीम का काम अभी खत्म नहीं हुआ है।

पुलिस ने बच्ची के माता-पिता की तलाश जारी रखते हुए निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और कई अन्य रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिया है। हालांकि सीसीटीवी पर्याप्त मात्रा में न होने से अभी तक बच्ची के माता-पिता का पता नहीं चल पाया है। लेकिन पुलिस का कहना है कि बच्ची के माता पिता और उससे संबंधित जानकारी वो जल्द ही जुटा लेगी और बच्ची को जल्द उसके परिजनों को सौंप देगी।तब तक बच्ची लेडी कांस्टेबल मौसम के साथ है।

रंजिश में नाबालिग सहित दो को गोली मारी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के वेलकम थाना इलाके में रविवार को मामूली विवाद में 19 वर्षीय युवक ने दो लोगों पर गोली चला दी। इसमें एक नाबालिग सहित दो युवक घायल हो गए। नाबालिग की हालत स्थिर है। घायलों की पहचान 18 वर्षीय अमान और 17 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। दोनों जनता मजदूर कॉलोनी के रहने वाले हैं। जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि रविवार रात जनता मजदूर कॉलोनी के खजूर वाली मस्जिद के पास गोलीबारी की सूचना मिली थी। पूछताछ में पता लगा कि अमान एसी मरम्मत का काम करता है। दोनों पर 19 साल के फैजी नामक युवक ने गोली चलाई थी। इसके पीछे की वजह दो दिन पहले घायल नाबालिग और आरोपी फैजी के बीच मामूली बात पर झगड़ा होना बताया जा रहा है। बीती रात उन्होंने खजूर वाली मस्जिद के पास एक-दूसरे को देखा और लड़ाई करने लगे। इसी दौरान फैजी ने तमंचा निकालकर गोली चला दी। इसमें एक गोली अमन के बाएं हाथ में लगी और एक अन्य गोली नाबालिग के पेट में जा लगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजधानी में बसंत पंचमी पर पांच हजार शादियां होंगी

नई दिल्ली। बसंत पंचमी पर बुधवार को दिल्ली में करीब पांच हजार शादियां होंगी। साथ ही सरस्वती पूजा को लेकर पंडाल भी सजाए जाएंगे। मिंटो रोड पूजा समिति ने इसको लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। शादियों को लेकर अखिल भारतीय ज्योतिष परिषद् के राष्ट्रीय महासचिव आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा ने सोमवार को बताया कि अनसूझ शादियों के लिए बसंत पंचमी का दिन सबसे शुभ माना जाता है। गुरु-शुक्र के अस्त का दोष अनसूझ शादियों पर नहीं लगता है, जिन लोगों की शादियों की तारीख नहीं सूझती है वह बसंत पंचमी के मौके पर शादी करते हैं। यह दिन शादी-ब्याह के लिए काफी शुभ है। आचार्य ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में करीब तीन हजार बड़े विवाह स्थल है। कुछ विवाह स्थल इतने बड़े हैं कि वहां पर तीन-चार शादियों का आयोजन एक ही समय पर किया जा सकता है। वहीं, मिंटो रोड पूजा समिति को कोषाध्यक्ष तपन भट्टाचार्य ने बताया कि बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की प्रतिमा को पंडाल में स्थापित किया जाएगा। सुबह साढ़े दस बजे से पूजा अर्चना शुरू होगी। पुष्पांजलि, आरती और भोग का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया जाएगा।

डीडीए पार्क के गड्ढे में कुत्ते के गिरने से हुआ महिला की हत्या का खुलासा, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के अशोक विहार थाना इलाके के वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में घरेलू कलह से परेशान होकर पति ने पहले पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। फिर अपनी मां और नाबालिग छोटे भाई के साथ मिलकर शव को पास के ही डीडीए पार्क में बने गड्ढे में दबा दिया। इस गड्ढे में डी-कंपोज खाद बनाने का काम किया जाता था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शव को दफनाने से पहले पहले 24 घंटे तक आरोपी पति ने घर में ही रखा। मामले की पोल खुलने के डर से शव को घर ठिकाने लगा दिया। लेकिन हत्यारे पति की पोल तब खुल गई जब उसी गड्ढे में जिसमें उसने अपनी पत्नी को दफनाया था, उसमें एक कुत्ता गिर गया। कुत्ते को निकालने के दौरान मामले का खुलासा हुआ। अशोक विहार थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रविवार को तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों में युवती का पति, उसकी सास और उसका नाबालिग देवर शामिल हैं।

दरअसल वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया के रहने वाली एक महिला ने अपनी बेटी की गुमशुदा की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि उसकी 25 वर्षीय बेटी करीब 5 सालों से विक्की नाम के युवक के साथ रह रही थी। एक साल पहले ही दोनों ने शादी कर ली। इस साल 24 जनवरी को पति-पत्नी के बीच में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। उसके बाद से उसकी अपनी बेटी से कोई बातचीत नहीं हुई। बेटी के बारे में पूछने के लिए जब पीड़िता की मां ससुराल पहुंची तो जानकारी मिली कि दोनों घर छोड़कर चले गए हैं। इसके बाद पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराई गई।

महिला का कई दिनों तक कुछ पता नहीं चला। महिला के ससुराल के पास ही डीडीए ग्राउंड पर एक गड्ढा बनाया गया था। हत्या के अगले दिन आरोपी पति ने अपनी मां और भाई के साथ मिलकर रजाई में लपेट कर पत्नी के शव को उस गड्ढे में फेंक दिया। 8 फरवरी को इस गहरे गड्ढे में एक कुत्ता गिर पड़ा जिसको निकालने के लिए जब लोग वहां पहुंचे तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई और महिला का रजाई में लिपटा शव मिला। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया और आखिरकार 25 तारीख को जिस महिला ने अपनी बेटी की गुमशुदा की शिकायत दर्ज कराई थी उसने बेटी की पहचान कर ली। इसके बाद पुलिस ने रविवार को आरोपी पति, उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया साथ ही पुलिस ने नाबालिग भाई को हिरासत में लेकर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

पिटाई का बदला लेने के लिए गोली मारकर ली थी जान

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में छात्र की हत्या के मामले में पुलिस ने रविवार रात को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पिटाई का बदला लेने के लिए छात्र की गोली मारकर हत्या की थी। आरोपियों की पहचान रघुवीर नगर के सौरव चोपड़ा और प्रथम के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर के अनुसार, राजौरी गार्डन थाने में शनिवार सुबह करीब नौ बजे युवक के पार्क में पड़ा होने की सूचना मिली थी। जांच में युवक के सिर, सीने और पीठ में चोट के निशान मिले। उसकी पहचान रघुवीर नगर निवासी 18 वर्षीय आलोक माथुर के रूप में हुई। वह 12वीं का छात्र था। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने सौरव चोपड़ा को हिरासत में लिया। उसने प्रथम के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। क्योंकि आलोक की प्रथम से लड़ाई हुई थी और तब आलोक ने प्रथम की पिटाई कर दी थी। इसका बदला लेने के लिए उन्होंने आलोक की हत्या कर दी। बाद में उसकी निशानदेही पर प्रथम को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

रामवीर सिंह बिधूड़ी का आप पर हमला, कहा- केजरीवाल निर्दोष है तो ईडी के सामने क्यों नहीं हो रहे पेश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली के शराब घोटाले को लेकर ईडी की भी जांच चल रही है। जांच के घेरे में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी है। जिनको कई बार ईडी के समन मिलने के बावजूद वो ईडी के सामने पेश नहीं हुए हैं। जिसके बाद अब पूरा मामला अदालत पहुंचा है और अदालत ने उनको पेश होने के लिए कहा है। मामले पर दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल निर्दोष है तो फिर जांच से क्यों भाग रहे हैं। अगर उनके खिलाफ सबूत मिले तो उनको ईडी के सवालों का जवाब देना पड़ेगा और जेल भी जाना पड़ेगा।

बिधूड़ी ने केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा है कि जेल भेजने का अधिकार ईडी के पास नहीं है। सीबीआई के पास नहीं है। सरकार के पास नहीं है। यदि अरविंद केजरीवाल के दामन पर कोई दाग नहीं है। यदि एक्साइज पॉलिसी में उन्होंने कोई घोटाला नहीं किया है तो उनको कानून का सम्मान करना चाहिए। उनको ईडी के ऑफिस में जाकर ईडी के सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होने कहा कि जब उनके पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जेल गए तो केजरीवाल ने उनको कट्टर ईमानदार बताया, लेकिन अभी तक उनको अदालत से बेल नहीं मिली है, वह जेल में है। इसके अलावे उनके एक सांसद संजय सिंह भी जेल में है। उनको भी वह कट्टर ईमानदार बताते थे। हाई कोर्ट से जमानत नहीं मिली है सुप्रीम कोर्ट से जमानत नहीं मिली है। कोर्ट ने माना है कि कहीं ना कहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री इस घोटाले में शामिल है। आखिर दिल्ली में सैकड़ों करोड़ रुपये का शराब का घोटाला हुआ है। शराब के ठेकेदारों का कमीशन दो प्रतिशत से बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया। हजारों करोड़ रुपये उनके जेब में डाल दिया गया और जो फायदा ठेकेदारों को पहुंचाया गया उनमें से 6 फीसदी केजरीवाल को मिला और 6 फीसदी पैसा शराब ठेकेदारों के जेब में गया।

अगर यह एक्साइज पॉलिसी इतनी ही अच्छी थी तो अरविंद केजरीवाल ने इतनी अच्छी पॉलिसी को वापस क्यों लिया गया। इस पॉलिसी के लागू होने पर दिल्ली सरकार के राजस्व को करीब 4000 करोड रुपए का घाटा हुआ।जो दिल्ली के टैक्स पेयर का पैसा है जिसको दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ मिलकर लूटा है। इसीलिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज नहीं तो कल ईडी के सामने पेश होना ही होगा और ईडी के सवालों का जवाब भी देना पड़ेगा। यदि ईडी के पास उनके घोटाले में सम्मिलित पाए जाने के सबूत ईडी होंगे तो अरविंद केजरीवाल को जेल भी जाना पड़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

42 लीटर देसी शराब के साथ एक कारोबारी गिरफ्तार

पतरघट/सहरसा। थाना सौर बाजार पस्तपार शिविर पुलिस ने 42 लीटर देसी शराब के साथ जब्त किया और कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं एक व्यक्ति बाइक छोर कर भागने में सफल रहा। पस्तपार शिविर अध्यक्ष पंकज कुमार यादव ने बताया कि सखुआ मौर के समीप गस्ति के दौरान गुप्त सूचना मिली थी की देशी चुल्हाई शराब के खेप जा रही है। पकड़ाए गई युवक का नाम हेमंत कुमार पिता बिनोद यादव साकिम गमहरिया थाना+ जिला मधेपुरा के निवासी। कारोबारी के खिलाफ विधि सम्मत मद्यनिषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत सहरसा भेज दिया गया है।

अवैध हथियार के साथ वायरल वीडियो मामले में प्राथमिकी दर्ज

पानापुर(सारण)थाना क्षेत्र के एक युवक का अवैध बंदूक का प्रदर्शन करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। स्थानीय पुलिस ने जब वायरल वीडियो की पड़ताल की तो पता चला कि वीडियो में दिख रहा युवक सारंगपुर गांव निवासी लालबाबू सहनी का पुत्र सुभाष सहनी बताया जाता है।वायरल वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान होते ही रविवार की देर शाम एएसआई संजय कुमार भारती एवं मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में स्थानीय थाने की पुलिस ने उसके घर दबिश दी।हालांकि युवक घर पर मौजूद नही था और पुलिस अवैध हथियार भी बरामद करने में विफल रही।थानाध्यक्ष विश्वमोहन राम ने बताया कि इस प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में महिला घायल

कुमारखंड थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर चंडी स्थान गांव में सिकरहटी से मुरलीगंज जाने वाली मुख्य मार्ग पर बाइक चालक बाइक लेकर गिरने से बाइक चालक मनोज मेहता बाइक के पीछे सवार महिला मंजू देवी घायल हो गई। दोनो घायल को स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा इलाज किया गया। बताया गया कि गुड़िया वार्ड नंबर 11 निवासी चालक मनोज मेहता अपनी मां मंजू देवी को बाइक पर सावर कर मुरलीगंज सामान खरीदने गए थे। घर वापस लौट के दौरान लक्ष्मीपुर चंडीस्थान गांव में बाइक लेकर चालक मनोज मेहता गिरने से मनोज मेहता और पीछे सवार बाइक पर मंजू देवी घायल हो गई। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

सहरसा में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं ने निकाला विशाल पदयात्रा

प्रात : किरण, संवाददाता

सहरसा। जिला कांग्रेस कमिटी, सहरसा की ओर से कोसी कमिश्नरी मुख्यालय सहरसा में राहुल गांधी जी द्वारा आयोजित भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में जिला कांग्रेस कार्यालय सहरसा से डॉक्टर तारानंद सादा के नेतृत्व में विशाल पदयात्रा निकाला गया ' राहुल जी अपने संकल्प जोड़ो-जोड़ो भारत जोड़ो, नफरत छोड़ो भारत जोड़ो एवं न्याय का हक मिलने तक के वादों के साथ प्रथम चरण कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा के बाद पुनः मणिपुर से मुंबई तक के 6200 किलोमीटर के यात्रा पर है, राहुल जी के इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य संविधान बचाने, जनता के मौलिक अधिकार दिलाने, सरकारी संस्थानों के दुरुपयोग रोकने समेत, किसानों, युवाओं, बेरोजगारों और महिला पहलवानों पर हो रहे अन्याय,गरीबों का दुख दर्द समझने के लिए न्याय यात्रा पर है। जहां सभी वर्गों का भारी समर्थन मिल रहा है। डॉक्टर तारानंद सादा ने कहा -- नरेंद्र मोदी देश के लोगों को झूठ बोलकर धोखा दे रहे हैं। अंबानी और अडानी के हाथों देश को बेचना चाहते है, जब देश के गरीब जनता इनके चतुर चाल को समझ चुकी है ' इनका नया पैंतरा धर्म का ठिकेदारी करना बच गया है। राहुल जी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा से बौखलाई भारतीय जनता पार्टी अब संवैधानिक और नागरिक अधिकारों का भी खुल्लम - खुला उल्लंघन कर रही है ' अफसोस की बात यह है कि इस शांतिपूर्ण यात्रा को बाधित करने की कोशिश की जा रहीं है। राहुल जी निडर होकर बिना रूके भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश की जनता को इंसाफ दिलाने के लिए निकले हैं। हमलोग इनसे डरने वाले नही हैं,हमारे पूर्वजों ने पहले भी लडे थे और आज भी लड़ेगें। मोदी जी को आदत है कि देश महापुरुषों को गाली देकर सत्ता हासिल करते रहना। दिन रात झूठ की खेती करने वाले मोदी ने 10वर्षों में किसानों को सिर्फ ढगा है ' दो गुनी आमदनी तो नहीं हुई लेकिन इनके राज में आत्म हत्या करने को मजबूर जरूर कराया। छल, कपटी, जुमलेबाज और झूठी गारंटी देने वाले मोदी को दिल्ली की गद्दी से हटाना होगा तभी देश सुरक्षित रह पायेगा ' कांग्रेस के वरीय नेता तामिलनाडु के पूर्व डीजीपी डॉ0 बी0 के0 रवि ने कहा कि - राहुल जी की यात्रा के तीन प्रमुख उद्देश्य, पहला आर्थिक न्यायः बेरोजगार युवाओं, कर्ज में डूबे किसानों और महंगाई की मार के बीच पढ़ाई, कमाई और दवाई के लिए संघर्ष करते गरीबों के साथ न्याय हो। दूसरा सामाजिक न्यायः वंचितों के अधिकारों और बेटियों के आत्म सम्मान के साथ न्याय हो और तीसरा राजनीतिक न्यायः स्वतंत्रता, समानता और मानवीय गरिमा के आदर्शों के साथ न्याय हो ' जनता के द्वारा चुनी हुई कांग्रेस सरकार को अपदस्थ करना और खरीद फरोख्त की राजनीति कर सरकार गिरा देना हीं राजनीतिक अन्याय का सबसे बड़ा उदाहरण है। यह यात्रा बीजेपी की विभाजन और उपेक्षा की राजनीति से जख्मी भारत की आत्मा पर एकता और मोहब्बत का मरहम है। भाजपा अनुसूचित जाति/जनजाति गरीबों को डराने का काम करती है और राहुल जी इनकी आवाज बन कर खडे हैं ' यह यात्रा तब हो रही है जब पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर मई-2023 से लंबे समय से जातीय हिंसा से जल रहा है, पिछले साल मई से अब तक मणिपुर राज्य में कई यौन उत्पीड़न के मामले और जघन्य अपराध भी सामने आए हैं। जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार झा ने कहा कि --भाजपा के लोग सिर्फ धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाकर वोट हासिल करना चाहती है उसी को जवाब देने के लिए हमलोग सहरसा के जनता को जागृत करने के लिए पदयात्रा निकाली गई है। दयात्रा में प्रदेश प्रतिनिधि राम सागर पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष - कुमार हीरा प्रभाकर,तारनी ऋषिदेव,मनोज कुमार मिश्र,सत्य नारायण चौपाल,साजन शर्मा चौपाल, मुकेश कुमार सिंह,,प्रमोद कुमार मिश्रा,महिला कांग्रेस की प्रतिभा सिंह,सुग्गा देवी, मीणा देवी प्रखंड अध्यक्ष -पंकज कुमार सिंह, बीरेंद्र पासवान,प्रो0 इम्तियाज अंजुम प्रशांत यादव, सुरेंद्र प्रसाद सिंह, सौर ,मो गफ्फार,ब्रज किशोर झा,राज नारायण पंडित,सीता राम साह,नवीन शंकर झा, डॉ फिरोज, राम कुमार पासवान,जवाहर झा,भरत नारायण झा, कामेश्वर साह, आशीष कुमा, अशोक कुमार झा, दीपाक साहू, बीरेंद्र नारायण सिंह, सुशील कुमार ठाकुर, मो साकिर हुसैन, बाबुल सिंह,सत्य नारायण पासवान , मो0 सरफराज, मृणाल कामेश, अमित अकेला, मो0 महत्ताफ आरिफ,भरत झा, मो0 गयासुद्दीन खां,बैध नाथ झा, संजय यादव अमीन, दिवाकांत गिरी,बचन पासवान, अफरोज आलमआदि उपस्थित थे।

डॉक्टर भीम सिंह चंद्रवंशी को राज्यसभा सदस्य उम्मीदवार बनाए जाने पर चंद्रवंशी समाज में हर्ष

प्रात : किरण, संवाददाता

अलीगंज। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री डॉ भीम सिंह चंद्रवंशी को भारतीय जनता पार्टी द्वारा राज्यसभा के उम्मीदवार बनाए जाने पर बिहार के समस्त चंद्रवंशी परिवार में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी है। उक्त बातें अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के दक्षिण बिहार प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार चंद्रवंशी अलीगंज के दौरे पर आने पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही ।उन्होंने कहा कि डॉ भीम सिंह चंद्रवंशी जी को राज्यसभा सदस्य बनाये जाने पर अब जमुई जिले सहित पूरे प्रदेश के चंद्रवंशी परिवार के विकास कार्यों में सहयोग मिलेगा । ज्ञात रहे कि डॉक्टर भीम सिंह का पूर्व में भी जमुई से गहरा लगाव रहा है। इसके लिए पूरे चंद्रवंशी परिवार की ओर से भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र भाई मोदी जी,भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बिहार के प्रभारी तावड़े जी सहित प्रदेश नेतृत्व को बहुत-बहुत आभार। खुशी जाहिर करने वालों में महासभा के प्रदेश प्रवक्ता मदन कुमार,अलीगंज प्रखंड अध्यक्ष बालक राम चंद्रवंशी, कार्यकारी अध्यक्ष नगीना प्रसाद चंद्रवंशी, चन्द्रशेखर आजाद, पवन चंद्रवंशी ,वाल्मीकि सिंह चंद्रवंशी, अशोक कुमार, अरुण कुमार चंद्रवंशी, आशो राम चंद्रवंशी,दीपक कुमार, बिट्टू कुमार चंद्रवंशी, अर्जून सिंह, मुन्ना सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, महेश कुमार सिंह के अलावे कई गणमान्य लोगो ने हर्ष व्यक्त किया है।

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति बैठक

प्रात : किरण, संवाददाता

घैलाढ़ ओपी परिसर में सोमवार को सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई ' बैठक की अध्यक्षता ओपी अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा ने की ' मालूम हो कि शांतिपूर्ण माहौल में सरस्वती पूजा मनाया जाएगा ' जिसको लेकर आयोजित बैठक में कई बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया ' इस मौके पर ओपी प्रभारी अरविंद मिश्रा ने कहां की सरस्वती पूजा को लेकर पंचायत स्तर से आए हुए सभी जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि सरस्वती पूजा शांतिपूर्ण वातावरण में मनाए एवं उन्होंने आगे कहां की सरस्वती पूजा के दौरान पूजा समिति को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा एवं डीजे पर प्रशासन के द्वारा दी गई गाइडलाइन के अनुसार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की ' जहां सरस्वती पूजा के मौके पर पुलिस प्रशासन की तैनाती रहेगी ' उपद्रवी पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी ' मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधि ने भी अधिकारी को और आश्वस्त करते हुए कहां कि सरस्वती पूजा शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा ' इस मौके पर जिला पार्षद प्रतिनिधि विनीत कुमार आर्यन,मुखिया विमल कुमार, राहुल कुमार,पंचायत समिति सदस्य तरुणदेव राम,सरपंच नरेश प्रसाद यादव,रजनीश कुमार, चंदन, गोविन्द मंडल आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के संबंध में बैठक दिए कई निर्देश

सहरसा । पारंपरिक कौशल वाले लोगों / कामगारों को लाभ पहुँचाने हेतु प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के संबंध में विस्तार से विमर्श करने एवं कार्यान्वयन पर तेजी लाने के लिए अपर मुख्य सचिव, उद्योग विभाग, बिहार, पटना के स्तर पर विडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनके द्वारा बताया गया कि परंपरागत तरीके से काम कर रहे वैसे कारीगरों एवं शिल्पकारों को लाभ प्रदान करना है, जो या तो स्व-नियोजित है या अपने स्वयं के लघु उद्यम स्थापित करने का इच्छा रखते है। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए उद्योग निदेशक, बिहार, पटना द्वारा बताया गया कि वर्णित योजनान्तर्गत कारीगरों और हस्तशिल्प श्रमिकों को विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान पत्र मिलेगा। इन लोगों को पहले चरण में एक लाख रुपए का ऋण 5% साधारण ब्याज पर उपलब्ध कराया जाएगा एवं राशि 18 महीने में चुकता कर लेने के बाद दूसरी किस्त 02. 00 लाख रुपए 05 फीसदी की रियायती ब्याज दर पर उपलब्ध करायी जाएगी, उन्हे 30 महीने में लौटानी होगी।

बुधवार को होगी विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा : पंडित तरुण झा

प्रात : किरण, संवाददाता

सहरसा। ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान सहरसा,बिहार के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बतलाया है की माघ महीने शुक्ल पक्ष की पंचमी को सरस्वती पूजा के रूप में मनाया जाता है, इस दिन को वसंत पंचमी के तौर पर मनाने की भी परंपरा है, ऐसा माना जाता है कि माघ शुक्ल पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा विशेष फलदायी होती है और इस दिन माँ शारदा के पूजन का बहुत महत्व है,14 फरवरी बुधवार को माँ शारदे की पूजा हो सकेगी ! इस दिन भगवान श्री गणेश की पूजा के उपरान्त कलश स्थापना कर देवी सरस्वती का पूजन आरंभ करने का विधान है,सरस्वती स्तोत्र का पाठ देवी की प्रसन्नता और आशीर्वाद प्राप्ति के लिए किया जाना चाहिए,मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादिनी और वाग्देवी आदि कई नामों से भी जाना जाता है। विद्या-दात्री माँ शारदा का निम्न मंत्र से ध्यान करना चाहिए ।

राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव बने नरेश साह

प्रात : किरण, संवाददाता

सोनवर्षा राज/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के नगर पंचायत सोनवर्षा निवासी व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव बने नरेश साह को राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गूप्ता द्वारा सोनवर्षाराज मूख्य बाजार निवासी नरेश साह को व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव पद पर मनोनित किया गया है। प्रदेश महासचिव पद पर अपने मनोनयन को लेकर नरेश साह ने राजद सूप्रिमों लालू प्रसाद यादव, प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, सूबे के पूर्व उपमूख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पूर्व मंत्री अशोक कु सिंह, एमएलसी अजय सिंह व व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल प्रसाद को साधूवाद देते हुए उनका आभार प्रकट किया है।वही नरेश साह के महासचिव के पद पर मनोनित होने पर राजद के प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह मून्ना, विजेन्द्र यादव, सूधीर यादव, ललन यादव, चंदन यादव, श्याम बिहारी केडिया, अरविंद यादव, पूर्व जिला पार्षद अरूण यादव, अमरेन्द्र भास्कर, मो ईब्राहिम,पूर्व प्रमूख तेजनारायण यादव, पूर्व मूखिया ब्रजकिशोर शर्मा समैत कई कार्यकताओं उन्हें बधाई देते हूए हर्ष व्यक्त किया है।

मानव जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्व विषयक व्याख्यान का आयोजन आज

प्रात : किरण संवाददाता,

मधेपुरा भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के शैक्षणिक परिसर अवस्थित विश्वविद्यालय दर्शनशास्त्र विभाग में मंगलवार को मानव जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्व विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया है। इसके मुख्य वक्ता दर्शनशास्त्र विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. नरेश प्रसाद तिवारी होंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व कुलपति प्रो. ज्ञानंजय द्विवेदी करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आर. के. मल्लिक और विशिष्ट अतिथि निदेशक (आईक्यूएसी) प्रो. नरेश कुमार होंगे। अतिथियों का स्वागत प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर, संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर विनय कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन अतिथि व्याख्याता डॉ. कुमार ऋषभ करेंगे।

जनता दरबार के लंबित आवेदनों का तत्परता से करें निष्पादन : डीएम विजय प्रकाश मीणा

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा जिलास्तरीय पदाधिकारियों की साप्ताहिक समन्वय-सह-समीक्षा बैठक सोमवार को जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा की अध्यक्षता में झल्लू बाबू सभागार में हुई। बैठक में जनता दरबार की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने लंबित आवेदन पत्रों पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी कार्यालय प्रधान को निर्देश दिया गया कि जिला जनता दरबार से भेजे गए आवेदन पत्रों का अविलंब निष्पादन करते हुए संबंधित प्रतिवेदन प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग, मधेपुरा को भेजना सुनिश्चित करें। वहीं विधि विभाग की समीक्षा के क्रम में उच्च न्यायालय से संबंधित लंबित वादों के संबंध में सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अविलंब अपने-अपने विभाग से लंबित एमजेसी एवं सीडब्ल्यूजेसी एवं एलपीए के मामले को विशेष रूप से ध्यान देकर ससमय उच्च न्यायालय, पटना में कारण-पृच्छा दायर कर ओथ की प्रति जिला विधि शाखा में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। गठित कोषांग के अधिकारी निर्देश का करें अनुपालन एनएच 106 व 107 से संबद्ध पदाधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के अनुरूप कार्य संपन्न कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावे लोकसभा चुनाव के लिए गठित कोषांगों को क्रियान्वित कर ससमय बैठक करने एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए जा रहे दिशा निर्देश का अनुपालन करने का निर्देश दिया गया। विभिन्न विभागों के परियोजनाओं, सरकारी भवनों के लिए भूमि उपलब्धता को लेकर अपर समाहर्ता को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ़ करने पर जोर स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन, मधेपुरा को सदर अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण को लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता अरूण कुमार सिंह, उदाकिशुनगंज के अनुमंडल पदाधिकारी एसजेड हसन के साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

वाटर टैंक क्षतिग्रस्त हो जाने से बिराटपुर वार्ड 11 के लोग बीते एक हफ्ते से शुद्ध पेयजल से वंचित

प्रात : किरण, संवाददाता

सोनवर्षा राज/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र बिराटपुर पंचायत के बिराटपुर पंचायत के हर घर नल का जल के तहत विराटपूर पंचायत के वार्ड नं 11 में स्थापित वाटर टैंक के क्षतिग्रस्त हो जाने से संम्बंधित वार्ड के लोग बीते एक हफ्ते से शूद्ध पेयजल से वंचित हो गए है।क्षेत्र के कई वार्डो में वाटर टैंक के क्षतिग्रस्त होने की घटना कोई नई नहीं है।इसी तरह बीतें दिनों वाटर टैंक के क्षतिग्रस्त होने से डूमरा,खजूराहा व मैना गांव में दूर्घटना होते होते बची थी।स्थानिय लोगों के अनूसार संवेदक ने विश्वसनीय कंपनी के वाटर टैंक की जगह घटिया टैंक लगा रखा है।जिस वजह से आए दिन टैंक क्षतिग्रस्त होती रहती है।साथ ही क्षतिग्रस्त टैंक को बदलने में संवेदक महिनों लगा देता है।जिससे सम्बंधित क्षेत्र के लोगो को शूद्ध पेयजल के संकट से जूझना पड़ता है।विराटपूर वार्ड नं 11 में स्थापित मिनी वाटर प्लांट के संचालक यादव ने कहा कि आठ दिन पूर्व ही टैंक क्षतिग्रस्त हो गया था।मिस्त्री को सूचना दिए जाने के बावजूद अब तक नहीं बदला जा सका है।

एक वारंटी के साथ साथ दो शराबी को कुमारखंड पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता,

कुमारखंड, मधेपुरा पुलिस ने थाना क्षेत्र के अलग अलग जगह से छापामारी कर एक वारंटी सहित दो पियक्कड को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने इस संबंध में बताया कि एएसआई राकेश पांडे व सशस्त्र बल के जवान ने बिशनपुर बाजार पंचायत में छापामारी कर एक मामले के वारंटी मो मो रजबुल को गिरफ्तार कर लिया। वहीं दूसरी ओर गुप्त सूचना पर पहुंचकर अलग अलग पुलिस टीम ने यदुआपट्टी वार्ड एक में एक पियक्कड ज्ञानचंद साह और लक्ष्मीपुर चंडीस्थान वार्ड एक से एक अन्य पियक्कड शंकर कुमार को नशे में हंगामा करते हुए गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिए गए और दो अन्य गिरफ़्तार पियक्कड को आगे की समुचित कार्रवाई के लिए कोर्ट में पेशी के लिए भेज दिए गए हैं।

नीतीश कुमार के विश्वास मत हासिल होने पर सहरसा में बीजेपी नेताओं ने मनाया जश्न

प्रात : किरण, संवाददाता

सहरसा। बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विश्वास मत हासिल करने पर एनडीए की सरकार डबल इंजन की सरकार नितिश मोदी की सरकार के विश्वास मत के बाद सहरसा शंकर चौक पर एन डी ए गठबंधन के कार्यकर्ता भाजपा जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह एवं जदयू जिलाध्यक्ष चन्द्र देव मुखिया के नेतृत्व में अबीर गुलाल लगा कर एक दूसरे को मिठाई मिठाई खिलाकर जश्न मनाया इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार बनने से बिहार का तीव्र विकास होगा सुशासन की सरकार काम करेगी। जदयू जिलाध्यक्ष चन्द्र देव मुखिया ने कहा कि जदयू भाजपा के साथ सहजता के साथ सरकार चलाती है नितिश कुमार जी सुशासन दे पाते हैं क्राइम कंट्रोल रहेगा अपराधी को संरक्षण नहीं मिलेगा अपराधियों को कड़ी सजा मिलेगी जश्न में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव रंजन जिला उपाध्यक्ष शिव भूषण सिंह जदयू के सुशील यादव मोहिउद्दीन राईन दिनेश पासवान देवेन्द्र कुमार देव सेर अफगान मिर्जा स्मिता सिन्हा अनंदी मेहता गणेश गौरव जिला महामंत्री बिनय कुमार झा जिला मंत्री राजीव रंजन साह सीमा झा गौतम भगत पूर्व जिला पार्षद जय प्रकाश दास अनोज कुमार बबन नगर बजरंग गुप्ता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह कुशवाहा अध्यक्ष भैरव झा रण विजय यादव आशिष गुप्ता सोनु गुप्ता संतोष कुमार मुंगेरी सुबोध गुप्ता विष्णु देव पंडित अनुज कुमार सिंह ललन दास सुगामनी देवी ममता देवी पार्वती देवी राम प्रभा देवी संतोष गुप्ता गौरव बर्मा गोलू मुकेश झा संजय वशिष्ठ अरूण कुमार निराला प्रदीप झा डॉ अखिलेश सिंह राजेश शर्मा सहीत सैकड़ों कार्यकर्ता जश्न मनाया।

जमीनी विवाद को ले हुई मारपीट, दोनों पक्ष से 6 लोग घायल

प्रात : किरण, संवाददाता

कुमारखंड,मधेपुरा थाना क्षेत्र के बेलारी ओपी अंतर्गत बेलारी वार्ड नंबर 9 में पूर्व से चले आ रहे जमीनी विवाद को लेकर एक पक्ष हरि नारायण मंडल दूसरा पक्ष अमरेंद्र मंडल के बीच सोमवार को सामाजिक पंचायत में ग्राम पंचायत के सरपंच के मौजूदगी में जमकर मारपीट की घटना में दोनों पक्ष से 6 लोग घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से सभी घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुमारखंड में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा इलाज किया गया। एक पक्ष के हरि नारायण मंडल की ओर से घायल पिंटू मंडल ने आरोप लगाते हुए बताया मनोज मंडल के दरवाजे पर पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में ग्राम पंचायत के सरपंच गजेंद्र सिंह अन्य पंच पंचायत में मौजूद थे। मेरे जमीन में दूसरा पक्ष के अमरेंद्र मंडल अन्य घर बनाए हुए हैं। बार-बार खाली करने को कहा गया है। पंचायत शुरू होते ही ग्राम पंचायत के सरपंच गजेंद्र सिंह पंचायत में ही मारपीट शुरू कर दिया। देखते ही दूसरा पक्ष के अमरेंद्र मंडल, उमेश मंडल, मनोज मंडल,कुंदन कुमार, सुरेश मंडल अन्य परिजन गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे से मारपीट करने लगे। मारपीट की घटना में एक पक्ष के पिंटू मंडल, अनिल कुमार और एक दिव्यांग महिला केन्दुला देवी घायल हो गई। वही दूसरा पक्ष के अमरेंद्र मंडल नेआरोप लगाते हुए बताया मेरे परिवार की महिला को डायन कह कर प्रताड़ित किया जा रहा था। सामाजिक पंचायत बुलाया गया। प्रथम पक्ष के पिंटू मंडल अनिल कुमार अन्य उसके परिजन पंचायत के बातों को नहीं माने और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे मारपीट की घटना में अमरेंद्र मंडल, उमेश मंडल, मनोज मंडल घायल हो गया। सभी घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुमारखंड में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा इलाज किया गया। सपंच ने आरोप को किया खारिज ग्राम पंचायत के सरपंच गजेंद्र सिंह ने बताया डायन बोलकर महिला को प्रताड़ित किया जा रहा था। सामाजिक पंचायत बुलाया गया। पंचायत की कार्यवाही शुरू की गई। एक पक्ष के पिंटू मंडल, अनिल कुमार उनके अन्य परिजन बहस करने लगे इसी बीच दोनों पक्ष आपस में ही गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे मेरे ऊपर लगाए गए मारपीट के आरोप गलत और तथ्य से पड़े हैं। ओपी प्रभारी ने राजू कुमार ने बताया जमीनी विवाद को लेकर मारपीट की घटना हुई है। इलाज के लिए दोनो पक्ष को भेजा गया है। आवेदन मिलते ही जांच कर समुचित कार्यवाही की जाएगी।

हथियार के साथ दो बदमाश गिरफ्तार, भेजा गया जेल

प्रात : किरण, संवाददाता

सलखुआ/सहरसा। सहरसा पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है गुप्त सूचना प्राप्त हुई की सलखुआ थाना के गोरदह चौक के समीप 02 लड़का अवैध आग्नेयास्त्र के साथ किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु उक्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष, सलखुआ थाना एवं थाना के सशस्त्र बल द्वारा उक्त स्थान पर सरकारी वाहन से पहुँचे तो उक्त अपराधी पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे पुलिस बल के सहयोग से दौड़कर पकड़ा गया तथा तालाशी ली गयी, तो उक्त अपराधी के पास से 01 देशी कट्टा एवं 02 जिन्दा कारतुस बरामद किया गया। उक्त संबंध में कांड दर्ज कर दोनो अपराधी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस की गिरफ्त में आए बदमाश का नाम धारो उर्फ धर्मेन्द्र चौधरी और दिवाकर कुमार को गिरफ्तार किया है ।

सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर नृत्य संगीत आयोजन

सोनवर्षा राज/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र में आगामी बंसत पंचमी को ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना को लेकर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर कई क्लब व विद्यालयों में व्यापक पैमाने पर तैयारियां प्रारम्भ कर दिया गया है।इसी सिलसिले के तहत मनौरी चौक स्थित ब्राईट फ्यूचर पब्लिक स्कूल में बच्चों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रसिद्ध साहित्यकार प्रेमचंद की महान गाथा गोदान नाट्य मंचन को लेकर अभ्यास प्रारम्भ कर दिया गया है।सरस्वती पूजा के दिन विद्यालय में आयोजित विविध कार्यक्रमों की तैयारियों के बाबत विद्यालय के निदेशक दीपक कुमार ने बताया की गोदान नाट्य मंचन की तैयारी ।

पत्रकारों के हित में लिए जाएंगे नित्य नये फैसले : जिलाध्यक्ष

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा जिला मुख्यालय स्थित प्रेस क्लब कार्यालय में सोमवार को नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के तत्वाधान में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉक्टर सुलेन्द्र कुमार ने की। डॉक्टर कुमार ने कहा की नेपाल के धन्कुट्टा में आयोजित बैठक में हमने जो प्रस्ताव लिया था उसे आज पूरा कर दिया है। इसमे राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, प्रमण्डलीय अध्यक्ष तथा संगरक्षक चंदन कुमार की भूमिका सराहनीय है। इसके बाद नित्य नये फैसले लिए जाएंगे ताकि संगठन का लाभ साथियों को मिल सके। प्रमण्डलीय अध्यक्ष शंकर कुमार ने कहा की आपसी सहयोग से ही संगठन मजबूत होगा। अगर प्रखंड के साथियों को जिला आने में परेशानी हो रही है तो जिला के पदाधिकारी ही प्रखंड जाने को तैयार है। सन्गरक्षक चन्दन कुमार ने कहा की पत्रकारों को हर उस तरह का लाभ दिलाया जायेगा जिसके बारे में दूसरे संगठन का लोग सोचा भी नही होगा। इस मौके पर दूसरे संगठन के कई सदस्यों ने नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में मौजूद रंजीत कुमार सिंह (उपाध्यक्ष) प्रदीप कुमार आर्य, निरंजन कुमार, वसीम अख्तर, शाहनवाज हुसैन, संजय कुमार, डॉक्टर सविता नंदन, राजीब कुमार, अवधेश कुमार, अजय कुमार, रमन कुमार, प्रभाष कुमार, रामपुकार कुमार, मनीष कुमार, रुपेश कुमार तथा बबलू कुमार समेत अन्य साथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष ने किया। साथियों को पहचान पत्र पहनाकर सम्मानित किया गया।

एनडीए में अटका है सीट बंटवारा

भारतीय जनता पार्टी की ओर से कुछ समय पहले मीडिया के चुनिंदा लोगों को यह जानकारी दी गई थी कि फरवरी के पहले हफ्ते में भाजपा के लोकसभा उम्मीदवारों की पहली सूची आ जाएगी। यह भी कहा गया था कि मध्य प्रदेश मॉडल पर भाजपा चुनाव की घोषणा से पहले ही उम्मीदवारों की सूची जारी करके विपक्षी पार्टियों को चौंकाने वाली है। यहां तक कहा गया था कि पार्टी ने 160 सीटों पर उम्मीदवारों की छंटनी कर ली है। ये 160 सीटें वो हैं, जहां भाजपा पिछली बार चुनाव लड़ी थी और हारी थी। यानी दूसरे और तीसरे या चौथे स्थान पर रही थी। इसके अलावा इसमें वो सीटें भी शामिल हैं, जो पिछली बार भाजपा दो फीसदी से कम वोट के अंतर से जीती थी। इन सीटों पर नए और मजबूत उम्मीदवार उतारे जाने की चर्चा थी। लेकिन फरवरी का दूसरा हफ्ता चालू हो गया और अभी तक भाजपा प्रदेश में ही उम्मीदवारों के नामों की छंटनी में लगी है। अब भाजपा की ओर से बताया जा रहा है कि अपने उम्मीदवार तय करने से पहले भाजपा नए सिरे से गठबंधन को मजबूत करने के काम में लग गई है। भाजपा अलग अलग राज्यों में नए गठबंधन सहयोगियों को जोड़ रही है। अगर सहयोगी जुड़ जाते हैं तो फिर उनके साथ सीट बंटवारा करना होगा और उसके बाद ही भाजपा अपने उम्मीदवारों के नाम तय करेगी। लेकिन सवाल है कि जिन राज्यों में भाजपा का गठबंधन पहले से है वहां सीट बंटवारा क्यों नहीं कर रही है भाजपा? असल में भाजपा ने कई राज्यों में जान-बूझकर सीट बंटवारा अटकाया है, जिससे उसकी सहयोगी पार्टियां परेशान हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र आदि राज्यों में भाजपा के सहयोगी तय हैं लेकिन अभी पार्टी सीट बंटवारा करने की जल्दी नहीं दिखा रही है। कहा जा रहा है कि भाजपा को अब भी उम्मीद है कि कि वह कुछ नए सहयोगी जोड़ेगी इसलिए वह सीट बंटवारे की बात नहीं कर रही है। ध्यान रहे एक महीना पहले बिहार के सहयोगी भाजपा नेताओं से मिल रहे थे और सीट बंटवारे की बात कर रहे थे लेकिन अचानक पिछले महीने तस्वीर बदल गई। नीतीश कुमार की वापसी हो गई। अब भी भाजपा को लग रहा है कि विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी गठबंधन में आ सकते हैं। संभवतः इसलिए इंतजार हो रहा है। वैसे कहा जा रहा है कि नई सरकार के बहुमत साबित करने के बाद सीट बंटवारा होगा। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा के सहयोगी अनुप्रिया पटेल, ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद कितने समय से सीट बंटवारे की मांग कर रहे हैं। सभी नेता पिछले कुछ दिनों में अमित शाह और जेपी नड्डा से मिल चुके हैं। लेकिन भाजपा गठबंधन रोके हुए है। इस बीच खबर है कि जयंत चौधरी की रालोद को एनडीए में लाने की बात हो रही है। इस वजह से सीट बंटवारा टल रहा है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और अजित पवार दोनों जल्दी से जल्दी सीट बंटवारा चाहते हैं लेकिन भाजपा कोई जल्दी नहीं दिखा रही है। क्या उद्धव ठाकरे का इंतजार हो रहा है?

कतर की जेल में बंद पूर्व नौसेना कर्मियों की स्वदेश वापसी, भारत की एक बड़ी कूटनीतिक जीत है

भारतीय नौसेना के पूर्व कर्मियों की कतर जेल से रिहाई के बाद स्वदेश वापसी हो चुकी है। ये भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। इससे पहले मोदी सरकार के कूटनीतिक प्रयासों से पूर्व नौसैनिकों की मृत्यु दंड की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया गया था और अब वे रिहा होकर सुरक्षित भारत लौट आए हैं। कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और नाविक रागेश को अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था और तभी से वे कतर की जेल में थे। 26 अक्टूबर 2023 को कतर की अदालत ने सभी आठ भारतीयों को मृत्यु दंड की सजा सुनाई। गौरतलब है कि सीओपी28 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से मुलाकात करते हुए इस मुद्दे पर चर्चा की। इसके बाद दिसंबर में मृत्यु दंड की सजा को कम कर दिया गया था। नौसेना के इन वरिष्ठ कर्मियों ने स्वदेश वापसी के लिए अपनी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सरकार को धन्यवाद दिया है। इनमें से एक ने कहा, हम बहुत खुश हैं कि हम सुरक्षित रूप से भारत वापस आ गए हैं। निश्चित रूप से, हम प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देना चाहेंगे क्योंकि यह केवल उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप के कारण ही संभव हो सका है। यह पहला मौका नहीं है जब संकट के समय में भारत अपने नागरिकों को विदेशी धरती से सुरक्षित स्वदेश वापस लेकर आया है। भारत ने सदैव अपने प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भारतीय नागरिकों को असंभव परिस्थितियों से बचाने और स्वदेश लाने के लिए भारत के सभी संभावित राजनयिक और सैन्य कौशल का उपयोग करते हुए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की है। विश्व के कई महत्वपूर्ण नेताओं के साथ प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत संबंधों और भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय छवि ने संघर्ष क्षेत्रों से हजारों भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रोजगार मेले के तहत एक लाख से अधिक नियुक्ति पत्रों के वितरण के मौके पर प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

मेरे प्यारे युवा साथियों, आज 1 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकार में नौकरी के लिए नियुक्ति-पत्र दिए गए हैं। आपने कड़ी मेहनत से अपनी ये सफलता हासिल की है। मैं आप सभी को और आपके परिवार को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। युवाओं को भारत सरकार में नौकरी देने का अभियान लगातार तेज गति से चल रहा है। पहले की सरकारों में नौकरी के लिए विज्ञापन जारी होने से लेकर नियुक्ति पत्र देने तक बहुत लंबा समय लग जाता था। इस देरी का फायदा उठाकर, उस दौरान रिश्वत का खेल भी जमकर होता था। हमने भारत सरकार में भर्ती की प्रक्रिया को अब पूरी तरह पारदर्शी बना दिया है। इतना ही नहीं, सरकार का बहुत जोर है कि भर्ती प्रक्रिया एक तय समय के भीतर पूरी कर ली जाए। इससे हर युवा को अपनी योग्यता साबित करने का समान अवसर मिलने लगा है। आज हर युवा के मन में विश्वास है कि वो कड़ी मेहनत और अपनी प्रतिभा के दम पर अपनी जगह बना सकता है। 2014 के बाद से ही हमारा प्रयास रहा है कि नौजवानों को भारत सरकार के साथ जोड़कर उन्हें राष्ट्र निर्माण का सहभागी बनाएं। पहले की सरकार ने अपने 10 साल में जितनी सरकारी नौकरियां दी थीं, उससे लगभग डेढ़ गुना ज्यादा सरकारी नौकरी भाजपा की सरकार ने अपने 10 साल में दी है। मुझे विश्वास है कि नए ट्रेनिंग कॉम्पलेक्स से कैपिसिटी बिल्डिंग की हमारी पहल को और मजबूती मिलेगी। साथियों, आज सरकार के प्रयासों से देश में युवाओं के लिए नए-नए सेक्टर खुल रहे हैं। इन सेक्टर्स में जो नए अभियान सरकार ने शुरू किए हैं, उसकी वजह से रोजगार-स्वरोजगार ऐसे अनेकों नए मौके बन रहे हैं। आपने देखा है कि इस बजट में 1 करोड़ परिवारों के लिए रूफटॉप सोलर पावर स्कीम की घोषणा की गई है। अब छत पर सोलर पैनल लगाने वालों को डबल फायदा होगा। उनका बिजली बिल जीरो होगा और जो अतिरिक्त बिजली वो पैदा करेंगे, उससे आय भी होगी। रूफटॉप सोलर की इतनी बड़ी योजना से देश में रोजगार के भी लाखों नए अवसर बनेंगे। कोई सोलर पैनल का काम करेगा, कोई बैटरी से जुड़े बिजनेस में जाएगा, कोई वायरिंग का काम संभालेगा, ये एक योजना अनेकों स्तर पर रोजगार के मौके बनाएगी। मेरे युवा साथियों, आज भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। देश में स्टार्ट अप्स की संख्या अब सवा लाख के आसपास पहुंच रही है। मुझे ये देखकर बहुत खुशी है कि इनमें बड़ी संख्या में स्टार्ट अप्स छोटे-छोटे टीयर-2, टीयर-3 ऐसे शहरों में हो रहे हैं जो जिला केंद्र भी नहीं हैं। इन स्टार्टअप्स में युवाओं के लिए लाखों रोजगार बन रहे हैं। इस बार के बजट में स्टार्टअप को मिलने वाली टैक्स छूट को आगे बढ़ाने का भी ऐलान किया गया है। इसका बड़ा लाभ हमारे युवाओं को मिलेगा। बजट में रिसर्च और इनोवेशन पर एक लाख करोड़ रुपए का नया फंड बनाने की घोषणा की गई है। साथियों, आज इस रोजगार मेले के द्वारा भारतीय रेलवे में भी नियुक्तियां हो रही हैं। जब भी कहीं लोगों को परिवार के साथ लंबी यात्रा पर जाना होता है, तो भारतीय रेल, आज भी सामान्य परिवार की पहली पसंद होती है। भारतीय रेलवे आज एक बहुत बड़े ळ१ंल्लशाङ्म१ं३ङ्मल्ल के दौर से गुजर रही है। इस दशक के अंत तक भारतीय रेलवे का पूरी तरह कायाकल्प होने जा रहा है। आपको याद होगा, 2014 से पहले रेलवे की क्या स्थिति थी। रेलवे लाइनों का इलेक्ट्रिफिकेशन हो या दोहरीकरण करना हो, ट्रेनों का संचालन बेहतर करना हो, या यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ानी हो, इस तरफ पहले की सरकारों ने उतना ध्यान नहीं दिया, जितना ध्यान दिया जाना चाहिए था। पहले की सरकारें।

हल्द्वानी हिंसा का दोषी कौन?

हल्द्वानी में मुस्लिम आबादी बहुत ज्यादा नहीं है। इनका यहां कोई पुस्तैनी धंधा भी नहीं है। जब पीतल के बर्तन इस्तेमाल होते थे, तो कुछ मुसलमान कलई करने का काम करते थे। यहां के कुछ मुसलमान चूड़ी पहनाने का काम करते थे। अब भी कुछ करते होंगे। हिन्दू स्त्रियां इन्हीं से चूड़ी पहनती थी। अच्छा भाईचारा था। बड़ी उम्र की हिन्दू महिलाओं को ये चूड़ीदार खाला कहकर आदर देते हैं। अन्य कम उम्र की हिन्दू महिलाओं के लिएबहना या अन्य आदर सूचक शब्दों का प्रयोग करते थे या हैं। कम उम्र की लड़कियां जब इनसे चूड़ी पहनती हैं तो उन्हें चाचा जान कहती थी। अब भी कहती होंगी। लखनऊ या देहरादून में बैठे राजनैतिक आका (उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के चयनित मुख्यमंत्री व अन्य मंत्री गण) शायद इस भाईचारे को जानते नहीं। प्रशासनिक अधिकारियों की मजबूरी है कि उन्हें ऊपर से प्राप्त आदेश का पालन करना होता है। टी.वी.में दिखलाया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इन दंगाइयों को गोली मारने के आदेश दिये हैं। हल्द्वानी उत्तराखण्ड में है। शायद वहां के मुख्यमंत्री ने भी ऐसा ही आदेश दे दिया होगा। असल में हल्द्वानी बरेली और मुरादाबाद से सटा हुआ है। अवैध निर्माण को तोड़ना है या हटाना पूरी तरह से जायज है। नैनीताल की महिला डीएम ने कहा है कि यह मदरसा कोर्ट के आदेश से तोड़ा गया है। अच्छा होता कि मुस्लिम नेताओं को विश्वास में लेकर यह कार्य भाई की जानी चाहिये थी।

अजय दीक्षित-
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

गत बृहस्पतिवार 8 फरवरी को तथाकथित एक अवैध मदरसे को तोड़ने के बाद जिस पैमाने पर हल्द्वानी में हिंसा हुई, वह बहुत चिंता का विषय है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को बुलडोजर मुख्यमंत्री के रूप में जाना जाता है। हल्द्वानी नैनीताल जिले का हिस्सा है। नैनीताल पहाड़ी इलाका है, पर हल्द्वानी मैदानी इलाका है। सन् 1947 के भारत विभाजन के बाद बड़े पैमाने पर सिख यहां आकर बस गये। वहां उनके बहुत बड़े फॉर्म हैं। इन फार्मों में अब तो ज्यादातर काम मशीनों से होता है, पर कुछ समय पहले तक सब काम मैन्युअल था अर्थात, आदमी काम करते थे। हल्द्वानी में मुस्लिम आबादी बहुत ज्यादा नहीं है। इनका यहां कोई पुस्तैनी धंधा भी नहीं है। जब पीतल के बर्तन इस्तेमाल होते थे, तो कुछ मुसलमान कलई करने का काम करते थे। यहां के कुछ मुसलमान चूड़ी पहनाने का काम करते थे। अब भी कुछ करते होंगे। हिन्दू स्त्रियां इन्हीं से चूड़ी पहनती थी। अच्छा भाईचारा था। बड़ी उम्र की हिन्दू महिलाओं को ये चूड़ीदार खाला कहकर आदर देते हैं। अन्य कम उम्र की हिन्दू महिलाओं के लिएबहना या अन्य आदर सूचक शब्दों का प्रयोग करते थे या हैं। कम उम्र की लड़कियां जब इनसे चूड़ी पहनती हैं तो उन्हें चाचा जान कहती थी। अब भी कहती होंगी। लखनऊ या देहरादून में बैठे राजनैतिक आका (उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के चयनित मुख्यमंत्री व अन्य मंत्री गण) शायद इस भाईचारे को जानते नहीं। प्रशासनिक अधिकारियों की मजबूरी है कि उन्हें ऊपर से प्राप्त आदेश का पालन करना होता है। टी.वी.में दिखलाया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इन दंगाइयों को गोली मारने के आदेश दिये हैं। हल्द्वानी उत्तराखण्ड में है। शायद वहां के मुख्यमंत्री ने भी ऐसा ही आदेश दे दिया होगा। असल में हल्द्वानी बरेली और मुरादाबाद से सटा हुआ है। अवैध निर्माण को तोड़ना है या हटाना पूरी तरह से जायज है। नैनीताल की महिला डीएम ने कहा है कि यह मदरसा कोर्ट के आदेश से तोड़ा गया है। अच्छा होता कि मुस्लिम नेताओं को विश्वास में लेकर यह कार्य भाई की जानी चाहिये थी। फिर बृहस्पतिवार का दिन ठीक नहीं था। शुक्रवार को जुम्मे की नमाज होती है यहां उस क्षेत्र के सभी इस्लाम धर्मी इका होते हैं। यह आशंका बनी रहती है कि कुछ सिरफिरे आम मुसलमान को भड़का दें। आम आदमी (चाहे वह किसी भी जाति या धर्म का हो) आज बेरोजगारी, महंगाई और कपट से जूझ रहा है। युवाओं को कोई रोजगार नहीं है। यूं भी मुस्लिम युवाओं का भविष्य अंधकार में है। जिस तरह से देश में आजकल रामराज्य की बात चल रही है, उससे अल्पसंख्यक भयभीत है। नारा है अभी तो अयोध्या है काशी और मथुरा बाकी है। हम चाहते हैं कि देश में भाईचारा बना रहे। अमन चैन रहे। अभी भी हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री पहल करें और सभी अल्पसंख्यक धर्मावलम्बी को विश्वास दिलाएं कि सरकारों की नजर में सभी बराबर हैं और यह देश हिन्दू राष्ट्र नहीं है। यह भारत का राष्ट्र है और हम सभी पहले भारतीय हैं। फिर किसी और धर्म सम्प्रदाय के अनुयायी। दैनिक अजय भारत की ओर से अजय दीक्षित प्रधान संपादक सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं।

आरक्षण पर एक जरूरी बहस

सुप्रीम कोर्ट का 20 साल पुराना फैसला यह प्रावधान करता है कि अनुसूचित जाति एक होमोजेनस यानी सजातीय समूह है, जिसके अंदर वर्गीकरण नहीं किया जा सकता है। ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश सरकार व अन्य के मामले में पांच जजों की बेंच ने 2004 में यह फैसला सुनाया था। अब चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात जजों की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीआर गवई ने समय की जरुरत के हवाले आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था को लेकर कई अहम बातें कही हैं, जिनसे एक नई बहस शुरू हो गई है। यह एक सार्थक बहस है, जिस पर कोर्ट रूम से बाहर और राजनीतिक व सामाजिक स्पेस में भी चर्चा होनी चाहिए ताकि आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था की प्रत्यक्ष दिख रही कमियों को दूर किया जा सके। अगर संवैधानिक प्रावधानों की बात करें, तो उसे आधार बना कर एक पक्ष कहता है कि आरक्षण के अंदर आरक्षण की व्यवस्था करना एक तरह का भेदभाव है, जो नहीं करना चाहिए। दूसरी ओर यह तर्क है कि संविधान सभी नागरिकों के लिए समानता की बात करता है फिर भी अन्य पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जाति व जनजातियों और गरीब सवर्णों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था कुछ लोगों के साथ भेदभाव करती है। फिर भी सुप्रीम कोर्ट के 1976 के एनएम थॉमस बनाम केरल सरकार के मामले में आए फैसले के बाद इस तरह का न्यायिक सिद्धांत विकसित हो गया है, जिसमें इस भेदभाव को समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं माना जाता है। देश के पिछड़े, दलित, आदिवासी और वंचित समूहों के लिए एफर्मेटिव एक्शन यानी सकारात्मक पहल के तहत आरक्षण की सुविधा दी गई है।

अजीत द्विवेदी-
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

लोकसभा चुनाव से पहले जहां राजनीतिक स्तर पर आरक्षण की सीमा बढ़ाने या आरक्षण के अंदर आरक्षण की व्यवस्था करने की होड़ मची है वहीं दूसरी ओर आरक्षण को लेकर एक बेहद जरूरी बहस सुप्रीम कोर्ट में हो रही है। सर्वोच्च अदालत अपने ही 20 साल पुराने एक फैसले पर सुनवाई कर रही है और समय की जरुरतों को देखते हुए उसे बदलने की संभावना पर विचार कर रही है। यह मसला अनुसूचित जाति के लिए निर्धारित आरक्षण के अंदर ज्यादा वंचित समूहों के लिए आरक्षण की व्यवस्था से जुड़ा है। यह सिर्फ संयोग हो सकता है कि जिस समय पंजाब सरकार का यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए आया उससे ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच सदस्यों की एक कमेटी बनाई है, जो अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण की संभावना पर विचार करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल तेलंगाना विधानसभा चुनाव के समय मडिगा समुदाय की मांग को स्वीकार करते हुए वादा किया था कि उनकी सरकार अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण और उनमें ज्यादा वंचित समूहों को आरक्षण के अंदर तरजीह देने की व्यवस्था पर विचार करेगी। सो, एक तरफ सरकार ने वादा पूरा करते हुए कमेटी बनाई और दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने 20 साल पुराने एक फैसले पर सुनवाई शुरू कर दी। सुप्रीम कोर्ट का 20 साल पुराना फैसला यह प्रावधान करता है कि अनुसूचित जाति एक होमोजेनस यानी सजातीय समूह है, जिसके अंदर वर्गीकरण नहीं किया जा सकता है। ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश सरकार व अन्य के मामले में पांच जजों की बेंच ने 2004 में यह फैसला सुनाया था। अब चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात जजों की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीआर गवई ने समय की जरुरत के हवाले आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था को लेकर कई अहम बातें कही हैं, जिनसे एक नई बहस शुरू हो गई है। यह एक सार्थक बहस है, जिस पर कोर्ट रूम से बाहर और राजनीतिक व सामाजिक स्पेस में भी चर्चा होनी चाहिए ताकि आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था की प्रत्यक्ष दिख रही कमियों को दूर किया जा सके। अगर संवैधानिक प्रावधानों की बात करें, तो उसे आधार बना कर एक पक्ष कहता है कि आरक्षण के अंदर आरक्षण की व्यवस्था करना एक तरह का भेदभाव है, जो नहीं करना चाहिए। दूसरी ओर यह तर्क है कि संविधान सभी नागरिकों के लिए समानता की बात करता है फिर भी अन्य पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जाति व जनजातियों और गरीब सवर्णों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था कुछ लोगों के साथ भेदभाव करती है। फिर भी सुप्रीम कोर्ट के 1976 के एनएम थॉमस बनाम केरल सरकार के मामले में आए फैसले के बाद इस तरह का न्यायिक सिद्धांत विकसित हो गया है, जिसमें इस भेदभाव को समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं माना जाता है। देश के पिछड़े, दलित, आदिवासी और वंचित समूहों के लिए एफर्मेटिव एक्शन यानी सकारात्मक पहल के तहत आरक्षण की सुविधा दी गई है। माना गया कि ये समूह कुछ अन्य समूहों की तुलना में सामाजिक, शैक्षणिक या आर्थिक रूप से पिछड़े हैं इसलिए इनको अतिरिक्त सुविधा की जरुरत है। अगर इस तरह का वर्गीकरण संविधान प्रदत्त समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं करता है तो आरक्षण पाने वाले समूहों के अंदर वर्गीकरण करना और उनमें जो ज्यादा जरुरतमंद हैं उनके लिए अतिरिक्त व्यवस्था करना भी भेदभाव की श्रेणी में नहीं आएगा। समानता के सिद्धांत के बावजूद जिस तर्क से आरक्षण की व्यवस्था लागू है उसी तर्क से आरक्षण के अंदर आरक्षण की व्यवस्था भी लागू हो सकती है। लेकिन इसके लिए सबसे पहले क्वांटिफायबल डाटा यानी ठोस आंकड़ों की जरुरत होगी। उससे पता चलेगा कि अनुसूचित जाति और जनजाति के अंदर किन जातियों को अब तक आरक्षण की व्यवस्था का सबसे ज्यादा फायदा मिला है और कौन सी जातियां अपनी सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक पृष्ठभूमि के चलते इससे वंचित रह गई हैं। सैद्धांतिक रूप से इस बात को समझने के लिए बहुत ज्ञानी होने की जरुरत नहीं है। जो जातियां शहर में हैं या जिन जातियों या परिवारों की पहली पीढ़ी को आरक्षण का लाभ मिला और उनकी स्थिति सुधर गई वे निश्चित रूप से ज्यादा लाभान्वित हुए और जो शुरूआत में ही पिछड़ गए, जो आज भी गावों व छोटे कस्बों में हैं या जंगलों के आसपास हैं वे इसके लाभ से वंचित रह गए। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति सिर्फ अनुसूचित जातियों या जनजातियों में ही है। यह स्थिति पिछड़ी जातियों में भी है और गरीब सवर्णों के आरक्षण में भी है। पिछड़ी जातियों में आरक्षण के लाभ से वंचित रह गई जातियों के अध्ययन के लिए भारत सरकार ने 2017 में जस्टिस जी रोहिणी की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया था। रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। आयोग ने मोटे तौर पर ओबीसी सूची की करीब 27 सौ जातियों को मिले आरक्षण के लाभ का अध्ययन किया है। इसने हैरान करने वाली बातें बताई हैं। इसके मुताबिक ओबीसी के लिए दिए गए 27 फीसदी आरक्षण का 97 फीसदी लाभ सिर्फ 25 फीसदी यानी करीब सात सौ जातियों को मिला है। बाकी 75 फीसदी यानी करीब दो हजार जातियां सिर्फ तीन फीसदी लाभ ले पाई हैं। उसमें भी 983 ओबीसी जातियां ऐसी हैं, जिनको आज तक आरक्षण का कोई लाभ नहीं मिला है। यानी इतनी जातियों में आरक्षण के जरिए किसी को न तो सरकारी नौकरी मिली है और न किसी सरकारी संस्थान में दाखिला मिला है। सोचें, यह कितनी बड़ी खामी है? क्या इसका यह मतलब नहीं है कि पारंपरिक पृष्ठभूमि या आरक्षण ने जिन लोगों को सबल बनाया वे और मजबूत होते गए, जबकि एक बड़ा समूह न्यूनतम लाभ से भी वंचित रह गया? हालांकि अभी तक रोहणी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार ने आरक्षण के अंदर वर्गीकरण की व्यवस्था लागू नहीं की है। बिहार जैसे कुछ राज्यों में जरूर पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था में वर्गीकरण किया गया है लेकिन वहां भी जातियों की पहचान करके उनके लिए विशिष्ठ तौर पर प्रावधान करने की जरुरत है। बहरहाल, जब पिछड़ी जातियों में शामिल 983 जातियां आरक्षण के किसी भी लाभ से वंचित हैं तो सोच सकते हैं कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों में ऐसी जातियों या उप जातियों की संख्या कितनी ज्यादा होगी? निश्चित रूप से कुछ चुनिंदा समूहों को इसका फायदा मिल रहा है और व्यापक समाज इसके लाभ से वंचित है। इसलिए केंद्र सरकार की पहल और सुप्रीम कोर्ट में चल रही बहस दोनों का स्वागत किया जाना चाहिए और उम्मीद करनी चाहिए कि यह पूरी बहस एक सार्थक नतीजे पर पहुंचेगी और आरक्षण की व्यवस्था तर्कसंगत बनेगी। अच्छी बात यह है कि पंजाब सरकार, केंद्र सरकार, बहस में शामिल अन्य वरिष्ठ वकील और माननीय जज भी इस बात को महसूस कर रहे हैं कि आरक्षण के अंदर जातियों की सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक स्थिति के अनुरूप वर्गीकरण करना और ज्यादा जरुरतमंदों को प्राथमिकता देना समय की जरुरत है। इसलिए इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए लेकिन आपत्ति की बात इस सिद्धांत के दूसरे पहलू को लेकर है, जिसका जिक्र सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस विक्रम नाथ ने और जस्टिस बीआर गवई ने किया और पंजाब के एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह ने भी किया। इन्होंने कहा है कि जिन लोगों को आरक्षण का लाभ मिल चुका है और जिनकी स्थिति बेहतर हो चुकी है वे आरक्षण से बाहर निकलें और सामान्य वर्ग के साथ प्रतिस्पर्धा करें। इसे लेकर आपत्ति उठाई जा रही है और अगर इसे लेकर कोई फैसला होता है तो उसका विरोध भी होगा। उसे आरक्षण छीनने की कोशिश बताया जाएगा। इसलिए इस संवेदनशील मामले को सरकार व संसद के ऊपर छोड़ देना चाहिए। लेकिन अगर सुप्रीम कोर्ट 2004 के फैसले को पलट दे तो वह अपने आप में बड़ी बात होगी। ध्यान रहे पंजाब सरकार ने अनुसूचित और पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण के अपने 2006 के कानून में 50 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की है।

सरकार की प्रतिष्ठा का प्रश्न नागरिकता से जुड़े कानून क्यों जरूरी...?

ओमप्रकाश मेहता-
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

इन दिनों भारतीय नागरिकता से जुड़े दो कानूनों समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर सरकार और नागरिकों के बीच अजीब सी हलचल है, इन्हीं के कारण सरकार और नागरिक एक-दूसरे को संशय भरी नजरों से देख रहे है, वैसे देश में उत्तराखण्ड पहला राज्य है जिसने सबसे पहले अपने प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने का फैसला लिया और यह इस प्रदेश में निकट भविष्य में ही लागू भी हो जाएगी, इसका मसौदा तैयार होना शुरू हो गया है, प्रस्तावित कानून में आदिवासी समूहों को छोड़कर सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, सम्पत्ति के अधिकार, उत्तराधिकार आदि के समान नियम होगें, इस मसौदे में समानता द्वारा समरसता लाने का दावा किया गया है। इसी के साथ ही नागरिकों से जुड़े एक और कानून सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) पर भी देश में गरमा-गरमी है। इस कानून को संसद ने आज से पांच साल पहले (2019) में मंजूरी दी थी, अब गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि इसे अगले एक महीनें में ही लागू कर दिया जाएगा, अर्थात अगले लोकसभा चुनाव के पहले यह अमल में आ जाएगा, शाह की यह आशंका भी है कि इस कानून को लेकर मुस्लिम भाईयों को उकसाया जा रहा है और यह काम वह कांग्रेस कर रही है, जो स्वयं सबसे पहले देश में इस कानून को लागू करने जा रही थी। शाह ने स्पष्ट किया कि यह कानून किसी की भी नागरिकता नहीं छीनेगी, बल्कि वंचितों को नागरिकता देगा। सवाल यह है कि अब जब केन्द्रीय गृह मंत्रालय नागरिकता संशोधन कानून के नियम तय करके उन्हें अधिसूचित करने जा रहा है तो फिर लोगों को उन कानूनों को लेकर भड़काने और अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना कहा तक उचित है? ये तत्व फिर से मुस्लिम समाज को भड़का कर उसे सड़क पर उतरने को मजबूर कर रहे है, इसी के साथ यह भी जरूरी है कि नागरिकता संशोधन कानून के नियम ऐसे बनाए जाएं जिससे बंगलादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से दिसम्बर 2014 के बाद भी भारत आए लोगों को राहत मिल सके। इस अंतिम तिथि में बदलाव की आवश्यकता इसलिए भी है, क्योंकि पिछले एक दशक में जहां अफगानिस्तान हिन्दुओं एवं सिक्खों से करीब-करीब खाली हो चुका है, वहीं बंगलादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की प्रताड़ना का सिलसिला और तेज हुआ है, वास्तव में इन तीनों देशों में अल्पसंख्यकों का कोई भविष्य नहीं रह गया है, उनके साथ देश छोड़कर भागने, मतांतरण या फिर मौत के अलावा कोई विकल्प नहीं रह गया है, ऐसे में भारत को अपनी उदारता का परिचय देकर उन्हें अपनाने को तत्पर होना चाहिए, क्योंकि हमारी संस्कृति, हमारा इतिहास यहीं करता आया है और हमारी उदारता के लिए हम पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। अब यह तो हुई एक बात अब यदि हम हमारे देश के नागरिकों की कानूनी स्वतंत्रता की बात करें तो मौजूदा मोदी सरकार उसके लिए तत्पर और वचनबद्ध है, उसकी प्राथमिकता ही देश और नागरिक है, इसलिए इस दिशा में किसी को कोई संदेह या चिन्ता नहीं करनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

अवध बिहारी चौधरी को बिहार विधानसभा अध्यक्ष पद से हटाया गया

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता अवध बिहारी चौधरी को सोमवार को बिहार विधानसभा के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा अध्यक्ष के खिलाफ पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव को 243 सदस्यीय विधानसभा में 125 विधायकों का समर्थन मिला, जबकि 112 सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक पखवाड़े पहले ह्वमहागठबंधनह्व से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग में लौट गए थे। पूर्ववर्ती महागठबंधन सरकार का हिस्सा रहे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता चौधरी ने अपनी पार्टी के सत्ता से बाहर होने के बाद अपना पद छोड़ने से इनकार कर दिया था। भाजपा विधायक नंदकिशोर यादव ने अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।

जगहन मोहन रेड्डी ने राज्यसभा उम्मीदवरों को बी फॉर्म सौंपे

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी के तीन उम्मीदवारों को सोमवार को ह्वबी फॉर्मह्व सौंपे। उन्होंने वाई वी सुब्बा रेड्डी, जी बाबू राव और एम रघुनाधा रेड्डी को यह फॉर्म दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान में कहा गया, ह्वह्वमुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों को बी फॉर्म सौंपे ह्वह्व ह्वबी फॉर्मह्व इस बात का प्रमाण है कि चुनाव में किसी राजनीतिक दल द्वारा किसी विशेष उम्मीदवार को खड़ा किया गया है। राज्यसभा चुनाव 27 फरवरी को होना है। तेलुगू देसम पार्टी के के. रवींद्र कुमार, सीएम रमेश (भाजपा) और वी प्रभाकर रेड्डी (वाईएसआर कांग्रेस पार्टी) का राज्यसभा में कार्यकाल जल्द ही समाप्त हो रहा है।

15 फरवरी तक प्राप्त किये जाएंगे संविदा पदों के आवेदन

अमरोहा।अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सचिव पूर्णकालिक डी0एल0एस0ए0 डॉ0 सुरेश कुमार ने जानकारी देते हुये कहा कि जनपद श में लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल सिस्टम (एल.ए.डी.सी. एस.) के अन्तर्गत चीफ लीगल एड डिफैन्स काउन्सिल के लिये 1 पद, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल के लिये 1 पद और असिस्टेंट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल के लिये 2 पदों पर नियुक्ति हेतु निर्धारित योग्यता प्राप्त भारतीय नागरिकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे है। जिनको संविदा के आधार पर प्रारम्भतः दो वर्ष के लिये रखा जायेगा। उनकी संविदावधि उनके कार्य प्रदर्शन के आधार पर वषार्नुवर्ष बढ़ाई जा सकती है। अतः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विस्तृत विज्ञापन में दी गयी पात्र योग्यता पूर्ण करने वाले व्यक्ति निर्धारित आवेदन-प्रारूप पर समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुये अपने आवेदन पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के कार्यालय में 15 फरवरी की सायं 5 बजे तक प्रत्येक दशा में प्राप्त करा सकते है। अन्तिम तिथि व समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन-पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। उपर्युक्त के संबंध में विस्तृत अधिक जानकारी एवं आवेदन पत्र के प्रारूप के लिए जनपद न्यायालय की वेबसाइट उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ की वेबसाइट, माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की वेबसाइट एवं माननीय राष्ट्रीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली की वेबसाइट पर सम्पर्क कर सकते है।

बिहार विधानसभा में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास, पक्ष में 125 और विपक्ष में 112 मत पड़े

बिहार विधानसभा में नीतीश सरकार को बड़ी जीत मिली है। स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 125 और विपक्ष में 112 विधायकों ने वोट किया। राजद के तीन विधायकों ने ऐन वक्त पर पाला बदल लिया। नीतीश कुमार की सरकार ने सदन में अग्निपरीक्षा को लगभग पास कर लिया है। स्पीकर अवध बिहारी चौधरी की कुर्सी चली गई है। फ्लोर टेस्ट को लेकर पिछले दो तीन दिनों से बिहार का सियासी पारा चरम पर पहुंचा था। बिहार में एनडीए सरकार के गठन के बाद से ही विपक्षी दल राजद और कांग्रेस लगातार यह दावा कर रहे थे कि नीतीश सरकार के फ्लोर टेस्ट में बहुत बड़ा खेला होने वाला है। पिछले कई दिनों से फ्लोर टेस्ट को लेकर सभी दल अपने-अपने विधायकों को एकजुट करने में लगे हुए थे। कांग्रेस ने अपने विधायकों को हैदराबाद शिफ्ट किया था

तमिलनाडु के राज्यपाल ने चंद मिनटों में अभिभाषण संपन्न किया, उनकी निजी टिप्पणियों को हटाया गया

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु के राज्यपाल टी. एन. रवि और राज्य की द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के बीच तकरार सोमवार को फिर से देखने को मिला, जब उन्होंने विधानसभा में अपना परंपरागत अभिभाषण शुरू करने के चंद मिनटों बाद इसकी सामग्री पर कुछ टिप्पणियां करते हुए इसे संपन्न कर दिया। हालांकि, बाद में उनकी टिप्पणियों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। राष्ट्रगान के बारे रवि के उल्लेख करने पर विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) एम. अप्पावु ने कहा कि यह राज्यपाल के अभिभाषण वाले दिन सदन में आखिर में बजाया जाता है और उन्होंने इस संबंध में सदन के नियमों का हवाला दिया। अप्पावु द्वारा राज्य में बाढ़ राहत का मुद्दा उठाए जाने और वी डी सावरकर एवं नाथूराम गोडसे का उल्लेख किए जाने के बाद, सदन की दिन की कार्यवाही पूरी होने पर राष्ट्रगान बजाये जाने से पहले ही राज्यपाल सदन से बाहर चले गए। तमिलनाडु विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी राज्यपाल ने साल के सत्र की शुरुआत में सदन में अपना परंपरागत अभिभाषण नहीं पढ़ा। पिछले साल नौ जनवरी को, रवि ने सरकार द्वारा तैयार किए अभिभाषण के कुछ अंश हटा दिए थे और अपनी तरफ से कुछ अंश जोड़े थे। यह इस साल सदन में रवि का पहला अभिभाषण था। रवि ने तमिल ग्रंथ ह्वतिरुक्कुरलह्व के एक दोहे का जिक्र करने और तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष अप्पावु, मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन तथा विधायकों का अभिवादन करने के बाद चंद मिनटों में अपना अभिभाषण संपन्न कर दिया। इसके तुरंत बाद, अप्पावु ने तमिल में राज्यपाल का पूरा अभिभाषण पढ़ा और कहा कि रवि ने सरकार द्वारा तैयार किए गये अभिभाषण के मसौदे को स्वीकृति दी थी। अध्यक्ष ने कहा कि राज्यपाल ने सुझाव दिया कि राष्ट्रगान शुरुआत में बजाया जाना चाहिए। अप्पावु ने कहा, ह्वहमसबकी अपनी राय होगी, उनके बारे में सदन में चर्चा करने की परंपरा नहीं है। नीतियों, विचारधारा में मतभेदों के बावजूद, उच्च पद पर आसीन राज्यपाल रवि के साथ तमिलनाडु सरकार और मुख्यमंत्री स्टालिन तथा विधायक सम्मानपूर्वक व्यवहार करते रहे हैं। उसमें कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा कि राज्य में हाल में अभूतपूर्व बारिश और बाढ़ के बावजूद केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को ह्वएक पैसाह्व भी नहीं दिया जबकि प्रधानमंत्री राहत कोष में ह्वलाखों करोड़ों रुपयेह्व है। राज्यपाल को ह्वअध्यक्ष (महोदय) कहते हुए अप्पावु ने कहा कि वह उनसे ह्वइस कोष सेह्व तमिलनाडु को करीब 50,000 करोड़ रुपये की सहायता दिलाने के बारे में कह सकते हैं जिसके बारे में लोग ह्वसवाल नहीं उठा सकतेह्व। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ह्वआप वी डी सावरकर और नाथूराम गोडसे के समर्थकों से कम नहीं हैं। अप्पावु के इस बयान के पूरा करने के तुरंत बाद राज्यपाल रवि सदन से बाहर चले गए, जबकि अध्यक्ष ने माइक्रोफोन पर कहा कि परंपरागत अभिभाषण पर प्रस्ताव पारित होने के बाद राष्ट्रगान बजाया जाएगा। हालांकि, रवि रुके नहीं और अधिकारियों के साथ सदन से बाहर चले गए। सदन के नेता और जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन ने विधानसभा के रिकॉर्ड में राज्यपाल के परंपरागत अभिभाषण को शामिल करने के लिए एक नियम में ढील देने का प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि तमिल और अंग्रेजी भाषा में 46 पृष्ठों के पाठ को विधानसभा के रिकॉर्ड में शामिल किया जाएगा और इस प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी हाल में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल अंतिम पैराग्राफ पढ़कर कुछ ही मिनटों में समाप्त कर दिया था। बाद में पत्रकारों से बातचीत में अप्पावु ने कहा कि पारंपरिक अभिभाषण के दौरान रवि द्वारा की गयी ह्वव्यक्तिगतह्व टिप्पणियों को सदन की कार्यवाही से ह्वहटाह्व दिया गया है। अप्पावु ने कहा, ह्वउन्होंने (अभिभाषण से) जो कुछ पढ़ा, वह ठीक है। उसके बाद उन्होंने कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां कीं जिन्हें हटा दिया गया है। राष्ट्रगान पर भी रवि ने कुछ टिप्पणियां की थीं। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रगान राज्यपाल के अभिभाषण वाले दिन आखिर में बजाया जाता है। सदन के नियमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही राज्यपाल के अभिभाषण के बाद तमिल मंगलाचरण गीत ह्वतामिल थाई वज्थूह्व के साथ शुरू होती है और कार्यवाही समाप्त होने पर ह्वअंतह्व में राष्ट्रगान बजाया जाता है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में अभिभाषण देने से पहले राज्यपाल को सलामी गारद दी गयी।

मथुरा में बस-कार में भिडन्त, पांच जिंदा जले

मथुरा, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के महाबन क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे के किलोमीटर संख्या 117 पर सोमवार को बस और कार की भिड़त में पांच लोगों की जिंदा जल कर मृत्यु हो गयी। दुर्घटना की सूचना पर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डे मौके पर पहुंचे और अधीनस्थों को आवश्यक निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के अनुसार आज सुबह लगभग आठ बजे हुये इस हादसे में सभी मृतक कार पर सवार थे। उन्होंने बताया कि आगरा से दिल्ली की ओर जा रही एक प्राइवेट डबलडेकर बस और कार में उस समय भिड़न्त हो गई जब कार के आगे जा रही बस का एक पहिया फट गया और बस पीछे की ओर मुड़ गई। इस बीच पीछे से तेज रफ्तार कार के चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और कार बस से जा टकरायी। टक्कर के बाद दोनो वाहनो में आग लग गई। बस की 40 सवारियां सुरक्षित निकल आईं वहीं कार के लोग जिंदा ही जल गए। बस बोध गया से आ रही थी जबकि कार शिकोहाबाद से आ रही थी। दोनो ही वाहन दिल्ली की ओर जा रहे थे।दुर्घटना की सूचना पर एम्बुलेन्स और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचे तथा आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं। अभी तक ऐसा लगता है कि पांचो जले व्यक्ति पुरूष थे। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगरा दिल्ली मार्ग पर बाधित यातायात बहाल हो गया है। बस की सवारियों को विभिन्न वाहनों से उनके गंतव्य स्थान भेज दिया गया है।

प. बंगाल के राज्यपाल संदेशखाली जा रहे, पुलिस ने किया स्थिति शांतिपूर्ण होने का दावा

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस सोमवार को सुबह केरल से कोलकाता पहुंचे और सीधे नॉर्थ 24 परगना जिले के संदेशखाली के लिए रवाना हो गए, जहां स्थानीय महिलाएं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं द्वारा कथित उत्पीड़न और अत्याचार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। राज्यपाल ने पहले ही राज्य सरकार से संदेशखाली की स्थिति पर एक व्यापक रिपोर्ट मांगी है। बोस ने हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद कहा ह्वजब मैंने संदेशखाली की चौंकाने वाली घटनाओं के बारे में सुना तो मैंने केरल की अपनी यात्रा संक्षिप्त कर दी। मैं संदेशखाली जा रहा हूं और खुद देखना चाहता हूं कि संदेशखाली की गलियों से वास्तविक संदेश क्या है। बोस आज सुबह संदेशखाली का दौरा करने के लिए राज्य लौट आए। वह ह्वबंगाल महोत्सवह्व में शामिल होने के लिए दक्षिणी राज्य केरल गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के शीर्ष अधिकारियों और केंद्र के मुख्य सतर्कता आयुक्त के साथ विचार विमर्श भी किया। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने इस बात पर संदेह जताया कि राज्यपाल को स्थिति की समीक्षा करने के लिए अशांत संदेशखाली में जाने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को संदेशखाली जाते समय शायद काले झंडे दिखाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनके पार्टी सहयोगी भी वहां जाने वाले हैं और उन्हें नाकेबंदी का सामना करना होगा। घोष ने कहा वह (राज्यपाल) एक संवेदनशील व्यक्ति हैं और जानते हैं कि लोग वहां प्रताड़ित किए जा रहे हैं। मुझे डर है कि कहीं उन्हें काले झंडे न दिखाए जाएं। उनके पूर्ववर्ती जगदीप धनखड़ के साथ ऐसी घटनाएं हुई थीं। संदेशखाली में महिलाओं ने पिछले दिनों विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि स्थानीय टीएमसी नेता शेख शाहजहां और उनके गिरोह ने उनका यौन उत्पीड़न किया तथा उनकी जमीन के बड़े हिस्से पर बलपूर्वक कब्जा कर लिया है। उन्होंने शाहजहां की गिरफ्तारी की मांग की। शाहजहां के घर पर जब कथित राशन घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का एक दल छापा मारने गया था, तो भीड़ ने दल पर हमला कर दिया था। शाहजहां पिछले महीने से फरार है। घोष ने कहा ह्वमेरी पार्टी के साथी संदेशखाली जा रहे हैं, मुझे नहीं पता कि वे कितने आगे जा पाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार (राज्य सरकार) संदेशखाली की घटनाओं को दबाने की कोशिश कर रही है। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को संदेशखाली का दौरा करने वाला है। इस बीच, पुलिस ने कहा कि संदेशखाली में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है और किसी को भी वहां कानून-व्यवस्था को बाधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा ह्वराज्यपाल संदेशखाली जा रहे हैं। हमने सभी तरह के एहतियाती कदम उठाए हैं। पूरा क्षेत्र शांतिपूर्ण है, वहां से किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है, हम किसी को भी वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति को बाधित करने की अनुमति नहीं देंगे और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या वे भाजपा विधायकों को संदेशखाली में प्रवेश करने की अनुमति देंगे, तो अधिकारी ने कहा कि चूंकि क्षेत्र में वर्तमान में निषेधाज्ञा लागू है, इसलिए पुलिस कानून के प्रावधानों का सख्ती से पालन करेगी।

मराठा आरक्षण: तीसरे दिन भी जारी रहा मराठा आरक्षण कार्यकर्ता जरांगे का अनशन

जालना, एजेंसी

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार पर मराठा आरक्षण के मूल मुद्दे से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह समुदाय के लिए एक अलग आरक्षण पर विचार कर रही है। जरांगे ने कुनबी मराठाओं के ह्वरक्त संबंधियोंह्व से संबंधित मसौदा अधिसूचना को कानून में बदलने के लिए महाराष्ट्र विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने की मांग को लेकर अपना अनिश्चितकालीन अनशन तीसरे दिन भी जारी रखा। पिछले साल दिसंबर में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि पिछड़ा वर्ग आयोग की एक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने के लिए यदि आवश्यक हुआ तो फरवरी में राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। जरांगे ने सोमवार को मसौदा अधिसूचना के तत्काल कार्यान्वयन की अपनी मांग दोहराई, जिसमें कहा गया है कि मराठा व्यक्ति के ऐसे रक्त संबंधियों को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाएगी जिनके पास यह दिखाने के लिए दस्तावेज हैं कि वे कुनबी समुदाय से हैं। मराठाओं को आरक्षण देने के लिए विशेष सत्र बुलाने की महाराष्ट्र सरकार की मंशा पर सवालों के जवाब में उन्होंने सरकार पर समुदाय के लिए आरक्षण के मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। जरांगे ने कहा कि वह मराठाओं के लिए अलग कोटा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन विशेष सत्र में कुनबी मराठाओं के ह्वरक्त संबंधियोंह्व पर मसौदा अधिसूचना को कानून में परिवर्तित करने पर केंद्रित किया जाना चाहिए और उन लोगों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी किए जाने चाहिए, जिनके दस्तावेजों का सत्यापन हो चुका है। कुनबी समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत आरक्षण प्राप्त है। स्वास्थ्य को लेकर चिंताओं के बीच, 40 वर्षीय कार्यकर्ता ने डॉक्टरों को अपनी जांच करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। उन्होंने शनिवार से भोजन-पानी छोड़ रखा है।

उप्र : प्रतापगढ़ में चौक घंटाघर पर हरा झंडा लगाने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़ , एजेंसी

उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले की थाना नगर कोतवाली पुलिस ने जिला मुख्यालय के चौक घंटाघर पर हरा झंडा लगाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि चौक इलाके में घंटाघर पर शनिवार को किसी शरारती व्यक्ति ने धर्म विशेष के व्यक्तियों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आशय से हरे रंग का झंडा लगा दिया था। मामले का संज्ञान लेते हुए अज्ञात के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गयी और रविवार को चिहिन्ते होने के बाद आरोपी मोहम्मवद आशिक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिंह ने बताया कि थाना नगर कोतवाली पुलिस ने सूचना मिलने पर झंडा उतरवाया और प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। उन्होंझने बताया कि पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरे की मदद व मुखबिर की सूचना पर वांछित आरोपी मोहम्मद आशिक को शहर के रामलीला मैदान से गिरफ्तार किया।

अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान सपरिवार रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंचे

अयोध्या, एजेंसी

दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान अपने परिवार और पार्टी कार्यकताओं के साथ सोमवार को श्री राम जन्मभूमि मन्दिर में प्रभु रामलला के दर्शन करने के लिए महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट अयोध्या पहुंचे। वहां पर पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह की अगुवाई में ढोल-नगाड़ों के बीच दोनों मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। यहां से सभी लोग श्री राम जन्मभूमि में दर्शन के लिए अयोध्या धाम निकले। उल्लेखनीय हैं कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को 22 जनवरी मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने कहा था कि वह बाद में अपने माता-पिता, पत्नी और बच्चों के साथ मंदिर जाना चाहते हैं। आज अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान अपने-अपने परिवार के साथ श्रीराम की नगरी अयोध्या धाम पहुंचे हैं।

सामाजिक न्याय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा, घर बैठकर योग साधना करे हताश विपक्ष

इंदौर, एजेंसी

आगामी लोकसभा चुनावों से पहले, विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में जारी टूट का हवाला देते हुए केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने सोमवार को कहा कि लगातार बढ़ती हताशा के कारण विपक्ष को उसके घर बैठकर योग साधना करनी चाहिए। कुमार ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन छोड़ चुके हैं और राष्ट्रीय लोक दल के प्रमुख जयंत चौधरी भी विपक्षी गठबंधन का साथ छोड़कर इधर (सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में) आ गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं कि उनके दल आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे। यह विपक्ष की लगातार बढ़ती निराशा और हताशा के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, समय आ गया है जब विपक्ष अपने घर बैठकर योग साधना करे। कुमार ने कहा कि मध्यप्रदेश समेत पांच राज्यों के पिछले विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद विपक्ष की हताशा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि 17वीं लोकसभा के अंतिम सत्र के आखिरी दिन 10 फरवरी को विपक्षी सांसद सदन से नदारद थे और उनका यह रवैया बताता है कि आने वाले लोकसभा चुनावों में वे जीतकर सदन में लौटने वाले नहीं हैं। कुमार ने भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सत्ता में बने रहने का भरोसा जताया और कहा कि देश आगामी पांच सालों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा देश में जातिगत जनगणना की मांग लगातार दोहराए जाने पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री ने कहा, गांधी के प्रति खुद कांग्रेस में विश्वास का संकट है। ऐसे में वह देश की जनता का विश्वास कैसे जीतेंगे? कुमार ने कांग्रेस के मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को हताश और निराश करार दिया। उन्होंने दावा किया कि मुश्किल वक्त में खरगे को अकेला छोड़कर कांग्रेस मैदान से भाग जाती है और वह महज कहने के लिए कुछ भी कहते रहते हैं। मीडिया के साथ बातचीत से पहले, कुमार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के केंद्रीय आयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय (सीएसडब्ल्यूटी) में आयोजित रोजगार मेले में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों में रोजगार हासिल करने वाले 285 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

उदयपुर में बोले गडकरी- जयपुर-दिल्ली के बीच शीघ्र बनेगा देश का पहला ई-हाइवे

उदयपुर, एजेंसी

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को राजस्थान में विभिन्न सड़क परियोजनाओं की सौगात देते हुए ऐलान किया है कि जयपुर-दिल्ली के बीच शीघ्र इलेक्ट्रिक हाईवे बनेगा। दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे के साथ ही यह इलेक्ट्रिक हाई-वे एक नई लेन पर बनाया जाएगा। जयपुर से दिल्ली के बीच देश में ई-हाइवे का यह पहला प्रयोग होगा। गडकरी आज उदयपुर में महाराणा प्रताप हवाई अड्डे के समीप एक निजी रिसॉर्ट में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में गडकरी ने राजस्थान में 2500 करोड़ रुपये लागत की 17 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। गडकरी ने कहा कि उन्होंने पानी में उतरने वाले हवाई जहाज की संकल्पना की थी और साबरमती में साकार किया। राजस्थान पर्यटन शहर है और यहां झीलें भी हैं। यहां भी पर्यटन की दृष्टि से पानी में भी उतर सकने वाले हवाई जहाज चलाने पर विचार किया जा सकता है। एयरपोर्ट के साथ रिवर पोर्ट पर भी विचार किया जा सकता है। उन्होंने अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी के कहे गए वाक्य का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां भी रोड नेटवर्क विकसित होता है, वहां नया शहर बसता है। उन्होंने उदयपुर के नए बाईपास को लेकर कहा कि इससे उदयपुर में एक्सपोर्ट की सुविधा बढ़ेगी, जिससे उद्योगों को लाभ होगा और नए रोजगार सृजित होंगे। गडकरी ने यह भी कहा कि हम रोड नेटवर्क बना रहे हैं लेकिन इसके साथ हमें फ्यूल ट्रांसफॉर्मेशन पर भी सोचना होगा। पेट्रोल-डीजल से हटकर बायो फ्यूल व वैकल्पिक फ्यूल की तरफ बढ़ना होगा। उन्होंने ई-हाइवे की अवधारणा पर कहा कि सड़क के ऊपर से गुजरती इलेक्ट्रिक लाइन से तीन बसों जितनी लम्बी बस जुड़ी होगी। इन बसों का सफर यात्रियों हवाई जहाज के सफर का अहसास कराएगा। इसका किराया भी तुलनात्मक रूप से कम होगा। गडकरी ने कार्यक्रम में चित्तौड़गढ़-उदयपुर खंड के सिक्स लेन निर्माण, ब्यावर-आसींद खंड के दो लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण, आसींद-मांडल खंड के 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण, ब्यावर-गोमती खंड बाघाना से मादा की बस्सी 4 लेन निर्माण, भंवरासिया से मोडी-कुराबड़ सड़क एमडीआर-150 के चौड़ीकरण का लोकार्पण किया।गडकरी ने गागरिया-मुनाबाव खंड के 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण, सांचौर शहर में एलिवेटेड राजमार्ग निर्माण, साकरोदा-मेनार सड़क के चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य, बालूखल से अमलवाडा-अली-मौखमपुरा सड़क के चौड़ाईकरण कार्य, घणोली-देलवाड़ा सड़क के चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य, चेनपुरा फाटक, झिलाई फाटक टोंक, रीको फाटक भरतपुर, हिण्डौन फाटक, हरसोली फाटक, डबल फाटक अलवर, सांचोर फाटक पर सेतुबंधन परियोजना के अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग पर सात पुलों के निर्माण का शिलान्यास किया।

उर्स मे पहुचें जायरीनों ने गुलपोशी कर माँगी दुआएँ

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। शहर के मोहल्ला नौबत खाना स्थित तकिया गिनडार शाह में हजरत निजाम गंज-ए-रवां रहमतुल्लाह अलैह का 1015वां दो दिवसीय उर्स अकीदत और एहतराम से मनाया गया।नातिया महफिल में शायरों ने बेहतरीन कलाम पेश कर जहां रसूले खुदा की खूबियां और अजमत बयां की तो वहीं उलेमाओं ने अपनी तकरीर में बुजुर्गों की जिंदगी से सबक लेने का पैगाम दिया। दरगाह परिसर में उर्स के पहले दिन की शुरूआत परचम कुशाई से की गई। बाद नमाज अत्र कुरान ख्वानी हुई और रात में इशा की नमाज के बाद मेराज-ए-मुस्तफा शीर्षक से जलसा आयोजित किया गया। दूसरे दिन बाद नमाज-ए-फज्र कुरान ख्वानी के बाद दोपहर में चादर व गुलपोशी और देर शाम कुल शरीफ की रस्म अदा हुई। मुफ्ती नसीम मंजरी ने कुल शरीफ व सलात-ओ-सलाम के बाद मुल्क में अमन-चैन और कौम की सलामती की दुआ कराई। आखिर में अकीदतमंदों में लंगर वितरित किया गया। इस दौरान वक्फ कमेटी के अध्यक्ष अमीन, शजर आलम शाही, हाजी फुरकान, आलमगीर सैफी, हाजी मोहसिन सिद्दीकी, मुस्ते हसन एडवोकेट, हम्माद खान, कमाल आसिफ आदि रहे।मोहम्मद अतहर अंसारी, सचिव यासिर अंसारी एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

मप्र: वित्त मंत्री देवड़ा ने पेश किया लेखानुदान, बोले- मोदी की गारंटी पर हो रहा काम

भोपाल, एजेंसी

मध्य प्रदेश विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन सोमवार को डॉ. मोहन सरकार का पहला अंतरिम बजट (लेखानुदान) पेश किया गया। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने पटल पर वर्ष 2024-25 के लिए एक लाख 45 हजार 229.55 करोड़ रुपये का लेखानुदान प्रस्तुत किया। लेखानुदान के माध्यम से विभागों को अप्रैल से जुलाई 2024 तक विभिन्न योजनाओं में खर्च के लिए राशि आवंटित की गई है। लेखानुदान में करारोपण संबंधी नए प्रस्ताव और खर्च की नई मद शामिल नहीं है। इस मौके पर वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार मोदी की गारंटी पर काम कर रही है। लेखानुदान की प्राप्त राशि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में शामिल की जाएगी। मप्र विधानसभा के बजट सत्र का सोमवार को चौथा दिन है। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने पटल पर वर्ष 2024-25 के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया। एक लाख 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक के लेखानुदान के माध्यम से विभागों को अप्रैल से जुलाई 2024 तक विभिन्न योजनाओं में राशि व्यय करने के लिए आवंटित की गई है। लेखानुदान में करारोपण संबंधी नए प्रस्ताव तथा व्यय के नए मद शामिल नहीं हैं। इसमें द्वितीय अनुपूरक अनुमान में शामिल नई योजनाओं के लिए प्रावधान किए गए हैं। वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि लेखानुदान द्वारा प्राप्त राशि चार माह बाद पेश होने वाले मुख्य बजट में शामिल की जाएगी। इस लेखानुदान में औद्योगिक केंद्रों के विकास, स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने संशोधित नीति के अनुरूप अनुदान देने, सड़क नेटवर्क मजबूत करने, एक्सप्रेस-वे निर्माण को गति देने के लिए भी धनराशि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी चार माह के लिए अंतरिम बजट लाया गया है। इसमें कोई नई योजना फिलहाल नहीं लाई जा रही है। अंतरिम बजट सभी वर्गों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सरकार आम चुनाव के बाद जुलाई में पूर्ण बजट प्रस्तुत करेगी।

अपने बच्चों को दुनियावी के संग दीनी तालीम जरूर दिलाएं

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा।अपने बच्चों को दुनियावी के संग दीनी तालीम भी दिलाएं। दीनी तालीम से जायज-नाजायज व सही-गलत का इल्म होता है। भाईचारे का पैगाम आम करें। अपने वतन से मोहब्बत करें।रविवार रात नगर की मस्जिद संभलियान में आठ हाफिज-ए-कुरआन की दस्तारबंदी करते हुए मुफ्ती जुल्फिकार ने ये बात कही। फरमाया कि दीनी तालीम हासिल करने वाला कभी रास्ते से नहीं भटकता वह कभी किसी का हक नहीं मारता। न ही किसी को नुकसान पहुंचाता है। उसे जायज-नाजायज व हलाल-हराम का ज्ञान हो जाता है। हाफिज-ए-कुरआन समाज में दीन के संग प्यार-मोहब्बत का पैगाम फैलाने का काम करता है। अपील करते हुए कहा कि कहा कि मुसलमान अपने बच्चों को दुनियावी के संग कुरआन की तालीम जरूर दिलवाएं। क्योंकि, कुरआन दुनिया में हिदायत देने के संग कयामत के दिन मगफिरत का जरिया बनेगा। कुरान की तालीम करने वाला सच्चे रास्ते पर चलता है। वह हमेशा दूसरे लोगों के दुख-दर्द में काम आता है। हिदायत दी कि मुसलमान हाफिज-ए-कुरआन का एहतराम करें। इस दौरान कुरआन हिफ्ज करने वाले बच्चों की दस्तारबंदी भी की गई। इस दौरान मौलाना मोहमिन, मुफ्ती शाने आलम, मुफ्ती मुबश्शर मुस्तफा, मौलाना उस्मान, कारी नदीम,हाफिज नवाब, हाफिज कुर्बान अली, मुफ्ती तय्यब आदि रहे।

संक्षिप्त खबरें

कोईलवर में ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष बलराम मंडल का भव्य स्वागत

आरा। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के द्वारा भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष ऋतुराज जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बलराम मंडल का भव्य स्वागत किया। आपको बताते चले कि भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष माननीय बलराम मंडल आज अपने निजी कार्यक्रम बीरमपुर में शामिल होने जा रहे थे। तभी हीं आरा-पटना फोरलेन पर कोईलवर पुल के समीप ओबीसी मोर्चा भोजपुर के कार्यकर्ताओं ने हाथी-घोड़ा, गाजे बाजे एवं अंगवस्त्र, फूलमालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। वही पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बलराम मंडल जिंदाबाद, ओबीसी मोर्चा जिंदाबाद, व जय श्री राम के नारों का जय घोष किया। इस मौके पर ओबीसी महामंत्री आनंद गोपाल, हरेंद्र, चंदन निषाद आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

डा. भीम सिंह को राज्यसभा बनाए पर कार्यकर्ताओं में खुशी

सासाराम/रोहततः डॉ. भीम सिंह को राज्यसभा सदस्य मनोनित पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि डॉ भीम सिंह धरती से जुड़े हुए कार्यकर्ता है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गृह मंत्री अमित शाह एवं नरेंद्र मोदी को डॉक्टर भीम सिंह को राज्यसभा भेजने के लिए लोगों ने अभार व्यक्त करते हुए बधाई दी है। बधाई संदेश देने वालों में जिलाध्यक्ष सुशील चंद्रवंशी, विजय सिंह, प्यारेलाल ओझा, अशोक साह, मंगलानंद पाठक भाजपा जिला मीडिया प्रभारी, ई पुलकित सिंह सहित सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हैं। आपको बता दें कि भाजपा के केंद्रीय चुनाव समिति ने विभिन्न राज्यों में होने वाले आगामी राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव हेतु बिहार से डॉ. भीम सिंह, डॉ. धर्मशिला गुप्ता को राज्यसभा सदस्य मनोनीत किया गया। ई पुलकित सिंह ने कहा कि भीम सिंह भाजपा के कद्दावर नेता हैं। बिहार सरकार में पूर्व मंत्री, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष समेत पार्टी के विभिन्न पदों को सुशोभित कर चुके है। ई पुलकित सिंह ने कहा कि भीम सिंह राज्यसभा सांसद बनने से 2024 में फिर से एक बार मोदी की सरकार बनना तय हो गया है। एनडीए इस बार 400 पार कर नरेंद्र मोदी के हाथो को मजबूत करेगें।

7 लीटर देसी शराब के साथ कारोबारी धराया

बिक्रमगंज(रोहतास)। पुलिस ने देसी शराब के साथ एक कारोबारी को धर दबोचा। बिक्रमगंज थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के धारूपुर के रहने वाले गणेश कुमार उर्फ भुवर को 7 लीटर देसी शराब के साथ रंगेहाथों गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

यात्री बस की चपेट में आने से घटनास्थल पर हुई एक व्यक्ति की मौत

नसरीगंज(रोहतास): नेशनल हाईवे 120 बिक्रमगंज-डिहरी मुख्य मार्ग पर सोमवार को यात्री बस की चपेट में आने से घटनास्थल पर हुई एक व्यक्ति की मौत, चालक फरार, पुलिस ने यात्री बस को किया जब्त। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि सोमवार को करीब दस बजे के आसपास नासरीगंज थाना क्षेत्र के अमियावर गांव के समीप उक्त गांव निवासी धर्मेंद्र साह के 30 वर्षीय पुत्र सुनील साह यात्री बस की चपेट में आ गए। जिस दौरान घटनास्थल पर ही मौत उनकी हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच जायजा लेते हुए शव को कब्जे में ले लिया। जैसे ही इसकी सूचना मृतक के परिजनों को मिली त्वरित घटनास्थल पर पहुंच शव को देखते ही दहाड़ मार कर रोने लगे। नासरीगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों के समक्ष पंचनामा तैयार कर अंत्यपरीक्षण कराने के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया।

रामगढ़ और मोहनिया थाने में आयोजित की गई शांति समिति की बैठक

रामगढ़ (कैमूर) सरस्वती पूजा बसंत पंचमी 14 फरवरी बुधवार को मनाए जाने वाला है इसको लेकर 11 फरवरी को मोहनिया और रामगढ़ थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें निम्नांकित निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि सरस्वती पूजा 2024 के अवसर पर पूजा व विसर्जन के दौरान डीजे साउंड सिस्टम के उपयोग पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। एसडीम मोहनिया एवं थाना अध्यक्ष अवधेश कुमार और रामगढ़ के नव न्यूकत थाना अध्यक्ष उमेश कुमार के द्वारा लोगों से अपील की गई कि वे अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए अपने देखरेख में सरस्वती पूजा का संचालन कराना सुनिश्चित करेंगे।

नकाबपोश अपराधियों ने व्यवसायी को मारी गोली

प्रात: किरण संवाददाता

नसरीगंज (रोहतास) थाना क्षेत्र अंतर्गत पडुरी गांव के समीप नेशनल हाईवे 120 डेहरी-बिक्रमगंज मुख्य मार्ग पर अपराधियों ने बाइक सवार चिप्स कुरकुरे खाद्य सामग्री व्यवसायी को गोली मार कर फरार हो गए। ऊक्त व्यवसायी डेहरी थाना क्षेत्र के बारह पत्थर गांव निवासी 40 वर्षीय अजीम कुरैशी बताये जाते हैं। घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त व्यवसायी नासरीगंज के विभिन्न दुकानों पर खाद्य सामग्री का आपूर्ति करते थे जो दुकानदारों से पैसा कलेक्शन कर रविवार को देर शाम लगभग आठ बजे बाइक से अकेले वापस डेहरी जा रहे थे। जाने के क्रम में वह नासरीगंज पेट्रोल पम्प से तेल लेकर जैसे ही आगे बढ़े वो दो की संख्या में नकाबपोश अपराधी उनका पीछा करने लगे। अपराधियों के पीछा करने का उनको आभास होने के कारण वह अमियावर में रुके और अपराधी छिप गए। जो कुछ देर के बाद पुनः आगे बढ़े तो अपराधियों ने ओवरटेक कर उन्हें लूटना चाहा और वह अपने आप को बचाते हुए एक झोपड़ी नुमा ढाबा में घुस गए। तब तक अपराधियों ने इन्हें गोली मारी और ऊक्त गोली उनके पेट को छूते हुए निकल गई घटनास्थल पर लोगों की आहट को देख अपराधी फरार हो गए। लूट के इरादे से अपराधियों ने मारी गोली। ऊक्त घटना में बाल-बाल बचे बाइक सवार व्यवसायी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जख्मी ऊक्त व्यवसायी को प्राथमिक इलाज के लिए पीएचसी में भर्ती कराया जहां उसका प्राथमिक इलाज किया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे खतरे से बाहर बताया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मौके पर पहुंचे एसडीपीओ कुमार संजय, काराकाट थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी, नासरीगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार घटना स्थल पर पहुंच कर जांच में जुट गए हैं। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस जांच में जुट गई है शीघ्र ही अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। इस घटना को लेकर लोग सहमें हुए हैं क्योंकि अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

भाजपा किसान मोर्चा ने किया ग्राम परिक्रमा यात्रा की शुरूआत

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने ग्राम परिक्रमा यात्रा के शुभारंभ का लाइव प्रसारण चर्च कैंपस, आरा में भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विद्यासागर पाण्डेय की अध्यक्षता में देखा जिसका लाइव उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा राज कुमार चाहर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने किया तत्पश्चात गौ माता का पूजन तथा ट्रैकटर, हल का विधिवत पूजन किया गया जिसका संचालन महामंत्री वरुण सिंह ने किया तथा धन्यवाद् ज्ञापन महामंत्री अविनाश कुमार सैनी ने किया। इस अवसर पर प्रदेश प्रवकता किसान मोर्चा प्रहलाद राय, प्रदेश नेता किसान मोर्चा हरेन्द्र पाण्डेय महिला मोर्चा अध्यक्ष ममता सिंह, जिला प्रवक्ता किसान मोर्चा अखिलेश कुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष विनोद सिंह, भरत चौधरी, कोषाध्यक्ष परमजीत सिंह, भाजपा किसान नेता हरेन्द्र सिंह, अमरेन्द्र शक्रवार, रविन्द्र कुमार, मनोज कुमार सिंह, अनिल सिंह जयराम सिंह, सुमित सिंह गोलू, अजय सिंह, संजीव कुमार सहित कई नेता कार्यकर्ता मौजुद थें।

पिता के सपनों को साकार करना ही सच्ची श्रद्धांजलि : राकेश ओझा

शाहपुर में भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष स्व.विशेश्वर ओझा की पुण्यतिथि मनाई गई

प्रात: किरण संवाददाता

शाहपुरः क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद ही मेरे लिए धरोहर है। पिता के अधूरे कार्यो को पूरा करने के लिए आपका आशीर्वाद मेरे लिए विशेष महत्व रखता है। पिता के अधूरे सपनों को साकार करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उक्त बातें स्व.विशेश्वर ओझा में पुत्र व भाजपा के युवा नेता ई. राकेश ओझा ने स्व.विशेश्वर ओझा की आठवीं पुण्यतिथि सभा में उपस्थित लोगो को संबोधित करते कही। उन्होंने कहा कि पिता की हत्या का मामला अभी कोर्ट में लंबित है और न्यायालय पर मुझे पूरा भरोसा हैं। पूर्व मंत्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा आत्मीय संबंध रहा है। राजनीति दूरदर्शिता हाबय ही मजबूत थी। उनकी स्मृति हमेशा आज भी जीवंत हैं। बिहार में एक मजबूत सरकार चाहिए। इसबार राकेश को सदन तक जरूर पहुंचाये। ओझा के अधूरे सपनों को राकेश अवश्य पूरा करेंगे। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व विधायक संजय सिंह टाइगर ने कहा कि राकेश ओझा सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहते हैं। उनकी युवा टीम भी बेहद कारगर है। सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विशाल सिंह ने कहा कि राकेश ओझा के साथ हमारा पारिवारिक व आत्मित्या का रिश्ता है। सभा को संबोधित करते हुए प्रो.डा. शैलेंद्र कुमार ओझा, मनीष पांडे, अंजनी तिवारी ने कहा स्व.विशेश्वर ओझा एक विचारधारा थे साथ ही दूरदर्शी व सकारात्मक सोच वालो व्यक्ति थे। वही कौशल यादव, डॉ. मनीष तिवारी, प्रेम पंकज, धीरेन्द्र सिंह, सतीश भट्ट, कौशल विद्यार्थी, मीरा यादव ने कहा आज हमारे बीच भले ही ओझा जी नही है। लेकिन उनको आत्मा हमारे बीच है। आगंतुक अतिथियों का स्वागत राकेश ओझा द्वारा अंगवस्त्र से किया गया। साथ ही साथ सभा मे उपस्थित सभी लोगो द्वारा स्व.विशेश्वर ओझा के तेलीय चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन स्व. वीर विशेश्वर ओझा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को राकेश ओझा द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सभा की अध्यक्षता दुखहरण सिंह व संचालन प्रसिद्ध उद्घोषक रवि रंजव व विक्की तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। श्रद्धांजलि सभा में सुमन कुमार, अभिषेक तिवारी, ऋषिकेश ओझा, रबिन्द्र ओझा, अरुण ओझा, मायाशंकर पांडे, मंटू दुबे, भास्कर पांडे, सहित कई लोग उपस्थित रहे।

अनियंत्रित ट्रक दुकान में घुसी, लाखों का समान बर्बाद

नावानगर (बक्सर) बासुदेवा ओपी क्षेत्र के बासुदेवा ब्रह्म स्थान के सामने डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे दुकानों व घरों में मारी टक्कर। जानकारी के अनुसार बताते चलें कि डुमरांव से बिक्रमगंज की तरफ जा रही ट्रक पोल से टकराते हुए तीन दुकानों में रखे सामानों को भी रौंद दिया। जिससे लाखों का समान क्षतिग्रस्त हो गया। वही घर के बाहर सोए बासुदेवा गांव निवासी लक्ष्मण शर्मा बाल बाल बच गए। लोगों से जानकारी के अनुसार घटना सुबह पांच बजे की है। वही सूचना पाकर मौके पर पहुंची बासुदेवा ओपी प्रभारी चुनमुन कुमारी मौके पर पहुंच ट्रक को अपने कब्जे में लेकर घटनास्थल पर पुलिस मुस्तैद कर दी है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घटनास्थल पर डॉ. जनार्दन प्रसाद का क्लिनिक तथा रखे गए दवाई तथा अन्य समान, लक्ष्मण शर्मा के दुकान पर रखा गया।

बहुमत सिद्ध होने पर जेडयू व रालोजद कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

संझौली(रोहतास)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एनडीए के सहयोग से विधानसभा में बहुमत साबित किए जाने पर एनडीए कार्यकताओं ने जमकर जश्न मनाया। खुशी में रंग-अबीर गुलाल लगाकर होली मनाया गया। जदयू व रालोद के कार्यकताओं द्वारा नीतीश कुमार, उपेंद्र कुशवाहा के जिंदाबाद के नारे भी लगाये गये। जैसे ही बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 129 विधायकों द्वारा समर्थन किए जाने और सत्ता पक्ष के लोगों द्वारा बहुमत सिद्ध किए जाने का समाचार प्रकाशित किया गया। खुशी में एनडीए गठबंधन से जुड़े नेताओं व कार्यकताओं ने एक दूसरे को रंग अबीर, गुलाल लगाकर बधाई देते हुए मिठाईयां भी खिलानी शुरू कर दी। जदयू प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार पटेल, रालोजद प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, रालोजद जिलां महासचिव लव मिश्रा आदि ने खुशी की इजहार करते हुए कहा कि हमेशा सच्चाई और अच्छे कार्यो की ही जीत होती है। नीतीश सरकार के गठन होने और बहुमत सिद्ध होने पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को बधाई दी है। मौके पर रालोजद छात्र प्रकोष्ठ अध्यक्ष विराट कुशवाहा, हबीब मियां व ललू कुशवाहा आदि थे।

गांव चलो अभियान के तहत ग्रामीणों को दी गई योजनाओं की जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास)। काराकाट प्रखंड अंतर्गत मुंजी पंचायत के भारतकस्बा बूथ नंबर 176, मूंजी के बूथ नंबर 178, 179 अधौरा के 180, डिहारा के 181, दुआरी के 182, में गांव चलो अभियान के तहत कार्यकताओं ने मोदी सरकार के उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश कार्यकारणी के सदस्य एवं काराकाट विधानसभा के भाजपा नेता प्रो०. बलिराम मिश्रा के ने इन सभी गांव में सभी बूथों पर भाजपा कार्यकताओं के साथ जाकर के आम जनमानस के समस्याओं को सुना गया तथा समस्या के निदान के लिए उपाय बताया गया। जनधन योजना के तहत जितने भी खाता धारक हैं, जिनको किसान निधि का पैसा अकाउंट में आता है, उन सभी किसानों को आसान किस्त पर ऋण मुहैया करने, उजाला गैस से लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। आयुष्मान भारत कार्ड ज्यादा से ज्यादा लोगों को बनाने के लिए बोला गया। साथ ही साथ अटल वृद्धा पेंशन योजना के बारे में आमजनों को बताया गया। मौके पर काराकाट महामंत्री रजनी कान्त पाण्डेय, मंडल उपाध्यक्ष विनोद पासवान, युवा नेता योगी शंभू नाथ, मुखिया अजय प्रताप सिंह, सरपंच जनार्दन सिंह, अरविंद कुमार सिंह, चंदेश्वर सिंह, बच्चा सिंह, कृष्ण सिंह, जनार्दन सिंह, सुशील साह, किशोरी साह, मनोज कुमार सहित ग्रामीण मौजूद थे।

आरा सिविल कोर्ट से पहली बार ऐतिहासिक रूप से दो सदस्यों की जीत, लोगों ने शुभकामनाएं दिया

आरा। बिहार स्टेट बार काउन्सिल चूनाव 2023 में आरा सिविल कोर्ट से पहली बार ऐतिहासिक रूप से दो सदस्यों ने जीत दर्ज किया जिसमें लगातार चार बार चुनावी जीत का पंचम परचम लहराने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता सुदामा प्रसाद जी तथा पहली बार चुनाव मैदान में उतरे बिहार प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि एवं आरा सिविल कोर्ट के युवा तुर्क अधिवक्ता पन्नग कुमार त्रिपाठी जी के सदस्य के रूप में जीते जाने पर भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अशोक राम जी ने कहा कि त्रिपाठी जी के जीत से कांग्रेसी नेताओं में खुशी एवं उल्लास का माहौल है वे एक जुझारू और संघर्षशील नेता हैं वहीं पार्टी प्रवक्ता बिरेन्द्र मिश्रा ने कहा कि पहली बार आरा से दो सदस्यों का जीत दर्ज हुआ है ये समस्त भोजपुर वासियो के लिए गौरव कि बात है हम सभी वरिष्ठ कांग्रेस जनों कि कि तरफ से बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त करते है।

सरस्वती पूजा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

नावानगर (बक्सर) सरस्वती पूजा को लेकर नावानगर थाना परिसर में शांति समिति का बैठक हुआ। जिसकी अध्यक्षता थानाध्यक्ष नंदू कुमार और बीडीओ मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से की।

वही सिकरौल थाना में थानाध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी पूजा समितियों को मूर्ति रखने के लिए लाइसेंस लेने की बात कही गई। बैठक में सरस्वती का पूजा करने, पूजा के अगले दिन बिना जुलूस के मूर्ति विसर्जन करने, डीजे नही बजाने, पूजा समिति के अध्यक्ष अथवा किसी को आवेदन के साथ फोटो मोबाइल नंबर लगाने का शख्स निर्देश दिया गया इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा शांति समिति सदस्यों का बैठक सरस्वती पूजा को लेकर हुआ। जिसमे पूजा करने वाले कमिटियों को अविलंब लाइसेंस लेने के लिए निर्देश दिया गया। साथ ही हर हाल में पूजा के अगले दिन बिना जुलूस के मूर्ति विसर्जन करने तथा मूर्ति विसर्जन गंगा में नही करने और विसर्जन जुलूस नही निकालने की बात कही गई। बैठक में, बिनोद चौबे, मोहन गुप्ता, एजाजुल हक, सरदार सिंह कुशवाहा समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर लगाए जाने से मायूस एमआरसी करेंगे आंदोलन

प्रात: किरण संवाददाता

भभुआ कैमुर। स्मार्ट मीटर लगाए जाने से मायूस एमआरसी विधुत विभाग में अपनी नौकरी पक्की करने के लिए आंदोलन करेंगे और यदि सरकार द्वारा उनकी मांग को पूरी नहीं की गई, तो विवश होकर वे सभी आत्महत्या भी करेंगे। दरअसल रविवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित विधुत विभाग के पावर सब स्टेशन में दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड अंतर्गत मेगा कैलिबर के तरफ से बहाल प्रखंड के सभी 9 एमआरसी ने बैठक किया। जहां आपस में विचार-विमर्श करते हुए उनके द्वारा उक्त बातें कही गई। बैठक में कहा गया कि हम सभी पिछले 13-14 वर्षो से बतौर एमआरसी उपभोक्ताओं के घरों तक पहुंचकर उनसे विधुत बील के रूपए वसूलकर विधुत विभाग का सेवा करते आ रहे हैं। मगर विभागीय सरकार द्वारा आगामी 1 अप्रैल से सभी घरों में प्रीपेड मीटर लगवाए जाने का निर्णय लिया गया है। एसे में हम बिल्कुल हीं बेरोजगार हो जाएंगे। फिर भला हमारा परिवार का भरण-पोषण आखिर कैसे संभव होगा ? इस समस्या का लेटर हम सभी मंत्री और विधायक को पहले हीं दे चुके हैं।

एसडीएम व एसडीपीओ के नेतृत्व में सरस्वती पूजा को लेकर बिक्रमगंज थाना परिसर में शांति-समिति की बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास)। सरस्वती पूजा शांति पूर्वक सम्पन्न कराने को लेकर बिक्रमगंज थाना परिसर में एसडीएम अनिल बसाक एवं डीएसपी कुमार संजय के नेतृत्व में सोमवार को दोपहर में शांति-समिति की बैठक आहूत की गई। एसडीएम व डीएसपी द्वारा बुलाई गई बैठक में अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी थाना के थानाध्यक्षों, थाना क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि, प्रबुद्धजनों, पूजा समिति, वरिष्ठजनों आदि मौजूद थे। मौके पर एसडीएम व डीएसपी द्वारा सरस्वती पूजा को शांति पूर्ण माहौल में संपन्न कराए जाने को लेकर लोगो से अपील की गई। बैठक में आये हुए सभी सरस्वती पूजा समिति के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए एसडीएम ने कहा कि पूजा स्वछता के साथ पवित्रता का त्योहार है। आप लोग कोई ऐसे काम नही करे, जिससे प्रशासन को परेशानी हो। पूर्व की तरह इस बार भी क्षेत्र में सरस्वती पूजा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए। इस दौरान पूजा में डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने कहा कि पूजा समिति को मूर्ति स्थापित करने व विसर्जन के लिए लाइसेंस लेना जरूरी है। पूजा के दौरान सामाजिक तत्वों पर नजर रखें एवं किसी तरह की गड़बड़ी होने पर तुरंत सूचना थाना को देने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सरस्वती पूजा में प्रतिमा का अनावरण हर जगह हो रहा है। इसलिए पूजा शांति से करें। एसडीएम श्री बसाक ने कहा कि कोई भी पूजा समिति अपने प्रतिमा का विसर्जन शांति ढंग से करें। मौके पर बिक्रमगंज बीडीओ अमित प्रताप सिंह, संझौली बीडीओ मोहम्मद सैयद सर्फराजुद्दीन अहमद, काराकाट बीडीओ राहुल कुमार सिंह, काराकाट सीओ जितेंद्र कुमार, बिक्रमगंज थानाध्यक्ष मनोज कुमार, संझौली थानाध्यक्ष मुकेश कुमार, नटवार थानाध्यक्ष राहुल, दिनारा थानाध्यक्ष रौशन कुमार, सूर्यपुरा थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी, दावथ थानाध्यक्ष कृपाल जी, नासरीगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार, कछवां थानाध्यक्ष मितेश कुमार, राजपुर थानाध्यक्ष शशि भूषण कुमार एवं जनप्रतिनिधियों में रामचंद्र नट, मोहम्मद अयूब खान सहित स्थानीय थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी व कर्मी लोग मौजूद थे।

अवैध शराब को पुलिस ने किया जब्त

नावानगर (बक्सर) स्थानीय थानाध्यक्ष नंदू कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने केसठ गांव में छापेमारी किया। छापेमारी में दक्षिण मोहल्ला से सटे सरकारी खाली जमीन के झाड़ी से पंद्रह लीटर महुआ शराब बरामद हुआ है। शराब किसका है यह पुलिस पता लगा रही है जमीन भी सरकारी है जिसके चलते पुलिस को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

शराबी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

नावानगर (बक्सर) स्थानीय थाना क्षेत्र के केसठ गांव निवासी राकेश कुमार द्वारा एक को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी के लिए दिए गए आवेदन में नामजद व्यक्ति सुरेंद्र साह प्रतिदिन शराब पीकर मेरे घर आता है। साथ ही शराब पीने के बाद मेरे घर वालों के साथ गाली गलौज और झगड़ा करते है। इस क्रम में रविवार को भी नामजद व्यक्ति द्वारा शराब पीकर गाली गलौज और मारपीट किया गया।

25 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास):बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने सोमवार को बिक्रमगंज थाना के कार्यालय कक्ष में प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि खैराभुधर में रामनुज तिवारी उम्र 26 वर्ष पिता अशोक तिवारी ग्राम तेघड़ा थाना बिहियां जिला भोजपुर की हत्या हुई थी। उन्होंने कहा कि बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 109/17 के आलोक में सुसंगत धारा 302 /120 (बी०) भा०द०वि० व 27 आर्म्स एक्ट एवं कांड सं०110/17 धारा 25 (1-बी) ए)26 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया था। एसडीपीओ ने कहा कि पुजा कुमारी पिता स्व० बृषकेतु मौआर ग्राम खैराभुधर थाना बिक्रमगंज जिला रोहतास अपने परिवार के साथ नगर थाना भोजपुर में रहकर जीवन यापन कर रही थी। उसी क्रम में अपने पास के पड़ोसी मोईन अंसारी उर्फ मुन्ना अंसारी पिता मोबिन अंसारी ग्राम तरी मुहल्ला वार्ड संख्या 08 थाना आरा नगर जिला भोजपुर से पुजा कुमारी की दोस्ती हो गई तथा मोईन अंसारी को एहसास होने लगा कि पुजा कुमारी हमसे प्यार करती है। उसको लेकर हमेशा बातचीत करती एवं मिला करती थी। उसी क्रम में पुजा कुमारी की शादी सीआरपीएफ के जवान रामानुज तिवारी उम्र 26 वर्ष पिता अशोक तिवारी ग्राम तेघड़ा थाना बिहियां जिला भोजपुर से तय हो गयी थी। उन्होंने बताया कि रामानुज तिवारी 19 वी बटालियन उड़ीसा में सीआरपीएफ सिपाही के पद पर पदस्थापित थे। सीआरपीएफ सिपाही रामानुज तिवारी के साथ शादी तय होने के बाद अपने मंगेतर पुजा कुमारी से मिलने के लिए खैरामुधर थाना बिक्रमगंज आये थे। उसी क्रम में मोईन अंसारी उर्फ मुन्ना अंसारी को पता चला कि रामानुज तिवारी अपने मंगेतर पुजा कुमारी के साथ ग्राम खैराभुधर में अपने घर पर है। तब मोईन अंसारी उर्फ मुन्ना अंसारी मोटरसाईकिल से खैराभुधर आकर पुजा कुमारी के घर में घुस गए और पुजा कुमारी के होने वाले मंगेतर रामानुज तिवारी को गोली मार दिया। गोली लगने के बावजुद भी रामानुज तिवारी एवं पुजा कुमारी मोईन अंसारी उर्फ मुन्ना अंसारी को काफी पकड़ने का प्रयास किया, परन्तु मोईन अंसारी उर्फ मुन्ना अंसारी भागने में सफल रहा तथा धर पकड़ में मोईन अंसारी का पिस्टल घटनास्थल पर ही गिर गया था।

नीतीश कुमार को विश्वास मत हासिल करने पर कार्यकर्ताओं में खुशी, बांटी मिठाई

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास)। बिहार विधानसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता नीतीश कुमार ने सदन में 129 प्राप्त कर अपना बहुमत हासिल कर लिये जाने पर एनडीए कार्यकताओं ने खुशी जाहिर करते हुए मिठाई बांट एक दूसरे को बधाई दी है। गौरतलब हो कि एनडीए के नेता नीतीश कुमार विधानसभा में 129 मत हासिल कर विश्वास मत हासिल कर लिया है। विश्वास मत हासिल होने के साथ ही बिहार में चल रहे राजनीतिक खेल भी समाप्त हो गई है। पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खेला अभी बाकी है। भविष्य वाणी भी समाप्त हो गई। यह एन डी ए सरकार के नीति सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास का प्रतिफल है। यह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की राजनीतिक जीत ही नहीं बल्कि सामाजिक जीत भी है। इस सरकार के अग्नि परीक्षा के बाद काराकाट विधानसभा में खुशी का माहौल है। सरकार को बधाई देने वालों में कीड़ा भारती के प्रांत अध्यक्ष सह पूर्व विधायक राजेश्वर राज, काराकाट लोकसभा के संयोजक एवं ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष नवीन चंद्र शाह, देश प्रदेश कार्यकारिणी समिति सदस्य डॉ. बलिराम मिश्रा, शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रो. (डा.) मनीष रंजन, मंडल अध्यक्ष ललित मोहन सिंह, अजीत सिंह, विनोद पासवान आदि शामिल हैं।

उज्ज्वला योजना के लिए महिलाओं से मांगा जाता है चढ़ावा

प्रात: किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) काराकाट विधानसभा क्षेत्र के प्रखंड काराकाट में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं के द्वारा गांव चलो अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर घूम कर सरकारी योजनाओं के लाभ से संबंधित जानकारी एकत्रित कर रहे हैं और लोगों को केंद्र सरकार द्वारा मिलने वाली योजनाओं से संबंधित लाभ से परिचय भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में जब बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता काराकाट प्रखंड के सोनबरसा पंचायत के अंतर्गत पहुंचे तो वहां पांडेडीह गांव में मौजूद कुछ महिलाओं ने यह बताया, कि उनसे गैस कनेक्शन के बदले 700 मांगे जा रहे थे। उन्होंने खुले कैमरे के सामने यह स्वीकार किया है, कि पैसा नहीं देने के अभाव में हमलोगों का कनेक्शन आज तक नहीं हुआ और हम लोग मिट्टी के बने चूल्हे पर खाना बनाते हैं। एक तरफ सरकार की योजनाओं से संबंधित राशि ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित की जा रही है और योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंचे, इस पर बजट का ध्यान रहता है, लेकिन दूसरी ओर बिचौलिए के कारण सही जगह पर लाभ न पहुंच पाए, तो इसमें किसका दोष माना जाए, यह एक यक्ष प्रश्न दिखाई दे रहा है।

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति बैठक आयोजित

नोखा (रोहतास) स्थानीय थाना परिसर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार के अध्यक्षता में सरस्वती पूजा के लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने ने कहां की नोखा थाना क्षेत्र से आए हुए गणमान्य एवं जनप्रतिनिधि को धन्यवाद देता हूं कि आप अपना बहुमूल्य समय निकालकर इस बैठक में उपस्थित हुए और इन्होंने आगे कहा कि सभी भाइयों से आग्रह है करता हूं कि सरस्वती पूजा आप लोग शांतिपूर्वक मनाएं और पूजा स्थल पर डीजे का प्रयोग ना करें और थानाध्यक्ष ने बताया कि पूजा के दरमियान हमारी गस्ती जारी रहेगी। मौके पर सभापति राधेश्याम सिंह उपसभापति धनजी सिंह मुखिया संघ अध्यक्ष दयानंद, सिंह, मुखिया प्रतिनिधि राकेश कुमार, विवेक सिंह, पूर्व जिला पार्षद सदस्य रविशंकर सिंह, वार्ड पार्षद सुनीता गुप्ता, बिहारी प्रसाद गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष मनोज चंदेल, भाजपा नेता मुन्ना पांडे, गोरख चंद्रवंशी जदयू नेता आफताब आलम मनोज सिंह उमा शर्मा, राम एकबार राम भीम चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल ने योजनाओं का किया उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

आज भभुआ प्रखंड के लीलापुर गांव में प्राचीन कुएं का हुआ सुंदरीकरण उद्घाटन से ग्रामीणों में खुशी! उद्घाटन करने पहुंचे जिला परिषद सदस्य भभुआ विकास सिंह मौके पर उपस्थित जिला परिषद सदस्य ने बताया कि बिहार राज्य षष्टम मद से द्वारा अपने जिला परिषद निधि के द्वारा 82 हजार की लागत से गांव में प्राचीन कुएं का सुंदरीकरण कराया है कुआं काफी प्राचीन था और जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ था गांव के ग्रामीण को आने-जाने में बीच रास्ते में कुआं पड़ जाता था जिसे हमेशा उसमें गिरने का शंका बना रहता था छोटे बच्चे भी सुरक्षित स्थिति में नहीं थे बगल में मंदिर होने से पूजा पाठ होने के चलते काफी भीड़ महिलाओं की लगती है जिसे छोटे बच्चों को कुआं में गिरने का डर बना रहता था चुनाव जितने से पहले वादा किया था कुएं का सौंदर्यकरण कर चबूतरा नुमा बनाया जाएगा सुंदरीकरण हो जाने से काफी खूबसूरति गांव में आई है वही 10-20 लोगों को बैठने के लिए काफी अच्छा इंतजाम हो गया है महिलाओं को भी पर्व त्यौहार के अवसर पर पूजा पाठ कथा वगैरा के लिए के लिए काफी सहूलियत होगी गांव के बड़े बुजुर्गो ने आशीर्वाद दिया व बेहतर कार्य को सारहा! गांव में भी कुछ समस्याएं हैं जिसको जल्द कराएंगे वही मौके पर पप्पू सिंह, बादल सिंह, नन्हकू सिंह सिंह लक्ष्मण पासवान, चीन शर्मा, लोहा सिंह, प्रमोद सिंह, शाहिद काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नितेश तिवारी की रामायण का हिस्सा बनीं रकुल प्रीत सिंह

अभिनेता रणबीर कपूर की अगली फिल्म रामायण की चर्चा तेज हो गई है। खबरों की मानें तो निर्देशक नितेश तिवारी इस फिल्म की तैयारी में जुटे हुए हैं। नितेश तिवारी की यह फिल्म काफी समय से कास्टिंग को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म में रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा की भूमिका निभाने के लिए बातचीत कर रही हैं।

शूर्पणखा की भूमिका निभाएंगी रकुल!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रकुल और नितेश तिवारी के बीच पिछले कुछ समय से बातचीत चल रही है। कथित तौर पर अब शूर्पणखा के किरदार के लिए रकुल प्रीत सिंह को कास्ट कर लिया गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो नितेश तिवारी की फिल्म रामायण का प्री-प्रोडक्शन काम आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है और रणबीर कपूर फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। खबर है कि अभिनेता ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी फिल्म

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रणबीर कपूर इस फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले हैं। नितेश तिवारी ने अभिनेता को एक उच्चारण विशेषज्ञ से मिलवाया है और दोनों अब रणबीर के उच्चारण और संवाद अदायगी पर काम कर रहे हैं और डायलॉग्स डिपार्टमेंट के लिए अलग टीम बनाई है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि नितेश तिवारी रणबीर को उनके अब तक निभाए सभी किरदारों से अलग बनाना चाहते हैं। सूत्रों का कहना है कि फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इसमें इंटरनेशनल लेवल के वीएफएक्स होंगे।

स्पिरिट में वांगा के निर्देशन में फिर काम करती नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

गत वर्ष बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर सलार देने वाले अभिनेता प्रभास इन दिनों अपनी अगली फिल्म स्पिरिट को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस फिल्म को गत वर्ष 900 करोड़ से ज्यादा कमाई देने वाली एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि अभिनेता और निर्देशक का यह मिलन बॉक्स ऑफिस पर एक और एक हजार करोड़ी फिल्म देने की तैयारी में है। वांगा इन दिनों तीन फिल्मों पर काम कर रहे हैं। उनमें से एक फिल्म एनिमल का सीक्वल एनिमल पार्क है, जिसमें वे एक बार फिर से रणबीर कपूर के साथ काम करेंगे, दूसरी फिल्म स्पिरिट है, जिसमें प्रभास हैं और तीसरी अनाम फिल्म के लिए उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ हाथ मिलाया है। अब जो समाचार आ रहे हैं उनके अनुसार प्रभास अभिनीत स्पिरिट में एनिमल फेम रश्मिका मंदाना की एंट्री हो गई है। इसका बजट 'एनिमल' से चार गुना ज्यादा 400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। संदीप रेड्डी वांगा बड़े स्केल पर 'स्पिरिट' को बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। 'एनिमल' के बाद वो किसी भी तरह का रिस्क लेने को तैयार नहीं हैं। इसी बीच रश्मिका मंदाना की पिक्चर में एंट्री की खबर सामने आ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें पिक्चर के लिए अप्रोच किया गया है। ये पहली बार होगा, जब प्रभास और रश्मिका मंदाना बड़े पर्दे पर साथ काम करते नजर आएंगे। 'स्पिरिट' को लेकर अब तक रश्मिका मंदाना, प्रभास या फिर निर्देशक की तरफ से कोई ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन पिक्चर में प्रभास के अपोजिट में दो नामों की काफी वक्त से चर्चा थीं। रश्मिका के अलावा जो दूसरा नाम सामने आ रहा था वो कियारा आडवाणी का था। लेकिन हाल ही में छपी रिपोर्ट में रश्मिका को फाइनल बताया जा रहा है।

7 महीने के ब्रेक के बाद काम पर लौटीं सामंथा

साउथ की फेमस एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु 7 महीने के ब्रेक के बाद काम पर वापस लौट आई हैं। सामंथा ने अपने कमबैक की अनाउंसमेंट करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने बताया कि अब वो हेल्थ पॉडकास्ट पर काम करेंगी। 36 वर्षीय एक्ट्रेस ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा, 'हां, मैं काम पर लौट आई हूं..आखिरकार। इतने दिनों से मैं पूरी तरह से बेरोजगार थी। अब मैं अपने एक दोस्त के साथ कुछ मजेदार करने जा रही हूं। यह एक है हेल्थ पॉडकास्ट होगा। यह कुछ ऐसा है, जो मुझे वाकई बहुत पसंद है। मैं इसे लेकर बहुत इमोशनल और एक्साइटेड हूं कि यह अगले सप्ताह रिलीज हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि आप में से कुछ को यह बहुत यूजफुल लगेगा। मुझे इस पर काम करने में बहुत मजा आया है।'

आखिरी रिलीज फिल्म थी 'खुशी'

सामंथा ने 2022 में जानकारी दी थी कि वो ऑटो-इम्यून कंडीशन (मायोसाइटिस) से जूझ रही हैं और इसके बाद उन्होंने इलाज के लिए काम से ब्रेक ले लिया था। सामंथा की आखिरी रिलीज फिल्म खुशी थी जिसमें वो विजय देवरकोंडा के अपोजिट नजर आई थीं।

'सिटाडेल' में आएंगी नजर

वर्क फ्रंट पर अब सामंथा वेब सीरीज 'सिटाडेल' में वरुण धवन के साथ नजर आने वाली हैं। ब्रेक पर जाने से पहले पिछले साल जुलाई तक सामंथा इसी वेब सीरीज की शूटिंग भी कर रही थीं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया था कि उन्हें और वरुण को मेकर्स ने इस शो कर पहली झलक दिखाई है। इस सीरीज के अलावा सामंथा ने चेन्नई स्टोरीज भी साइन की है जो उनकी पहली फॉरेन फिल्म होगी।

सपनों की नगरी के प्यार में डूबीं राधिका मदान

अभिनेत्री राधिका मदान दिल्ली से हैं लेकिन अभिनय में अपना करियर बनाने के लिए वे माया नगरी यानी मुंबई आईं और इस शहर ने उन्हें अपना बना लिया। राधिका ने अब मुंबई में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए खुलासा किया कि पहले दिन से ही उन्हें मुंबई से प्यार हो गया था। राधिका ने कहा कि मैं 2014 में मुंबई आई थी और यह मेरे लिए पहली नजर का प्यार था, मुझे अभी भी शहर में अपना पहला दिन याद है, यह मुझे बहुत फिल्मी लगता है। मुंबई को घर जैसा महसूस होने वाला शहर कहते हुए राधिका ने कहा मैं दिल्ली से हूं और मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे किसी दूसरे शहर से प्यार हो जाएगा। मुंबई ने मुझे वह सब कुछ दिया है, जो आज मेरे पास है, सपने देखने वालों का शहर है, यह आपकी परीक्षा तो लेता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर आपका साथ भी देता है और गले भी लगाता है, आपके सभी सपने पूरे करता है। मुंबई की हवा में एक खास जादू है, मुझे मरीन ड्राइव पर घूमना और अतिरिक्त मसाले के साथ कच्ची कैरी खाना पसंद है, ये पहली चीजें थीं, जो मैंने मुंबई में आजमाई थी। राधिका ने आगे कहा कि सबसे मुंबईया चीज है यह कि मैंने गणपति जुलूस में अजनबियों के साथ नृत्य किया है, यह बिल्कुल मजेदार था।

झलक दिखला जा से करुणा पांडे का सफर हुआ खत्म

सोनी टीवी के सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा से 'पुष्पा इम्पॉसिबल' फेम एक्ट्रेस करुणा पांडे का सफर खत्म हो चुका है। जनता के कम वोट्स मिलने की वजह से एक्ट्रेस को शो से बाहर होना पड़ा। वहीं एक्ट्रेस के फैंस के साथ शो के जजों को भी करुणा के एलिमिनेशन से गहरा झटका लगा है। गौरतलब है कि करुणा जजों की फेवरेट कंटेस्टेंट की लिस्ट में शुमार थीं। उन्होंने अपनी अदाओं और अपने बेहतरीन डांस से जजों के दिलों में एक अलग जगह बनाई थी। भले ही वह आज शो के बाहर हो गई हों, लेकिन उनका सफर काफी शानदार रहा। जी हां, वह एकलौती ऐसी कंटेस्टेंट थीं जिन्हें पूरे 30 मार्क्स मिले थे। करुणा अभिनय के साथ-साथ नृत्य की भी शौकीन रही हैं। वे एक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने डांस का वीडियो शेयर करती रहती हैं। वहीं शो के मंच पर उन्होंने एक से बढ़कर एक डांस परफॉर्मेंस दिए हैं। शो में मशहूर कोरियोग्राफर विवेक चेचरे करुणा के डांसिंग पार्टनर थे। दोनों ने अपने डांस परफॉर्मेंस से स्टेड पर खूब आग लगाई है। वहीं उनके काम की बात करें तो करुणा ने छोटे पर्दे पर कई तरह के किरदार निभाए हैं।

8 मार्च को स्ट्रीम होगी इमरान हाशमी की सीरीज शोटाइम

मनोरंजन इंडस्ट्री की चकाचौंध और पर्दे के पीछे की दुनिया की झलक पाने के लिए तैयार हो जाइए। निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने बहुप्रतीक्षित फिक्शन सीरीज शोटाइम की स्ट्रीमिंग डेट से पर्दा उठा दिया है। करण ने शुक्रवार, 9 फरवरी को इंस्टाग्राम पर शो के निर्माण के विभिन्न दृश्यों को प्रदर्शित करने वाली एक आकर्षक बीटीएस क्लिप साझा की। सीरीज में इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में हैं। शो का वर्ल्ड प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर होगा। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शोटाइम की शूटिंग से जुड़ा एक बीटीएस वीडियो साझा किया है। 50 सेकंड के वीडियो में इमरान हाशमी, मौनी रॉय और महिमा मकवाना जैसे कलाकारों और सेट पर मौजूद क्रू की झलक दिखाई गई है। चंचल मजाक से लेकर गहन शूटिंग दृश्यों तक, यह क्लिप शो की मनोरम दुनिया की एक झलक पेश करती है। सबसे रोमांचक खुलासा क्लिप के अंत में होता है, जो इसकी आधिकारिक रिलीज डेट की घोषणा है।

शोटाइम के प्रीमियर की तारीख

शोटाइम का प्रीमियर आधिकारिक तौर पर 8 मार्च, 2024 को डिज्नी+हॉटस्टार पर होगा। यह नवीनतम अपडेट दिसंबर 2023 में शो के फर्स्ट लुक की रिलीज के बाद आया है, जिसने प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा किया। नेटफ्लिक्स के द बार्ड ऑफ ब्लड के बाद ओटीटी स्पेस में वापसी कर रहे इमरान हाशमी शोटाइम के मुख्य किरदार हैं। शोटाइम की बात करें तो यह धर्मा एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और शोरुनर मिहिर देसाई द्वारा निर्देशित है। यह सीरीज, फिल्म इंडस्ट्री के अंदरूनी हिस्सों की एक रोमांचक खोज का वादा करती है। स्टार कलाकारों में राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन और नसीरुद्दीन शाह भी शामिल हैं। यह शो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म के बारे में है।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में दिखेंगे राम चरण!

कुछ समय पहले संजय लीला भंसाली ने फिल्म लव एंड वॉर की घोषणा की है। जिसमें उन्होंने रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल को कास्ट किया है। साथ ही वेब सीरीज हीरामंडी से भी वो चर्चा में बने हुए हैं। अब खबर सामने आई कि वो एक नई पैन इंडिया फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। फिल्म की कहानी अमीश त्रिपाठी की बुक, द लीजेंड ऑफ सुहेलदेव पर बेस्ड है। सूत्रों का कहना है कि भंसाली की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म अमीश त्रिपाठी की बुक, द लीजेंड ऑफ सुहेलदेव पर आधारित है। सुहेलदेव के रोल के लिए उनकी टीम ने कुछ समय पहले राम चरण से संपर्क किया है। राम चरण ने फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ ली है। अगर उनके मन मुताबिक सबकुछ सही रहा तो वो इस फिल्म में राजपूत योद्धा सुहेलदेव के रोल में देखे जाएंगे। रिपोर्ट्स का दावा है कि कुछ समय में फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की जाएगी।

राजा सुहेलदेव की बहादुरी की कहानी पर बेस्ड होगी फिल्म

अमीश त्रिपाठी द्वारा लिखित, द लीजेंड ऑफ सुहेलदेव महान राजा सुहेलदेव की बहादुरी की कहानी पर बेस्ड है। राजा सुहेलदेव ने बहराइच की लड़ाई में गाजी सैय्यद सालार मकसूद की सेना को हराया था। अगर ऐसा होता है तो भंसाली के निर्देशन में राम चरण को इस किरदार में देखना रोमांचक होगा। वर्क फ्रंट पर इन दिनों भंसाली फिल्म लव एंड वॉर से चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म बॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्मों में एक है। कहा जा रहा है कि फिल्म में रणबीर कपूर को ग्रे शेड रोल में देखा जाएगा। यह अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी।

'स्त्री-2' में कैमियो करेंगे वरुण धवन

वरुण धवन हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' में कैमियो करते नजर आएंगे। खास बात यह है कि इसमें वो अपनी फिल्म भेड़िया के किरदार के तौर पर स्पेशल अपीयरेंस देंगे।

वरुण ने शूट किया अपना कैमियो पार्ट

वरुण ने हाल ही में फिल्म के लिए अपना कैमियो पार्ट शूट कर लिया है। वहीं उनकी 'भेड़िया-2' की शूटिंग 2025 में शुरू होगी। इसकी कहानी वहां से शुरू होगी जहां 'स्त्री 2' खत्म होती है। 'स्त्री 2' इस साल 31 अगस्त को रिलीज होगी। इसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव और पंकज त्रिपाठी समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

इस बार गांव की रक्षा करती दिखेगी स्त्री

वहीं 'स्त्री-2' भी वहीं से शुरू होगी जहां 2018 में रिलीज हुई 'स्त्री' खत्म हुई थी। पिछली बार जिस स्त्री से गांववाले खुद को बचा रहे थे इस बार वो ही स्त्री गांव वालों की रक्षा करती नजर आएगी। फिल्म में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बैनर्जी जैसे कलाकार नजर आएंगे। वहीं वरुण इसके भेड़िया के रोल में स्पेशयल अपीयरेंस देंगे। बताते चलें कि वरुण धवन और कृति सेनन स्टारर 'भेड़िया' 2023 में रिलीज हुई थी। यह इस हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइज की तीसरी फिल्म थी। इससे पहले इस फ्रेंचाइज के अंतर्गत 'स्त्री' और 'रूही' रिलीज हो चुकी थी।

सेंसेक्स
71313.16 पर बंद
निफ्टी
21689.30 पर बंद

सोना
62,372
चांदी
70,175

संक्षिप्त समाचार

मालामाल करने वाले इन रेलवे स्टॉक्स की गाड़ी हुई डिरेल, शेयर बेचने की लगी होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल मालामाल करने वाले रेलवे स्टॉक आरवीएनएल और आईआरएफसी के शेयर अब कंगाल करने पर उतर गए हैं। इन दोनों स्टॉक की गाड़ी अब डिरेल हो गई है। आज रेल विकास निगम यानी आरवीएनएल के शे 8 पर्सेंट से अधिक लुढ़क कर 237.30 रुपये पर आ गए हैं। दूसरी ओर इंडियन रेलवे फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड भी करीब 10 पर्सेंट का गोता लगाकर 138.60 रुपये पर आ गया है। पिछले 5 दिन में आरवीएनएल 13 फीसद से अधिक टूट चुका है। जबकि, आईआरएफसी 11 फीसद से अधिक लुढ़का है। अगर इस साल के परफार्मेंस की बात करें तो आईआरएफसी इस गिरावट के बावजूद करीब 39 फीसद का रिटर्न दे चुका है। दूसरी तरफ आरवीएनएल 30 फीसद से अधिक चढ़ चुका है। आरवीएनएल का 52 हफ्ते का हाई 345.50 रुपये और लो 56.05 रुपये है। आईआरएफसी का 52 हफ्ते का हाई 192.80 रुपये और लो 25.40 रुपये है।

कलर्स सतना में प्यार की मशाल लेकर आया

सतना। एक बार फिर से प्यार की दुनिया में खो जाइए क्योंकि भारत के अग्रणी एचजीईसी कलर्स ने रात 9:30 बजे से 11:00 बजे तक अपने प्राइम-टाइम स्लॉट को दिल जीत लेने वाली तीन प्रेम कहानियां प्रसारित करके एक रोमांटिक महोत्सव में बदल दिया है, जिनसे दर्शकों के दिल रोमांचित हो उठते हैं। तीन अलग-अलग प्रेम कहानियों से दर्शकों का नॉन-स्टॉप मनोरंजन करने के वादे के साथ, पहली प्रेम कहानी 'मेरा बलम थानेदार' है, जो दो विपरीत व्यक्तियों के बीच रोमांस का उतार-चढ़ाव भरा सफर है, और राजस्थान में नाबालिग विवाह की पृष्ठभूमि पर आधारित है जिसमें शगुन पांडे (वीर) व श्रुति चौधरी (बुलबुल) मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके बाद भारतीय इतिहास के पन्नों को फिर से लिखने वाली भव्य प्रेम कहानी 'प्रचंड अशोक' है जिसमें अदनान खान (सम्राट अशोक) और मल्लिका सिंह (राजकुमारी कौर्वकी) मुख्य भूमिका में हैं। तीसरा शो 'कयामत से कयामत तक' है, जो पुनर्जन्म पर आधारित एक सच्ची कहानी है जिसमें करम राजपाल (राज) और तृप्ति मिश्रा (पूर्णिमा) मुख्य भूमिका में हैं।

बादाम की अच्छाइयों के साथ इस वैलेंटाइन डे को बनाएं सेहतमंद

मुंबई। अच्छे व क्रंची स्वाद तथा कई तरह के सेहतमंद फायदों के बारे में मशहूर बादाम एक समझदारी भरा और पौष्टिकता से भरपूर व्यवहार साबित हो सकता है। 15 पोषक तत्वों से भरपूर बादाम में जिंक, फोलेट, आयरन, विटामिन ई, मैग्नीशियम और प्रोटीन होता है। गुणों का खजाना ये नट्स सेहत को कई सारे लाभ पहुंचाते हैं। यह दिल की सेहत को अच्छा रखता है, त्वचा की सेहत बेहतर होती है, वजन नियंत्रित रखने और ब्लड शुगर का प्रबंधन करने में मददगार हो सकता है। अपने भोजन में बादाम को शामिल करने से आप स्वादिष्ट स्नैक के रूप में इसका मजा ले सकते हैं, वहीं कई सारे पौष्टिक तत्वों की भी पूर्ति करता है, जिससे आपकी सेहत पर कई प्रकार से अच्छा प्रभाव पड़ता है। प्यार के इस मौसम और रोजमर्रा के भोजन में बादाम को शामिल करने के महत्व के बारे में बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं, मेरे लिए वैलेंटाइन डे, प्यार का इजहार करने से अलग चीज है; यह अपनों की सेहत का ख्याल रखने के बारे में है।

छोटी सी उम्र में संभाला कारोबार, फ्रूटी को बना दिया 8 हजार करोड़ का ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रूटी का नाम आपने जरूर सुना होगा। कोका कोला और पेप्सी जैसी दिग्गज मल्टीनेशनल कंपनियों के बीच फ्रूटी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इसे बनाने वाली कंपनी पारले एग्रो है। फ्रूटी आज बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के बीच काफी फेमस है, लेकिन एक समय था, जब इसे बनाने वाली पारले एग्रो का टर्नओवर सिर्फ 300 करोड़ रुपये का था। प्रकाश चौहान फ्रूटी बनाने वाली कंपनी पारले एग्रो के फाउंडर और सीईओ हैं, बाद में उनकी बेटी नादिया चौहान ने ब्रांड मैनेजर के रूप में कंपनी जॉइन की और कंपनी का टर्नओवर 3 सौ करोड़ रुपये से 8 हज़ार करोड़ तक पहुंचा दिया। नादिया चौहान का जन्म कैलिफोर्निया में हुआ, लेकिन उनका पालन-पोषण मुंबई में हुआ है। नादिया के पिता का नाम प्रकाश चौहान है जो पार्ले एग्रो के चेयरमैन थे।

नादिया की 2 बहनें और हैं जो उनसे बड़ी हैं। नादिया केवल 17 साल की थी जब उन्हें पारले एग्रो को ब्रांड मैनेजर की पोस्ट पर ज्वाइन किया। बिजनेस नादिया के खून में था और उन्होंने यह साबित भी किया। वह ब्रांड मैनेजर से चीफ मार्केटिंग ऑफिसर और फिर जॉइंट डायरेक्टर तक के पद पर पहुंची।

साल 1984 में फ्रूटी को किया लॉन्च

फ्रूटी को 1984 में लॉन्च किया गया था। यह लोगों को काफी पसंद आई। लोगों ने इसे हाथों-हाथ लिया। पारले एग्रो देश में टेट्रा पैक लाने वाली पहली कंपनी थी। साल 2003 तक पारले एग्रो 300 करोड़ रुपये की कंपनी बन चुकी थी। साल 2003 में कंपनी के चेयरमैन प्रकाश जयंतीलाल चौहान की बेटी नादिया चौहान ने कंपनी की मार्केटिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। उस समय उनकी उम्र मात्र 17 साल थी।

कारोबार को ऐसे पहुंचाया ऊंचाईयों पर

नादिया चौहान ने मार्केटिंग की जिम्मेदारी संभालते ही सबसे पहले फ्रूटी की पैकेजिंग बदल दी। पहले फ्रूटी हरे रंग के पैकेट में आती थी, जबकि आम का रंग पीला होता है। साल 2004 में नादिया चौहान ने एक और बड़ा फैसला लिया। उन्होंने फ्रूटी का छोटा समोसा पैक लॉन्च किया। इसकी कीमत मात्र 2.5 रुपये थी। यह खासकर ग्रामीण इलाकों में काफी हिट रहा। इससे कंपनी की सेल में काफी इजाफा हुआ। पहले फ्रूटी बच्चों की ड्रिंक मानी जाती थी लेकिन नादिया चौहान ने इसे हर वर्ग की ड्रिंक बना दिया। उन्होंने शाहरूख खान से लेकर आलिया भट्ट और अल्लू अर्जुन को ब्रांड एंबेसेडर बनाया। कंपनी का 95 प्रतिशत रेवेन्यू फ्रूटी से आता था।

ऐसे बढ़ाया कंपनी का रेवेन्यू

नादिया ने देखा कि कंपनी केवल फ्रूटी पर बहुत ज्यादा निर्भर करती है। अगर कुछ भी ऊपर-नीचे होता है तो कंपनी के पास कोई बैकअप नहीं है। इसलिए फ्रूटी से अलग अब कंपनी ने पीने का बोतल बंद पानी बेचने का फैसला लिया। इस तरह बेली की शुरुआत हुई। नादिया ने एक नई सॉफ्ट ड्रिंक पर भी दांव खेला। आम के बाद उन्होंने सेब से बनी ड्रिंक एपी फिज लॉन्च की। फिज को 2005 में लॉन्च किया गया था। फिज की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग सब अव्वल रही और ये प्रोडक्ट मार्केट ने हाथों-हाथ लिया। आज यह ड्रिंक बाजार में खुद को शानदार तरीके से स्थापित कर चुकी है।

चीनी कंपनियों को भारत में प्लांट लगाने से लग रहा डर, श्याओमी ने सरकार को लिखा पत्र

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी श्याओमी का कहना है कि सप्लायर्स को भारत में परिचालन शुरू करने में दिक्कतें आ रही हैं। कंपनी का कहना है कि चीन की कंपनियों को भारत में प्लांट लगाने से डर लग रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्याओमी ने इस संबंध में भारत सरकार को एक पत्र भेजा है। पत्र में कंपनी ने कहा है कि भारत में सरकार के द्वारा चीन की कंपनियों की हो रही जांच के कारण स्मार्टफोन के कंपोनेंट सप्लायर को यहां परिचालन शुरू करने में हिचक हो रही है।

श्याओमी ने 6 फरवरी को भेजे गए पत्र में भारत से विनिर्माण पर प्रोत्साहन देने और स्मार्टफोन के कुछ चुनिंदा कल-पुर्जों पर इम्पोर्ट टैरिफ कम करने की मांग की है। कंपनी का कहना है कि भारत सरकार को इन प्रोत्साहनों पर विचार करना चाहिए। कंपनी भारत सरकार के द्वारा मंगाए गए सुझावों पर प्रतिक्रिया दे रही थी। भारत सरकार ने कंपनी से पूछा था कि देश में कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए। श्याओमी बाजार हिस्सेदारी के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी है। भारत के स्मार्टफोन बाजार में श्याओमी की 18 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी भारत में ही अपने फोन असेंबल करती है। श्याओमी अपने स्मार्टफोन में भारत में बने कंपोनेंट्स का भी इस्तेमाल करती है और चीन से भी कल-पुर्जों का आयात करती है। साल 2020 में भारत और चीन के बीच हिंसक सीमा विवाद के बाद चीन की कई कंपनियों के ऊपर भारत में सख्ती हुई है। भारत ने किस्तों में सैंकड़ों चाइनीज ऐप को भारत में प्रतिबंधित किया है। श्याओमी के ऊपर ही की गई कार्रवाई में उसकी 600 मिलियन डॉलर से ज्यादा की एसेट फ्रीज कर दी गई। एक अन्य स्मार्टफोन कंपनी वीवो के ऊपर भी पैसों के हेर-फेर का आरोप लगा है।

व्यवसायों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया 9-12 महीने में होगी पूरी: वेदांता

नईदिल्ली, एजेंसी। वेदांता लिमिटेड एल्युमीनियम सहित अपने प्रमुख व्यवसायों को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। यह प्रक्रिया अगले 9 से 12 महीने में पूरी होने की संभावना है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अरबपति अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली वेदांता लिमिटेड ने अपने धातु, बिजली, एल्यूमीनियम और तेल व गैस व्यवसायों को अलग-अगले करके स्वतंत्र कार्यक्षेत्र बनाने की पिछले साल घोषणा की थी। वेदांता के एल्युमीनियम कारोबार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन स्लेवेन ने कहा, ''हम एल्युमीनियम व्यवसाय के सफल विभाजन को सुनिश्चित करने के लिए बहुत सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

54 रुपए पर जाएगा सुजलॉन एनर्जी का शेयर, एक साल में 430 प्रतिशत चढ़ा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में बीते शुक्रवार को 5 प्रतिशत तक की गिरावट आई और यह शेयर 47.38 रुपये पर बंद हुए थे। रिन्यूएबल एनर्जी के शेयर पिछले पांच दिनों में 5 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। इस साल वायटीडी में यह शेयर 25 प्रतिशत तक चढ़ा है। मार्केट एक्सपर्ट के मुताबिक, सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में तेजी आने की संभावना है। जेएम फाइनेंशियल ने इस शेयर पर 54 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है।

बता दें कि एनर्जी कंपनी को दिसंबर तिमाही में जबरदस्त मुनाफा हुआ है। दिसंबर तिमाही में सुजलॉन एनर्जी का नेट प्रॉफिट करीब 160 प्रतिशत बढ़ गया है और यह 203.04 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 78.28 करोड़ रुपये ही था। शानदार तिमाही नतीजों के बीच सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में आज तगड़ी तेजी देखने को मिली।

शेयरों के हाल

सुजलॉन एनर्जी के शेयर महीनेभर में 7 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। छह महीने में इसमें 140 प्रतिशत तक की बढ़त देखी गई है। इस दौरान इसकी कीमत 20 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई है। पिछले एक साल में सुजलॉन एनर्जी का शेयर 430 प्रतिशत तक चढ़ चुका है। इस दौरान इसका भाव 9 रुपये से वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 50.72 और 52 वीक का लो प्राइस 6.96 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 64,332.97 करोड़ रुपये है।

ग्रे मार्केट में अभी से तूफानी तेजी, स्टील कंपनी का आ रहा आईपीओ, 13 फरवरी से दांव लगाने का मौक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह खबर काम की हो सकती है। दरअसल, इस सप्ताह एक स्टील कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो रहा है। यह आईपीओ विभोर स्टील ट्यूब्स लिमिटेड का है। निवेशक इस इश्यू में 13 फरवरी से 15 फरवरी तक दांव लगा सकेंगे। इसका प्राइस बैंड 141-151 रुपये प्रति शेयर है। यह पूरी तरह से 72 करोड़ रुपये का फ्रेश इक्विटी इश्यू है। ऑफर का लगभग 50 प्रतिशत योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 प्रतिशत रिटेल निवेशकों के लिए और बाकी के 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए रिजर्व है।

मार्केट जानकारों के मुताबिक, विभोर स्टील ट्यूब्स लिमिटेड आईपीओ ग्रे मार्केट में 130 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। यानी अपर प्राइस बैंड 151 रुपये के हिसाब से कंपनी के शेयर 281 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले ही दिन निवेशकों को 86.09 प्रतिशत तक का तगड़ा मुनाफा हो सकता है। बता दें कि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग डेट 20 फरवरी है।

कंपनी का कारोबार

विभोर स्टील ट्यूब्स हल्के स्टील ईआरडब्ल्यू काले और गैल्वेनाइज्ड पाइप, खोखले स्टील पाइप, कोल्ड रोल्ड स्टील (सीआर) स्ट्रिप्स का निर्माता और निर्यातक है। कंपनी 2 दशकों से अधिक समय से कारोबार में है। विभोर स्टील ट्यूब्स लिमिटेड माइल्ड स्टील/कार्बन स्टील ईआरडब्ल्यू ब्लैक और गैल्वनाइज्ड पाइप, खोखले स्टील पाइप और कोल्ड-रोल्ड स्टील (सीआर) स्ट्रिप्स और कॉइल्स का मैन्युफैक्चरर और एक्सपोर्टर है। बता दें कि एक अप्रैल 2023 से विभोर स्टील ट्यूब्स ने जिंदल पाइप्स के साथ एग्रीमेंट को रिन्यू किया था। इसके तहत जिंदल पाइप्स और उसके कस्टमर्स को जिंदल स्टार ब्रांड के तहत तैयार माल की मेकिंग और सप्लाई की जाती है। कंपनी के प्रमोटर मेसर्स विजय कौशिक एचयूएफ, विभोर कौशिक, विजय लक्ष्मी कौशिक और विजय कौशिक हैं। प्रमोटरों के पास वर्तमान में कुल 1,32,46,500 इक्विटी शेयर हैं।

व्यवसायों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया 9-12 महीने में होगी पूरी: वेदांता

नईदिल्ली, एजेंसी। वेदांता लिमिटेड एल्युमीनियम सहित अपने प्रमुख व्यवसायों को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। यह प्रक्रिया अगले 9 से 12 महीने में पूरी होने की संभावना है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अरबपति अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली वेदांता लिमिटेड ने अपने धातु, बिजली, एल्यूमीनियम और तेल व गैस व्यवसायों को अलग-अगले करके स्वतंत्र कार्यक्षेत्र बनाने की पिछले साल घोषणा की थी। वेदांता के एल्युमीनियम कारोबार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन स्लेवेन ने कहा, ''हम एल्युमीनियम व्यवसाय के सफल विभाजन को सुनिश्चित करने के लिए बहुत सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

1 रुपए के शेयर पर टूटे निवेशक, लगातार कर रहा मालामाल, एलआईसी जैसे दिग्गजों का बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कुछ पेनी शेयरों की जबरदस्त डिमांड थी। ऐसा ही एक पेनी शेयर टेलीकॉम सेक्टर से जुड़ी कंपनी- क्वाड्रेंट टेलीकॉम लिमिटेड का है। इस पेनी शेयर की कीमत में 10 फीसदी का अपर सर्किट लगा। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को क्वाड्रेंट टेलीकॉम लिमिटेड के शेयर की कीमत 1.95 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। बीते जुलाई महीने में शेयर की कीमत 0.75 पैसे तक गिर गई थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो था। बता दें कि एक हफ्ते में इस शेयर ने बीएसई के मुकाबले 44 फीसदी का पॉजिटिव रिटर्न दिया है। वहीं, एक महीने का रिटर्न 57 फीसदी से ज्यादा का रहा। छह महीने की अवधि में शेयर ने करीब 100 फीसदी रिटर्न दिया।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाले रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की शुरुआत

अहमदाबाद , एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक्स विभाग ने नई तकनीकी प्रगति को अपनाते हुए, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी का विकल्प चुनने वाले मरीजों के लिए रोबोट असिस्टेड और बायो-सेंसर की मदद से संचालित ट्रू एलाइन नी रिप्लेसमेंट तकनीक एवं वनडे टीकेआर (टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी) की शुरुआत की है। ट्रू एलाइन तकनीक को अस्पताल में आर्थोपेडिक्स एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट प्रोग्राम विभाग के प्रमुख, डॉ. दरिया सिंह ने विकसित किया है, जिसमें अंगों तथा प्रोस्थेटिक्स के बिल्कुल सटीक अलाइनमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अपनी प्रभावशीलता और बेहद कम चीर-फाड़ की जरूरत के कारण इस तकनीक को पूरी दुनिया में सरहना मिली है। दोनों तकनीकों को एक-साथ मिलाकर रोबोटिक ट्रू एलाइन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट तकनीक का नाम दिया गया है जिसमें दोनों तकनीकों के लिए इमेजिंग की प्रक्रियाएँ अलग-अलग हैं। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के ज्वाइंट रिप्लेसमेंट प्रोग्राम में एक स्वदेशी, हर कसौटी पर खरा और अच्छी तरह से व्यवस्थित ट्रू एलाइन तकनीक वाला इंटीग्रेटेड रोबोटिक सिस्टम (मेरिल का क्यूविस) उपलब्ध है, जिसका उद्देश्य अलाइनमेंट की सटीकता और शुद्धता में सुधार करना है, ताकि नी रिप्लेसमेंट सर्जरी के परिणामों को बेहतर बनाया जा सके। अस्पताल में और डिस्चार्ज के बाद की निगरानी के लिए बायोसेंसर पर आधारित तकनीक से सर्जरी के बाद मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। अस्पताल जोड़ों से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए सभी चीजों को शामिल करने वाले ज्वाइंट रिप्लेसमेंट प्रोग्राम की पेशकश की जाती है, जिसमें बिना दर्द के चिकित्सा प्रबंधन, न्यूनतम चीर-फाड़ वाली सर्जरी तथा वैश्विक तकनीकी प्रगति के साथ कस्टमाइज्ड रिहैबिलिटेशन प्लान शामिल हैं। ऑर्थोपेडिक्स एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट प्रोग्राम विभाग के प्रमुख, डॉ. दरिया सिंह कहते हैं, हमारी टीम में बहुत अधिक कुशल, बेहद अनुभवी, चौबीसों घंटे सेवा के लिए तैयार डॉक्टर, पैरामेडिक्स और सहायक सेवाएँ शामिल हैं।

मैनिट के ई-समिट 2024 में रूपीजी के फ्लैगशिप प्रॉडक्ट इन्वेस्टईजी पर रहा फोकस

भोपाल । मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) भोपाल की ओर से आयोजित ई-समिट 2024 में रूपीजी का फ्लैगशिप प्रॉडक्ट इन्वेस्टईजी सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। यह एक ऐसा खास निवेश ऐप है जो भारत में लोगों के पैसे निवेश करने के तरीके को पूरी तरह से बदल सकता है। ई-समिट 2024 में खास तौर पर स्टार्टअप ईको सिस्टम पर फोकस किया गया है और इस सिस्टम के भीतर होने वाले इनोवेशन की चर्चा हो रही है। मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कैम्पस में 9 फरवरी से 11 फरवरी, 2024 के बीच चलने वाला ई-शिखर सम्मेलन उभरते उद्यमियों, उद्योग के दिग्गजों और निवेशकों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने वाले एक जीवंत प्लेटफॉर्म में बदल गया है।

इस वर्ष का ई-शिखर सम्मेलन रुपीज़ी के एक नए म्यूचुअल फंड ऐप इन्वेस्टईज़ी पर प्रकाश डाल रहा है। यह एक ऐसा अनूठा निवेश ऐप है, जो भारत में लोगों के पैसे निवेश करने के तरीके को पूरी तरह से बदल सकता है। ऐप के बारे में बात करते हुए, रुपीज़ी के डायरेक्टर और आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र, श्रीशम गुप्ता ने कहा, ''पूरे भारत में लोगों ने 20 से अधिक वर्षों से रुपीज़ी पर भरोसा किया है, क्योंकि उन्होंने अपने पैसे से कई अलग-अलग लोगों की मदद की है। अभी भारत में ज्यादातर लोग यह देखकर अपना पैसा लगाने का निर्णय लेते हैं कि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में कितना पैसा कमाया है। यह कुछ-कुछ

वैसा ही है जैसे कोई कार सिर्फ इसलिए खरीद ली जाए, क्योंकि वह तेज़ है। लेकिन पहले यह जांच लेना बेहतर है कि कार सुरक्षित है या नहीं। इन्वेस्टईज़ी का मकसद पैसे के मामले में लोगों की मदद करना है। हम चाहते हैं कि लोग पहलेयह देखें कि वे कितना पैसा कमा सकते हैं और साथ ही यह भी कि उनका पैसा कितना सुरक्षित है, और यह सब सुविधाएं उन्हें उपयोग में आसान एक ही ऐप में मिल जाती हैं।''

इन्वेस्टईजी दरअसल निवेश ऐप्स के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में दूसरों से अलग नजर आता है। लोगों को निवेश के बारे में सोच-समझकर बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए यह प्लेटफॉर्म अनेक एनालिटिकल टूल उपलब्ध कराता है। पोर्टफोलियो ओवरलैप, इम्पैक्ट एनालिसिस और एफीशिएंट फ्रंटियर एनालिसिस जैसी सुविधाओं के साथ, इन्वेस्टईज़ी उपयोगकर्ताओं को अपने पोर्टफोलियो को अनुकूलित करने, विविधीकरण को अधिकतम करने और जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करने की सुविधा देता है।

ऐप की एमएफ लैब उपयोगकर्ताओं को ऐतिहासिक प्रदर्शन और विविधीकरण लाभों के गहन विश्लेषण की सुविधा प्रदान करते हुए, एसेट्स की वर्चुअल बास्केट बनाने की सुविधा भी देती है। इसके अतिरिक्त, स्मार्ट एक्सप्लोर सुविधा उपयोगकर्ताओं को विभिन्न म्यूचुअल फंडों के जोखिमों और पुरस्कारों की तुलना करने में सक्षम बनाती है, जिससे व्यक्तिगत निवेश प्राथमिकताओं के अनुरूप डेटा-संचालित निर्णय लेने की सुविधा मिलती है।

इन्वेस्टईज़ी का मुख्य आकर्षण डायरेक्ट म्यूचुअल फंड निवेश के लिए इसका कमीशन-मुक्त मॉडल है, इस तरह निवेशकों को शुल्कों के बारे में पूरी पारदर्शिता मिलती है और वे अपने निवेश का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। चाहे उपयोगकर्ता अनुभवी निवेशक हों या बाज़ार में नए हों, इन्वेस्टईज़ी एक बेहतर और अद्वितीय निवेश अनुभव का वादा करता है, जो एकमुश्त निवेश और सिस्टेमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) सहित निवेश आवश्यकताओं की एक विस्तृत रेंज को पूरा करता है। रूपीज़ी के सीईओ शौर्यम गुप्ता ने कहा, ''वित्तीय सशक्तीकरण की यात्रा में मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित ई-शिखर सम्मेलन 2024, रुपीज़ इन्वेस्टईज़ी के लिए एक प्रभावी प्लेटफॉर्म साबित हुआ है। इन्वेस्टईज़ी म्यूचुअल फंड परिदृश्य में एक गेम-चेंजर है। मुझे कमीशन-मुक्त, डेटा संचालित निवेश अनुभव पेश करने पर गर्व है। पोर्टफोलियो ओवरलैप और एमएफ लैब जैसी सुविधाओं के साथ, इन्वेस्टईजी पारदर्शिता और इनोवेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' ई-समिट 2024 में इन्वेस्टईज़ी की उपस्थिति फाइनेंस से संबंधित टैक्नोलॉजी के भविष्य को लोगों के सामने रखती है। साथ ही, इसके सहयोग से लोग स्टार्टअप ईको सिस्टम में इनोवेशन की परिवर्तनकारी शक्ति को भी पहचानते हैं।

कुछ खिलाड़ी भारत के लिए खेलेंगे: अंडर-19 मुख्य कोच कानिटकर

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)। भारत के अंडर-19 मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर को भरोसा है कि उनकी इस 2024 की टीम के कुछ खिलाड़ी भविष्य में सीनियर टीम की ओर से खेलेंगे। पांच बार की चैम्पियन भारत को रविवार को अंडर-19 विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से 79 रन से हार का सामना करना पड़ा लेकिन खिलाड़ी जैसे कप्तान उदय सहारन, मुशीर खान, सौम्य पांडे और सचिन धास ने पूरे टूर्नामेंट में प्रभावित किया। कानिटकर ने रविवार को मैच के बाद कहा, 'निश्चित रूप से भारत का भविष्य उज्जवल है। गेंदबाजी और बल्लेबाजी, दोनों में ही कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने मुश्किल हालात में परिपक्वता दिखायी जो भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है।%

भारतीय टीम आयु ग्रुप में 'पावरहाउस% रही है और अंडर-19 विश्व कप ने विराट कोहली, युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, सुरेश रैना, शिखर धवन, रोहित शर्मा, रविंद्र जडेजा, केएल राहुल, ऋषभ पंत, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे स्टार दिए हैं। कानिटकर ने कहा, 'हर बार कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो या तो इंडियन प्रीमियर लीग या भारतीय टीम में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि इसमें भी कुछ खिलाड़ी ऐसे होंगे जो भारतीय टीम में खेलेंगे लेकिन इसके लिए भी काफी कड़ी प्रतिस्पर्धा है।%

अंडर-19 टीम के अर्शिन कुलकर्णी और अविनाश राव को पहले ही इंडियन प्रीमियर लीग का अनुबंध मिल चुका है। कानिटकर (49 वर्ष) को लगता है कि अंडर-19 विश्व कप में खेलने से खिलाड़ियों को पता चलता है कि सीनियर स्तर पर कैसे खेला जाता है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों के लिए यह शानदार यात्रा है, उनका प्रदर्शन सुर्खियों में रहता है और उनका प्रदर्शन मायने रखता है क्योंकि सभी की निगाहें लगी होती हैं। वे इन परिस्थितियों के आदी हो जाते हैं। वे जानते हैं कि उनसे क्या उम्मीद की जाती है और जब वे शीर्ष स्तर पर खेलेंगे तो उन्हें तैयार रहना चाहिए।

हार के बाद बोले कप्तान उदय सहारन- मुझे लड़कों पर गर्व है

बेनोनी। अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 79 रनों की हार के बाद टीम इंडिया के कप्तान उदय सहारन ने कारणों पर चर्चा की है। उन्होंने साफ कहा कि हमने जल्दबाजी में शॉट लगाए जिसके कारण हमें मैच गंवाना पड़ा। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में बोलते हुए उदय ने कहा कि उन्हें अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है। टीम इंडिया ने फाइनल मैच में ÷अच्छी लड़ाई की

भावना÷ प्रदर्शित की।

उदय ने कहा कि मुझे लड़कों पर गर्व है, उन्होंने वास्तव में अच्छा खेला। पूरे टूर्नामेंट में अच्छी लड़ाई की भावना दिखाई। हमने आज कुछ तेज शॉट खेले और क्रीज पर समय नहीं बिताया। हम तैयार थे लेकिन योजनाओं को लागू नहीं कर सके। उदय ने कहा कि इस टूर्नामेंट से बहुत कुछ सीखने को मिला, सहयोगी स्टाफ से और यहां तक ??कि खेल के दौरान भी बहुत कुछ सीखने को मिला। हम सीखते रहने और बेहतर बनने की कोशिश करेंगे। भारत अंडर 19 के कप्तान ने अंडर 19 विश्व कप में 397 रन बनाकर टूर्नामेंट के शीर्ष रन-स्कोरर के रूप में समाप्त किया।

मुकाबले की बात करें तो टीम इंडिया एक बार फिर से आईसीसी टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की दीवार तोड़ नहीं पाई। वनडे विश्व कप 2023 में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया से एकतरफा मुकाबला गंवा दिया था। अगले साल भी कुछ नहीं बदला। ऑस्ट्रेलिया ने अब अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2024 के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को 79 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए कप्तान ह्यूज के 48, हरजस सिंह के 55 रनों की बदौलत 253 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने 174 रन ही बना पाई।

विराट की गैर मौजूदगी में

इंग्लैंड के पास टेस्ट श्रृंखला जीतने का सुनहरा मौका: स्टुअर्ट ब्रॉड

केपटाउन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि विराट कोहली का टेस्ट श्रृंखला में नहीं होना इस श्रृंखला और खेल के लिए अच्छा नहीं है लेकिन उनकी गैर मौजूदगी में इंग्लैंड के पास भारत को हराने का सुनहरा मौका है।

विराट निजी कारणों से श्रृंखला से बाहर है जबकि भारत ने दूसरा टेस्ट जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली है। ब्रॉड ने यहां भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, 'विराट किसी भी स्पर्धा को अपने जनून, आक्रामकता और बेहतरीन खेल से शानदार बना देते हैं। दर्शक उनका खेल देखने को आतुर रहते हैं। लेकिन निजी मसले हमेशा क्रिकेट से जुड़े मसलों से बड़े होते हैं।%

उनका मानना है कि विराट की गैर मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी उपयोगिता साबित करने का सुनहरा मौका होगी। इंग्लैंड के लिए 167 टेस्ट में 604 विकेट ले चुके इस गेंदबाज ने कहा, 'जब महान खिलाड़ी नहीं खेलते हैं तो युवाओं के लिए भी यह खुद को साबित करने का मौका होता है। हमने पिछले टेस्ट में देखा कि यशस्वी जायसवाल ने कैसे दोहरा शतक जड़ा। अगले तीन मैचों में कोई और खिलाड़ी भारत के लिए चमकेगा और हो सकता है कि वह इस लायक हो जाए कि जब विराट खेल को अलविदा कहें तो उनकी जगह ले सके।%

ब्रॉड का मानना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच यह सबसे प्रतिस्पर्धी श्रृखलाओं में से है और अगले तीन टेस्ट में इंग्लैंड के पास अच्छा मौका है। उन्होंने कहा, 'विराट के नहीं होने से बहुत कुछ बाकी खिलाड़ियों की फिटनेस पर निर्भर करेगा। विराट और इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों खासकर जिम्मी एंडरसन के बीच प्रतिद्वंद्विता काफी मशहूर रही है। यह क्रिकेट और इस श्रृंखला के लिये शर्मनाक है कि विराट नहीं खेल रहे हैं।%

उन्होंने कहा, 'भारत ने पिछला टेस्ट जीता लेकिन इंग्लैंड की बैजबॉल शैली भारत में प्रभावी रही है। भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस और मौका भुनाने की इंग्लैंड की क्षमता पर अगले तीन मैच निर्भर करेंगे।% उन्होंने नयी गेंद के अपने साथी रहे जिम्मी एंडरसन के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए कहा, 'हमने दूसरे टेस्ट में देखा कि तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम रही है। जसप्रीत बुमराह ने भारत को मैच जिताया और जिम्मी ने उम्दा गेंदबाजी की। सभी को लगा था कि पिच स्पिन लेगी लेकिन तेज गेंदबाजों को अधिक सफलता मिली। शायद सुबह की नमी की वजह से।%

उन्हें नहीं लगता कि टी20 क्रिकेट के इस दौर में वह और एंडरसन तेज गेंदबाजी में आखिरी महान टेस्ट जोड़ी थी। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमारी जोड़ी आखिरी था लेकिन हम दोनों के लंबे कैरियर की वजह से हमने मिलकर जितने विकेट लिए हैं, उससे आगे निकलना मुश्किल होगा।

लेकिन मेरा मानना है कि फिर से क्रिकेट को ऐसी कोई शानदार जोड़ी अगले कुछ साल में जरूरी मिलेगी। जसप्रीत बंमराह टेस्ट क्रिकेट में बहुत ही परिपक्व गेंदबाज हैं। ब्रॉड ने कहा, 'मैं तेज गेंदबाजी की जोड़ियों को देखकर बड़ा हुआ हूं। कर्टनी वॉल्श और कर्टले एम्बरोज हो, वकार युनूस और वसीम अकरम या डेरेन गाफ और एंडी कैडिक हो ।

अय्यर को फैसला करना होगा...

संघर्ष कर रहे मध्यक्रम बल्लेबाज को मांजरेकर की सलाह

मुंबई। पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने आलोचनाओं का सामना कर रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सलाह दी कि अगर वह टेस्ट क्रिकेट में उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं तो उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर काम करना होगा। टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत के बाद स्कोर करने के लिए संघर्ष कर रहे अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। अपने पिछले 7 टेस्ट मैचों में अय्यर ने 12 पारियों में 17.00 की औसत से सिर्फ 187 रन बनाए हैं जिसमें उनका

सर्वश्रेष्ठ स्कोर सिर्फ 35 रहा है।

एक वीडियो में मांजरेकर ने कहा, %अय्यर को यह तय करना होगा कि वह किन प्रारूपों में प्रयास करेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। यदि टेस्ट उनकी प्राथमिकता बनी रहती है, तो उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर काम करना होगा चाहे वह गति और उछाल या स्पिन हो। एक ऐसा खेल विकसित करें जहां रक्षा में विश्वास है और फिर जब आक्रामक रास्ता अपनाता है तो यह रक्षात्मक खेल का विस्तार है जहां वह हावी होने की कोशिश कर रहा है और जवाबी हमला खेलकर दबाव से बचने की कोशिश नहीं कर रहा है।%

तीसरे टेस्ट लाइन-अप के लिए अपनी भविष्यवाणियों के बारे में मांजरेकर ने कहा कि केएल राहुल एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में वापसी करेंगे और उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि टीम प्रबंधन विकेटकीपर स्थान के बारे में कैसे सोच रहा है। केएस भरत ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, सात मैचों में 20.09 की औसत से सिर्फ 221 रन बनाए हैं, 12 पारियों में कोई अर्धशतक नहीं बनाया है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 44 है। मांजरेकर ने कहा कि वह भारत को अन्य विकेटकीपिंग विकल्पों के साथ खेलते देखना चाहेंगे।

न्यूजीलैंड के कप्तान साउथी ने दिया संकेत

दूसरे टेस्ट में डेब्यू कर सकता है यह तेज गेंदबाज

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउथी ने संकेत दिया कि अनकैप्ड तेज गेंदबाज विलियम ओ%रूर्के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हैमिल्टन में दूसरे टेस्ट में खेल सकते हैं जो मंगलवार से शुरू होगा। माउंट माउंगानुई में 287 रन की जीत के बाद कीवी टीम ने दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड अपने सामान्य चार-तेज गेंदबाजी विकल्पों साउथी, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल और काइल जैमीसन के साथ अड़ा है।

हैमिल्टन की सतह तेज गेंदबाजों के लिए अधिक उछाल और सीम प्रदान करने का वादा करती है। लेकिन मिशेल की चोट के कारण वह दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए जिससे अनुभवी तेज गेंदबाज नील वैगनर और ओ राउरके के लिए जगह खाली हो गई है। साउथी ने कहा, %वह (ओ%रूर्के) 13 में है। नील भी समूह में है और लंबे समय तक हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन निर्णयों को लेना बहुत अच्छा है। विल एक रोमांचक

प्रतिभा है और उसके पास एक शानदार प्रतिभा है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी रुचि कम है और मुझे यकीन है कि उच्चतम स्तर पर भी उनका भविष्य उज्ज्वल है।%

ओ%रूर्के ने पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे प्रारूप में ब्लैककैप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और तीन मैचों में पांच विकेट लिए। साउथी को लगता है कि 22 साल की खूबियां उन्हें स्टार तेज गेंदबाज काइल जैमीसन के समान बनाती हैं। साउदी ने कहा, %उसकी ताकत स्पष्ट रूप से उसकी ऊंचाई और उछाल हासिल करने की क्षमता है। एक बड़ा, लंबा लड़का होने के नाते वह केजे [जेमीसन] से बहुत भिन्न नहीं है। उसके पास गेंद के साथ भी कौशल है। उसके पास एक बहुत अच्छा गेंदबाज बनने के उपकरण हैं मुझे यकीन है कि वह इस स्तर पर सफल होंगे। विल ने शायद मेरी तुलना में थोड़ा अधिक क्रिकेट खेला है। उनके कंधों पर बहुत अच्छा मार्गदर्शन है।%

अंडर-19 विश्व कप 2024: दक्षिण अफ्रीका के क्वेना मफाका बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

बेनोनी। रविवार को टूर्नामेंट के समापन के बाद दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना मफाका (च्2द्वठ्ठ स्र्ड्ढश्चद्धड्ढद्मड्ड) को अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का ताज पहनाया गया। मफाका को सौमी पांडे, मुशीर खान, ज्वेल एंड्रयू, ह्यू वीबगेन और उदय सहारन जैसे खिलाड़ियों से टक्कर मिली थी। मफाका 21 विकेट के साथ टूर्नामेंट के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 9.71 की औसत से 21 विकेट लिए।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद मफ़ाका ने कहा कि वास्तव में यह बहुत मायने रखता है। मैंने इसके लिए बहुत काम किया है और मैं वास्तव में खुश हूं कि एक अच्छा टूर्नामेंट

आयोजित कर सका। दुर्भाग्य से मैं अपनी टीम को फाइनल तक नहीं ले जा सका। लेकिन खुश हूं कि मैं अच्छा खेल सका। बता दें कि मफाका अंडर 19 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक विकेटों के रिकॉर्ड की बराबरी करने के करीब पहुंच गए थे। इस रिकॉर्ड में बांग्लादेश के इनामुल हक जूनियर (2014) आगे हैं जिन्होंने 22 विकेट लिए थे।

हालांकि मफाका ने अंडर-19 विश्व कप में एक यूनीक रिकॉर्ड भी बनाया। वह विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक बार 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 5/38, जिम्बाब्वे के खिलाफ 5/34 और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6/21 के आंकड़े दिए।

डेविड वॉर्नर ने मोहम्मद रिजवान को पछाड़ा, वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल की उपलब्धि

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को पीछे छोड़कर टी20आई क्रिकेट में सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वार्नर ने एडिलेड में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच में वॉर्नर ने 19 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाए। उनके रन 115 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से आए। वार्नर ने 101 मैचों में 33.17 की औसत और 141 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 2,986 रन बनाए हैं।

इसने मेरे परिवार को अधिक प्रभावित किया, एडिलेड नाइट आउट वाली घटना पर बोले मैक्सवेल

मेलबर्न। एडिलेड में देर रात की पार्टी के बाद अस्पताल में भर्ती होना %आदर्श नहीं% था, ऑस्ट्रेलियाई धुरंधर ग्लेन मैक्सवेल ने पिछले महीने सुर्खियां बटोरने वाली घटना के बारे में स्वीकार करते हुए कहा कि उनका परिवार अधिक प्रभावित हुआ था। मैक्सवेल शराब पी रहे थे और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली के बैंड %सिक्स एंड आउट% का कॉन्सर्ट देख रहे थे, तभी उन्हें अस्वस्थ महसूस हुए और पिछले महीने उन्हें एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। कथित तौर पर वह बेहोश हो गए थे।

ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस ने मैक्सवेल के हवाले से कहा, %मुझे लगता है कि शायद इसका मुझ पर जितना असर हुआ, उससे कहीं ज्यादा मेरे परिवार पर असर पड़ा। मुझे पता था कि उस हफ्ते मेरी छुट्टी थी। और जाहिर तौर पर वह घटना आदर्श और समय से कम थी।% उन्होंने कहा, %लेकिन मेरे पास वह सप्ताह था (जिस दौरान यह घटना हुई थी), मुझे पता था कि वह सप्ताह खेल से दूर था। रविवार को 35 वर्षीय खिलाड़ी ने दिखाया कि वह छोटे प्रारूपों में ऑस्ट्रेलिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बने हुए हैं, क्योंकि उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 55 गेंदों पर नाबाद 120 रन की सनसनीखेज पारी खेली थी। यह उनके लिए रिकॉर्ड की बराबरी करने वाला 5वां टी20आई शतक था। उन्होंने कहा, %...मैं वापस आया और अपने जिम कार्यक्रम में दौड़ लगाई और वापस आने के बाद मुझे वास्तव में अच्छा और तरोताजा महसूस हुआ और यह सब इस (टी20) श्रृंखला और आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने पर केंद्रित है।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस घटना की जांच शुरू की थी और परिणामस्वरूप, वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली एकदिवसीय श्रृंखला का हिस्सा नहीं थे। बाद में मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड्स ने बिग-हिटर से अंत तक बने रहने और %अपना ख्याल रखने% का आग्रह किया। मैक्डोनाल्ड ने कहा था, %उसे स्पष्ट रूप से यह देखने की जरूरत है कि वह अंत में क्या कर रहा है और क्या उस समय ऐसा करना सही है?% मैक्सवेल ने कहा कि वह एडिलेड की घटना से तुरंत आगे बढ़ गए।

संक्षिप्त समाचार

नाथूराम गोडसे की तारीफ करने के मामले में एनआइटी प्रोफेसर को पुलिस ने किया तलब

कोझिकोड, एजेंसी। केरल स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान-कालीकट (एनआइटी) की प्रोफेसर की परेशानी बढ़ गई है। नाथूराम गोडसे की तारीफ करने के बाद कुन्नमंगलम पुलिस ने उन्हें नोटिस जारी कर 13 फरवरी को पेश होने को कहा है। प्रोफेसर का नाम ए. शैजा है। इस मामले में उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज की जा चुकी है। वहीं, एनआइटी ने प्रोफेसर की टिप्पणी की जांच के लिए समिति का गठन किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि संस्थान किसी भी ऐसी टिप्पणी का समर्थन नहीं करता जो महात्मा गांधी के सिद्धांतों और मूल्यों के खिलाफ हो। संस्थान में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रोफेसर ए. शैजा ने 30 जनवरी को फेसबुक पर टिप्पणी पोस्ट की थी कि भारत को बचाने के लिए गोडसे पर गर्व है। उन्होंने यह टिप्पणी एक वकील कृष्णा राज की पोस्ट पर की थी, जिन्होंने गोडसे की तस्वीर पोस्ट करते हुए शीर्षक दिया था, नाथूराम गोडसे, भारत में कई लोगों के नायक। एसएफआइ, केएसयू और एमएसएफ सहित विभिन्न छात्र संगठनों द्वारा शहर के कई पुलिस थानों में शैजा के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज कराई गई थी। बाद में उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला पहला राज्य बना असम

गुवाहाटी , एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि असम देश में एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला पहला राज्य बन गया है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान भारत से प्रत्येक परिवार को सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक इलाज निःशुल्क मिलता है। इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में सरमा ने कहा कि असम ने नयी कामयाबी हासिल की है। राज्य ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वास्थ्य योजना के लक्ष्य को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत यात्रा और आयुष्मान आपके द्वार अभियान जैसे प्रयासों के माध्यम से एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला असम पहला राज्य बन गया है। इंटरनेट मीडिया में एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के मंत्रियों, अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों को सब्सिडी वाली बिजली नहीं दी जाएगी। उन्होंने बिजली विभाग को निर्देश दिया कि मंत्रियों की कालोनी सहित सरकारी क्वार्टरों में प्रीपेड मीटर लगाए जाएं। सरमा ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन से बहुत ही मामूली राशि बिजली बिल के मद में काटी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी मंत्री, अधिकारी या सरकारी कर्मचारी को सब्सिडी पर बिजली नहीं मिले।

हिमाचल प्रदेश में टैक्स से मिलेगी राहत, किसानों के लिए आएगी नई स्कीम

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के दूध उत्पादकों और प्रदेश के किसानों के लिए आगामी बजट खुशखबरी वाला हो सकता है। हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार ने दूध उत्पादन करने वालों को टैक्स में राहत और किसानों के लिए नई योजनाएं शुरू कर सकती है। इसको लेकर रविवार को सुखविंदर सिंह सुक्खू ने संकेत दे दिया है। उन्होंने कहा कि इन दो बातों पर हिमाचल प्रदेश सरकार विचार कर सकती है। रविवार को संकेत देते हुए उन्होंने पैसा सीधे किसानों तक पहुंचाने के साथ ही नीतियों और नियमों में कई बदलाव किए जाने के संकेत दिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार दूध उत्पादकों को टैक्स दर में रियायत देने पर भी विचार किया जाएगा। इस दौरान सुक्खू ने कहा कि हम पशुपालन को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने के साथ ही कृषि क्षेत्र में बड़े बदलाव लाने का प्लान बनाया जा रहा है। आगामी 14 फरवरी को हिमाचल प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र शुरू होगा। इस दौरान 17 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा।

मुस्लिम समुदाय आ रहा हमारे साथ, बीजेपी का हिंदुत्व जलाता है घर: उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को दावा किया कि मुस्लिम समुदाय का समर्थन उनके दल को मिल रहा है। इसके अलावा, उद्धव ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला और कहा कि उनका हिंदुत्व घर जलाता है, जबकि हमारा हिंदुत्व लोगों के घर में चूल्हा जलता है। मुंबई में उद्धव ठाकरे ने कहा, मुस्लिम समुदाय हमारे साथ आ रहा है। मैं उनसे पूछता हूं कि क्या आप नहीं जानते कि मैं शिवसेना का पार्टी प्रमुख हूं और हिंदू हृदय सम्राट का बेटा हूं? मैं खुद एक कट्टर हिंदू हूं तो आप मेरे साथ क्यों आ रहे हैं? वे कहते हैं कि हमें पता चल गया है कि आपके हिंदुत्व और बीजेपी के हिंदुत्व में अंतर है। आपके हिंदुत्व से हमारे घर का चूल्हा जलता है और बीजेपी का हिंदुत्व घर जलता है। दिल में राम और हाथ में काम, यही हमारा हिंदुत्व है और हम देशभक्त हिंदू

हैं। उद्धव ठाकरे ने रविवार को यह भी दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार से वोट हासिल करने के लिए नरेन्द्र मोदी की सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया है। शिवसेना के यहां एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जन संघ ने सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) को 26 प्रतिशत आरक्षण देने के ठाकुर के फैसले का विरोध किया था। उन्होंने कहा, लेकिन अब भाजपा लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार से वोट हासिल करना चाहती है, इसलिए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि उनके (ठाकुर के) काम को इतने सालों के बाद मान्यता दी जा रही है। ठाकरे ने आगे कहा कि भाजपा ने डॉ.एम.एस. स्वामीनाथन के नाम को भारत रत्न के लिए नामित किया है लेकिन उनकी अध्यक्षता में गठित आयोग द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के लिए की गई सिफारिशों को लागू करने में असफल रही है। खोखलेपन को देख रही है। केंद्र सरकार ने इस साल पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी.नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, कृषि वैज्ञानिक और भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एम.एस.स्वामीनाथन, समाजवादी नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता लाल कृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है।

छह महीने में एक करोड़ से ज्यादा सैलानियों ने हिमाचल प्रदेश को निहारा

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सैलानियों की पसंद बना हुआ है। भारी तादाद में देशी-विदेशी सैलानी हिमाचल की वादियों की ओर रुख कर रहे हैं। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों सैलानी हिमाचल की वादियों को निहार रहे हैं। प्रदेश पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, बीते वर्ष 2023 की पहली छमाही में एक करोड़ से अधिक पर्यटकों ने हिमाचल का दौरा किया। इनमें 99,78,504 घरेलू और 28,239 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। खासकर छुट्टियों के मौसम में प्रदेश में पर्यटकों की भारी आमद देखी गई। 10,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित 9.2 किलोमीटर लंबी और दुनिया की सबसे लंबी अटल सुरंग रोहतांग सहित राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की संख्या अधिक रही।

पुलिस के मुताबिक, क्रिसमस की पूर्व संध्या और नए साल 2024 का जश्न मनाने के लिए 12,000 से अधिक वाहनों के साथ लगभग 65 हजार पर्यटकों ने अटल सुरंग रोहतांग का दौरा किया।

पुलिस मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पर्यटकों की सुरक्षित व परेशानी मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार ने बिलासपुर, मंडी और कुल्लू से होकर गुजरने वाले कीरतपुर-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन ट्रैफिक टूरिस्ट पुलिस स्टेशन (टीटीपीएस) स्थापित किए हैं। ये स्टेशन सैलानियों के लिए मददगार साबित हो रहे हैं। पुलिस मुख्यालय का कहना है कि जिला बिलासपुर के बघेड़, जिला मंडी के नेरचौक और जिला कुल्लू के भुंतर में रणनीतिक रूप से स्थित ये स्टेशन यातायात प्रबंधन और क्षेत्र के सुंदर मार्गों से गुजरने वाले आगंतुकों को मदद प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

कर्नाटक की सिद्धारमैया ने तोड़ दिए सारे रिकॉर्ड, 90 लोगों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दे रखा है

बेंगलुरु, एजेंसी। लोगों को खुश करने के लिए कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकरा ने मंत्री का दर्जा देने में रिकॉर्ड ही तोड़ दिए। सिद्धारमैया सरकार ने लगभग 90 लोगों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दे ररखा है। इसमं 77 विधायक और 9 अन्य लोग शामिल हैं। कर्नाटक के इतिहास में पहली बार है जब इतने लोगों को मंत्री का दर्जा दिया गया है। बता दें कि कर्नाटक में अभी 9 महीने पहले ही कांग्रेस की सरकार बनी है।

अलग-अलग वर्गों को संतुष्ट करने के लिए सिद्धारमैया सरकार ने 77 विधायकों ने 77 विधायकों और चार एमएलसी को मंत्री का दर्जा दिया। कर्नाटक में कांग्रेस के कुल 135 विधायक हैं। इसमें मंत्रियों के अलावा कॉर्पोरेशन और बोर्ड के अध्यक्षों, मुख्यमंत्री के कई सलाहकारों और यहां तक कि विधानसभा और विधानसभा में पार्टी के चीफ विप को भी कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है।

मुख्यमंत्री के जिन 9 सलाहकारों की नियुक्ति की गई है वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। इसमें कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करवाने वाले सुनील कानुगोली, मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. एच रविकुमार, पूर्व आईएएस और ब्रैंड बेंगलुरु एक्सपर्ट पीएस पाटिल और डॉ. आरती कष्ण शामिल हैं। बता दें कि कैबिनेट मंत्री को कई तरह की सुविधाएं मिलती हैं। जैसे कि वह 14 स्टाफ को हायर कर सकता है। इसके अलावा उसे सरकारी गाड़ी के साथ ही अंगरक्षक दिए जाते हैं। उसे तनख्वाह भी मिलती है।

बता दें कि दर्जा प्राप्त मंत्री कोई संवैधानिक पद नहीं होता है।

पुणे में मच्छरों के झुंड से दहशत, घरों में कैद हुए लोग; बच्चों के खेलने पर भी लगी पाबंदियां

पुणे एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे के लोगों में आजकल मच्छरों के झुंडों का खौफ है। ये झुंड पुणे की मुथा नदी और इसके इर्द-गिर्द घूम रहे हैं। लोगों में इनकी दहशत का आलम यह है कि आलीशान ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग अपने घरों तक ही सीमित होकर रह गए हैं।

वे अपनी बालकनी के दरवाजे-खिड़की तक नहीं खोल पा रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने बगीचे और पार्कों में बच्चों को भेजना और खुद का जाना भी वर्जित कर दिया है। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं, जिसमें शहर के मुंडवा, केशवनगर और खराड़ी इलाकों में आसमान में मच्छरों के विशाल झुंड उड़ते दिखाई दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि मच्छरों के प्रकोप के कारण उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने अधिकारियों से इस संबंध में कदम उठाने और प्रभावित क्षेत्र को साफ करने का आग्रह किया। कई लोगों ने कहा कि मच्छरों का प्रजनन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। कई तरह के रोग मसलनः मलेरिया, डेंगू और यहां तक कि चिकनगुनिया आदि फैल सकते हैं। इसलिए इन पर अंकुश जरूर है। वैसे आजकल खरादी में मुला-मुथा नदी में जलस्तर बढ़ा हुआ है। हालांकि, पुणे नगर निगम ने दो दिन पहले ही अतिरिक्त पानी निकालने का काम शुरू कर दिया है, लेकिन स्थिति अभी भी नियंत्रण में नहीं है। नदी के किनारे स्थिति खासकर गंभीर है। मच्छरों के झुंड लगातार वहां मंडरा रहे हैं। ऊंची-ऊंची इमारत, आईटी पार्क परिसर, स्कूल, खेल स्टेडियम, वृद्धाश्रम, श्मशान और स्थानीय गांवों सहित विभिन्न प्रतिष्ठान इन मच्छरों से प्रभावित हो रहे हैं।

मध्य अमेरिका और रूस में देखे जाते हैं मच्छरों के झुंडः इस नदी एक छोटे बांध के साथ-साथ एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी है। इस वजह से यहां पानी का प्रवाह धीमा हो गया है। यहां ज्यादा जमा पानी मच्छरों को प्रजनन के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान कर रहा है, जोकि बड़ा खतरा है। बता दें कि आमतौर पर मच्छरों के ऐसे झुंड बारिश के मौसम में मध्य अमेरिका और रूस में देखे जाते हैं।

पाकिस्तान में राजनीतिक दलों के बीच झड़प में तीन की मौत, सात घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में दो राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने समाचार एजेंसी शि?न्हुआ को बताया कि रविवार को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस (जीडीए) के कार्यकर्ताओं के बीच लरकाना जिले में सशस्त्र झड़प हुई।शि?न्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिद्वंद्वियों के बीच तीखी बहस इतनी बिगड़ गई कि गोलीबारी शुरू हो गई, इसमें दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता और उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी मारे गए और घायल हो गए।सूत्रों ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, इसमें एक सहायक पुलिस उपनिरीक्षक समेत तीन लोगों की मौत हो गई।सूत्रों ने बताया कि पुलिस के हस्तक्षेप के बाद प्रदर्शनकारी तितर-बितर हो गए और इलाके में स्थिति नियंत्रण में है।एक पुलिस अधिकारी सहित घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनमें से दो की हालत गंभीर है।

इजरायली सेना ने गाजा में चलाया रात भर स्पेशल ऑपरेशन, राफा शहर से 2 बंधकों को कराया मुक्त

जेरूसलम , एजेंसी। इजरायली सेना अपने बंधकों को मुक्त कराने के लिए गाजा के जमीन पर उतर चुकी है। दुश्मनों के घर में घुसकर अपने लोगों को बचाने का काम इजरायल निडर होके कर रही है। इस बीच इजरायली सेना ने सोमवार को कहा कि उन्होंने रात भर के एक विशेष अभियान में गाजा के राफा से दो बंधकों को बचाया है। इजरायली सेना ने सोमवार को बंधकों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने गाजा के दक्षिणी राफा पड़ोस में रात भर के एक विशेष अभियान में दो बंधकों को बचाया गया है। बंधक उन लोगों में से थे जिनका हमास ने 7 अक्टूबर को अपहरण कर लिया था। फलस्तीनी अधिकारियों के हवाले से एपी की रिपोर्ट के अनुसार, फर्नांडो साइमन मार्मन (60) और लुईस हार (70) के रूप में पहचाने गए दो लोगों को एक छापेमारी के दौरान एक आवासीय इमारत से बचाया गया।

इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, बचाए गए बंधक अच्छी स्थिति में हैं और उन्हें आगे की चिकित्सा जांच के लिए इजरायल में स्थानांतरित कर दिया गया है। आईडीएफ ने एक्स (पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर लिखा, आईडीएफ, आईएसए और इजरायल पुलिस के बीच एक संयुक्त अभियान के दौरान, किबुत्ज निर यित्जाक से दो इजरायली बंधकों को बचाया गया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को साक्षात्कार में कहा कि गाजा में रखे गए शेष 132 इजरायली बंधक इस क्षेत्र में इजरायल की ओर से की जा रही कार्रवाई को सही ठहराने के लिए काफी हैं। बंधकों से जुड़े सवाल पर नेतन्याहू ने कहा कि हम बंधकों को वापस लाने के प्रयास कर रहे हैं। साथ ही सैन्य अभियान को लेकर वैश्विक नेताओं के आह्वान को लेकर नेतन्याहू ने कहा कि चाहे कुछ भी हो, रफाह में बची हुई हमास की आतंकवादी बटालियनों को इजरायली सेना ढूंढ निकालेगी।

इजरायल-हमास संघर्षः गाजा में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 28,176

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 28,176 हो गई है, जबकि 67,784 अन्य घायल हुए हैं। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। पिछले 24 घंटों में इजरायली हमलों में कम से कम 112 फिलिस्तीनी मारे गए और 173 अन्य घायल हो गए। आधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब?ल?यूएएफए ने बताया कि दक्षिणी गाजा पट्टी के रफाह शहर में एक घर पर इजरायली बमबारी में कम से कम 25 फिलिस्तीनी मारे गए। एक फिलिस्तीनी सूत्र ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा कि इज़राइल ने पिछले कुछ घंटों में खान यूनिस, दीर अल-बलाह, रफाह और गाजा सिटी पर हवाई हमले और बमबारी की, इसमें दर्जनों फिलिस्तीनी मारे गए और घायल हो गए। जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इज़राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के जनरल स्टाफ के प्रमुख हर्ज़ी हलेवी ने शनिवार को कहा कि इज़राइली सेना खान यूनिस में लड़ाई खत्म करने से अभी बहुत दूर है।

मिले 1 लाख साल पुराने पैरों के निशान, वैज्ञानिकों ने बताया- कैसा दिखता था इंसान

रबात, एजेंसी। मोरक्को में एक लाख साल पुराने निशान पाए गए हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि ये निशान इंसान के पैरों के हैं। मोरक्को, फ्रांस जर्मनी और स्पेन के वैज्ञानिकों ने एक रिसर्च पब्लिश की है जिसमें दावा किया गया है कि एक लाख साल पुराने पैरों के निशान भी सुरक्षित हैं। ये पैरों के निशान मानव विकास को लेकर कई राज खोल सकते हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी मोरक्को में समंदर के पास के इलाके में एक चट्टान के ऊपर पैरों के निशान पाए गए। ऐसा लगता है कि ये निशान पांच इंसानों के समूह के हैं।

नेचर साइंस जर्नल में प्रकाशित रिसर्च के मुताबिक इन पैरों के निशान से ह्यूमन रेस के ओरिजिन के बारे में पता लगाया जा सकता है। हालांकि तटीय इलाकों में

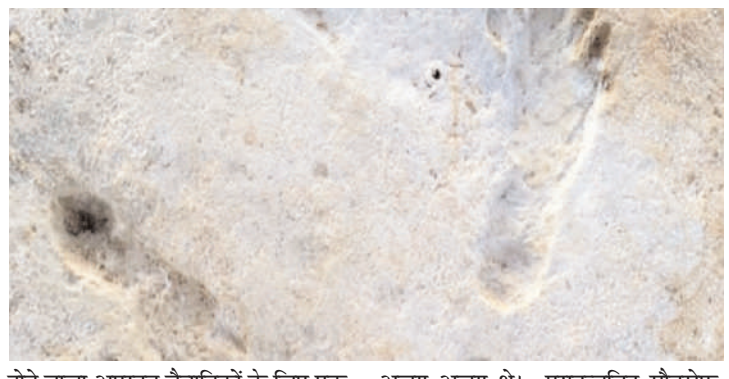

होने वाला अपरदन वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कई ह्यूमन ट्रैक समंदर में गायब हो गए हैं। मोरक्को में समंदर किनारे पत्थरों पर शोध के दौरान ये पैरों के निशान पाए गए थे। जब इन निशानों को गौर से देका गया तो पता चला कि इनके साइज अलग-अलग थे। पुरातत्वविद मौनसेफ सेदराती ने अलजजीरा को बताया, पहले हमें विश्वास नहीं हो रहा था कि ये इंसानों के पैरों को निशान हो सकते हैं। लेकिन जब दूसरा और तीसरा निशान बना तो हमें विश्वास होने लगा। बाद में पता चला कि यह रेत 1 लाख साल पुरानी है। यहां से इंसानों के पैरों के करीब 85 निशान पाए गए। ऐसा लगता है कि इंसानों का कोई समूह पानी की ओर जा रहा था। इससे पहले उत्तरी अमेरिका में भी पैरों के निशान पाए गए थे। अंगूठे और उंगलियों के निशान से पता लगता है कि तब भी हमारे जैसे ही इंसान थे। अलग-अलग साइज से पता चलता है कि इसमें महिला पुरुष और बच्चे भी शामिल थे।

अब तक वैज्ञानिकों को भी पता नहीं चला है कि आखिर इंसान यहां क्या करता था। हालांकि अंदाजा लगाया गया है कि वे समंदर में अपना खाना ढूंढने के लिए जाते रहे होंगे। ऐसा भी हो सकता है कि इस इलाके में वे घूमने ही आए हों या फिर अचनाक पहुंच गए हों। सेदराती की टीम ने अध्ययन में पता लगाया कि ये फुटप्रिंट खुद अपनी कहानी बताते हैं। इनके आसपास जमा खनिज और कार्बन से पता लगाया गया कि ये कितने पुराने हैं।

सेदराती ने कहा कि हो सकता कि उस वक्त हिम युग खत्म हो रहा हो और फिर इंसानों मे भी परिवर्तन आया हो। अध्ययन पता चलता है कि उस समय हिम युग खत्म हो चुका था। हालांकि अभी यह पता लगाना है कि वास्तव में उस वक्त की जलवायु और मौसम कैसाथा। बता दें कि 1995 में दक्षइण अफ्रीका के वेस्ट केप प्रांत में पाए गए पैर के निशान सबसे पुराने बताए जाते हैं। इनकी उम्र लगभग 1 लाख 17 हजार साल है। इनकी लंबाई 8.7 इंच है। इससे पता लगया गया कि यह आकार चप्पल की तरह का है। वहीं उस समय महिलाओं की ऊंचाई लगभग 122 सेंटीमीटर थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129